

6,595 88.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS सेंसेक्स 819 अंकों की तेजी के साथ ७९७०५ पर हुआ बंद

MUNBAI : हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन ९ अगस्त को शेयर बाजार में तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स 819 अंक की तेजी के साथ 79705 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 250 अंक की बढ़त रही, ये २४३६७ के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 27 में तेजी और 3 में गिरावट रही। निफ्टी के 50 शेयरों में से 45 में तेजी और 4 में गिरावट रही। रिलायंस, इंफोसिस, महिंद्रा एंड महिंद्रा और एसबीआई ने बाजार को ऊपर खींचा। बाजार को बढ़ाने में सबसे ज्यादा रिलायंस का १४६.५६ प्वाइंट का कॉन्ट्रिब्यूशन रहा।

आईएसआईएस आतंकी रिजवान हुआ अरेस्ट

NEW DELHI : दिल्ली पुलिस को आतंकी के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने आईएसआईएस ने कुख्यात आतंकी रिजवान को गिरफ्तार किया है। रिजवाज राष्ट्रीय जांच एजेंसी के रडार पर था। साथ ही आंतकी पर लाख रुपये का नकद इनाम था। दिल्ली के दरियागंज के रहने वाले रिजवान के सिर पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने के लिए 3 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। पुलिस के मुताबिक अली आईएसआईएस के पुणे मॉड्यूल का हिस्सा था और फरार था, स्वतंत्रता दिवस से पहले राजधानी में उसकी

40 कुत्तों से रेप करने वाले को 10 साल की सजा

मौजूदगी की जांच की जा रही है।

NEW DELHI : ब्रिटेन में एक शख्स को कृतों के साथ रेप करने पर 10 साल की सजा सुनाई गई है। आरोप शख्स का नाम एडम ब्रिटन है, जिसकी उम्र ५३ साल है। एडम को 40 से अधिक कुत्तों के साथ रेप करने का दोषी पाया गया है। एडम पेशे से एक जूलॉजिस्ट है और उसे मगरमच्छों का विशेषज्ञ माना जाता है। एडम ने पिछले महीने खुद पर लगे पशु क्रूरता से जुड़े 56 आरोपों को स्वीकार किया

जल, जंगल, जमीन की रक्षा के लिए संघर्ष झारखंड की पहचान : सीएम

मुंडा स्मृति पार्क में झारखंड आदिवासी महोत्सव का मुख्यमंत्री ने किया उद्घाटन

• महुआ माजी

और कल्पना

PHOTON NEWS RANCHI:

शुक्रवार को राजधानी रांची के बिरसा स्मृति पार्क में झारखंड आदिवासी महोत्सव का उद्घाटन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने किया। कार्यक्रम में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने भी शिरकत की। मौके पर विशिष्ट अतिथि के तौर पर दिशोम गुरु शिब् सोरेन भी उपस्थित रहे। राज्यसभा सांसद महुआ माजी, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी और विधायक कल्पना सोरेन भी मौजूद रहीं। दो दिवसीय आदिवासी महोत्सव में कई राज्यों के कलाकार भाग ले रहे हैं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य में तीसरी बार विश्व आदिवासी दिवस मनाया जा रहा है। महोत्सव देश और दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में भी मनाया जा रहा है। आदिवासी समाज देश-दुनिया में फैला है। झारखंड ने आदिवासी संस्कृति सभ्यता के होने, जल,



• राज्यपाल

संतोष कुमार

• विशिष्ट अतिथि

के रूप में शिब्र

जंगल, जमीन की रक्षा और अधिकार के लिए संघर्ष करके दुनिया को दिखाया है। यही

• आज खुशी का

दिन है और

झारखंड की पहचान है। सीएम ने अनके पिता शिब सोरेन और उनके कहा कि झारखंड के लिए किस तरह से लंबी लड़ाई लड़ी गई और सभी जानते हैं।

साथियों की क्या भूमिका रही, यह

साथ होते हैं एकत्रित

हेमंत ने कहा कि हर बार एक नए उत्साह और नई ऊर्जा के साथ हम सब एकत्रित होते हैं। आज आदिवासी दिवस पर सिर्फ एक ही स्थान पर नहीं, बल्कि देश– दुनिया के भर सभी स्थानों पर अलग-अलग समूहों में लोग आदिवासी दिवस मना रहा हैं। निश्चित रूप से आदिवासी समाज के लिए ऐसे दिन हमेशा याद रखने का दिन होता है। सीएम ने कहा कि आदिवासी समाज के बाद ही अन्य समाजों का सृजन हुआ। इसी क्रम में ये आदिवासी समाज भी देश दुनिया के सभी कोनों में अपनी संस्कृति, विरासत के साथ चल रहे हैं। हमें गर्व है कि हमने ऐसी धरती पर जन्म लिया, जिसे बल्कि इस राज्य को वीरों की धरती कहा जाता है। जहां भगवान बिरसा मुंडा, सिदो– कान्हो, फूलो–झानों जैसे वीर सपूतों ने इस घरती के लिए,आदिवासी मूलवासियों के अधिकार के लिए संघर्ष किया। सीएम ने कहा कि अलग झारखंड राज्य के लिए लोगों ने लड़ाई लड़ी, इनमें से कई बुजुर्ग हो गयें और कई संघर्षशील लोगों ने हमारा साथ छोड दिया।

हर बार नई ऊर्जा के बोले संतोष गंगवार, आदिवासी समुदाय की संस्कृति पर हम सभी को गर्व होना चाहिए

आदिवासी दिवस

सीएम हेमंत सोरेन जल्द लागू कराएं पेसा कानून : राज्यपाल

शुक्रवार को विश्व आदिवासी दिवस पर राजधानी रांची के बिरसा मुंडा स्मति उद्यान में आयोजित आदिवासी महोत्सव कार्यक्रम में राज्यपाल संतोष कमार गंगवार ने कहा कि आदिवासी समुदाय की संस्कृति पर हम सभी को गर्व होना चाहिए और उसे संरक्षित रखने का संकल्प लेना चाहिए। जनजातीय समुदाय की पारंपरिक शासन व्यवस्था को झारखंड में लागू किया जाना आवश्यक है। देश में झारखंड एक मात्र ऐसा राज्य है, जहां पेसा कानन लाग नहीं है। मख्यमंत्री हेमंत सोरेन से आग्रह है कि जल्द इस कानून को लागू कराएं। राज्यपाल ने कहा कि 31 जुलाई 2024 को इस सुंदर प्रदेश के राज्यपाल के रूप में उन्हें शपथ ग्रहण करने का सौभाग्य



मिला। शपथ लेने से पहले भगवान बिरसा मंडा को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए यहां आया था। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा केवल झारखंड के ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए एक प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने अपने अल्पायु में ही इतिहास रच दिया और मातुभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व बलिदान दिया।

कोर्ट का राहत देने से इनकार, बेल खारिज मनीष सिसोदिया को 17 समिति में होंगे 31 मेंबर्स, 21 लोकसभा और 10 राज्यसभा के

अभी जेल में ही रहेंगे पूर्व मंत्री आलमगीर आलम

PHOTON NEWS RANCHI: टेंडर घोटाले के आरोप में जेल में

बंद पूर्व मंत्री और विधायक आलमगीर आलम को कोर्ट ने राहत देने से इंकार कर दिया है। आलमगीर आलम की जमानत याचिका को एमएपी एमएलए कोर्ट खारिज कर दिया है। आलमगीर आलम ने 18 जुलाई को ईडी की विशेष अदालत में जमानत के लिए याचिका दायर की थी। आलमगीर आलम को 15 मई को ईडी ने पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया था। दरअसल, आलमगीर आलम के सचिव के नौकर के ठिकानों से ईडी ने 35 करोड़ से अधिक की राशि बरामद की थी।



की विशेष अदालत में दायर की थी जमानत याचिका

🗕 सचिव के नौकर के टिकानों से मिले थे ३५ करोड़ से अधिक रुपये

महीने बाद सीबीआई व ईडी केस में मिली बेल

NEW DELHI : दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को सप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को जमानत दे दी। सिसोदिया 17 महीने से तिहाड़ जेल में बंद हैं। सिसोदिया को दिल्ली शराब नीति घोटाले से जुड़े सीबीआई और ईडी, दोनों केस में राहत मिली है। सीबीआई ने भ्रष्टाचार केस में सिसोदिया को २६ फरवरी, २०२३ को गिरफ्तार किया था। ईडी ने 9 मार्च, 2023 में उन्हें मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था। उन्होंने 28 फरवरी, 2023 को मंत्री पद से इस्तीफा दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा- केस में अब तक 400 से ज्यादा गवाह और हजारों दस्तावेज पेश किए जा चुके हैं। आने वाले दिनों में केस खत्म होने की दूर-दूर तक कोई संभावना नहीं है। ऐसे में सिसोदिया को हिरासत में रखना उनके स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार का उल्लंघन होगा।

वक्फ संशोधन विधेयक के लिए बनी जेपीसी

शक्रवार को लोकसभा ने वक्फ संशोधन विधेयक के लिए बनाई जाने वाली संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। इस समिति में 31 सदस्य होंगे। इसमें लोकसभा से 21 और राज्यसभा से 10 मेंबर होंगे। समिति को रिपोर्ट संसद के अगले सत्र के पहले हफ्ते में देनी होगी। संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजीजू लोकसभा में बिल को जेपीसी के पास भेजने का प्रस्ताव रखा। रिजीजू ने वक्फ बिल 2024 पेश किया था। कांग्रेस समेत विपक्षी दलों ने इस बिल का विरोध करते हुए इसे मुस्लिम विरोधी बताया था।



21 सदस्यों में भाजपा के 7, कांग्रेस के 3 सांसद

जगदंबिका पाल (भाजपा), निशिकांत दुबे (भाजपा), तेजस्वी सूर्या (भाजपा), अपराजिता सारंगी (भाजपा), संजय जायसवाल, दिलीप सैकिया (भाजपा), अभिजीत गंगोपाध्याय (भाजपा), डीके अरुणा (वाईएसआरसीपी), गौरव गोगोई (कांग्रेस), इमरान मसूद (कांग्रेस), मोहम्मद जावेद (कांग्रेस), मौलाना

मोहिबुल्ला (सपा), कल्याण बनर्जी (टीएमसी), ए राजा (डीएमके), एलएस देवरायलु (टीडीपी), दिनेश्वर कामत (जदयू), अरविंत सावंत (शिवसेना, उद्भव गुट), सुरेश गोपीनाथ (एनसीपी, शरद पवार), नरेश गणपत मास्के (शिवसेना, शिंदे गुट), अरुण भारती (एलजीपी-आर), असदुद्दीन ओवैसी (एआईएमआईएम)।

की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। 18 में लोकसभा में केंद्रीय बजट 2024–25 को मंजूरी देने की प्रक्रिया संपन्न हुई। लोकसंभा अध्यक्ष ओम बिरला ने लोकसभा की बैटक अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने की घोषणा से पहले बताया कि इस सत्र में 15 बैठके हुई जो 115 घंटे तक चलीं और सदन की कार्य

लोकसभा और राज्यसभा

अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

शकवार को लोकसभा और राज्यसभा

उत्पादकता १३६ प्रतिशत रही। अटारहवीं लोकसभा के दूसरे सत्र की शुरूआत 22 जुलाई को हुई थी जिसमें 23 जुलाई को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सदन में केंद्रीय बजट 2024-25 पेश किया। राज्यसभा के 265वें सत्र को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने की घोषणा सभापति

जगदीप धनखड ने की।

डीएम डीआर मेघश्री ने बताया कि घटना के बाद से डरे हुए हैं इलाके के लोग

वायनाड में अचानक जमीन से आई रहस्यमयी आवाज

दहशत

AGENCY WAYNAD: शुक्रवार की सुबह लगभग 10:15 बजे

केरल के वायनाड में लैंडस्लाइड वाले इलाकों में जमीन के नीचे से रहस्यमयी तेज आवाज से लोग दहशत में हैं। अधिकारियों ने कहा कि अंबालावायल गांव और व्यथिरी तालुका में जमीन के नीचे तेज आवाज सुनाई दी है। वायनाड के डीएम डीआर मेघश्री ने बताया कि घटना के बाद से इलाके के लोग डरे हुए हैं। सभी को सुरक्षित स्थानों पर भेजा जा रहा है। केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने कहा कि रिक्टर स्केल में भुकंप के संकेत नहीं मिले हैं। आवाज किस कारण से आई है, इसकी जांच की जा रही है। फिलहाल इलाके के स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है।

राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने कहा- रिक्टर स्केल में नहीं मिले हैं भूकंप के संकेत

केरल हाईकोर्ट ने लिया स्वतः संज्ञान

वायनाड लैंडस्लाइड पर केरल हाईकोर्ट ने खुद संज्ञान लिया है। जस्टिस जयशंकरन नांबियार और जस्टिस वीएम श्यामकुमार की बेंच ने इस पर सुनवाई की। कोर्ट ने कहा- यदि पर्यावरण ऑडिट किया गया है, तो हमें इसकी रिपोर्ट

चाहिए। समस्या यह है कि हमारे पास कई कानुन हैं, लेकिन जमीन पर नजर नहीं आते। अगली सुनवाई 16 अगस्त को होगी। हाईकोर्ट ने कहा था- केरल में कई जगह सेंसेटिव जोन, यहां नियमों को बढलना चाहिए।

तालियों की गड़गड़ाहट के बीच विदा हुए भारतीय सेना के जवान

केरल के वायनाड के भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में 10 दिनों तक खोज और बचाव अभियान चलाने के बाद भारतीय सेना के जवानों की वापसी हो चुकी है। सेना की टुकड़ी को अपार कृतज्ञता के साथ विदाई दी गई। वायनाड से बाहर निकलते समय कुत्तों और डॉग हैंडलर सहित बचाव दल को स्थानीय लोगों ने तालियों की गडगडाहट के बीच विदा किया। कन्नूर और त्रिवेंद्रम सैन्य अस्पतालों की सशस्त्र सेना चिकित्सा टीमें वायनाड के चूरलमाला और मुंदक्कई क्षेत्रों में प्रभावित ग्रामीणों और बचावकर्मियों को

महत्वपूर्ण चिकित्सा सहायता प्रदान की। वायनांड के चूरलमाला और मुंडक्कई गांव में 30 जुलाई की देर रात लगातार तीन बार भूस्खलन होने से सैकड़ों लोग मलबे में दब गए थे।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भुस्खलन के मद्देनजर तत्काल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी से बात की। इसके बाद भारतीय सेना की टुकड़ियों के साथ भारतीय वायुसेना के ध्रुव हेलीकॉप्टर को वायनाड में बचाव अभियान चलाने के लिए भेजा गया। सर्च ऑपरेशन चलाने के लिए जमीन पर सेना के 1300 से अधिक जवानों को तैनात किया गया।

पूर्व सीएम बुद्धदेव भट्टाचार्य को नम आंखों से दी गई अंतिम विदाई

KOLKATA : शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य को मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के राज्य मुख्यालय में अंतिम विदाई देने के लिए सैंकड़ों की संख्या में लोग पहुंचे। मार्क्सवादी नेता का गुरुवार को उनके निवास पर 80 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। भट्टाचार्य को साम्यवादी विचारधारा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और राज्य के औद्योगिकीकरण के लिए व्यावहारिक दृष्टिकोण के लिए याद किया जाएगा। शोक संतप्त लोगों में से कुछ ने नम आंखों से जबिक कइयों ने मुट्टी बांधकर लाल सलामी के जरिये भट्टांचार्य को श्रद्धांजलि दी। इनमें कई लोग भट्टाचार्य की तस्वीरें भी लिये हुए थे। माकपा के राज्य मुख्यालय में अंतिम दर्शनों के लिए रखा गया भट्टाचार्य का पार्थिव शरीर लाल झंडे में लिपटा और फूलों से ढका हुआ था। माकपा के दिग्गज नेता ने राज्य के राजनीतिक परिदृश्य पर एक अमिट छाप छोड़ी है।

झारखंड में वर्षा को लेकर येलो अलर्ट

आज व कल उत्तरी हिस्से में हो सकती भारी बारिश

PHOTON NEWS RANCHI: राज्य में आने वाले दिनों में सक्रिय

मानसून का असर देखा जायेगा। मौसम विज्ञान केंद्र की मानें तो दस और 11 अगस्त को राज्यभर में बारिश होगी। इस दौरान कुछ हिस्सों में भारी बारिश के साथ वज्रपात की संभावना व्यक्त की गयी है। इसमें राज्य के उत्तरी हिस्से में मुख्य रूप से बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। जिसमें चतरा, कोडरमा, गिरिडीह, बोकारो, रामगढ़, हजारीबाग जिला शामिल है। इसके साथ ही हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश राज्य के मध्य हिस्से में भी देखने को मिलेगी। इसमें रांची,



- चतरा, कोडरमा, गिरिडीह, बोकारो, रामगढ़, हजारीबाग में जमकर बरसेगा पानी
- रांची, खूंटी, बोकारो समेत अन्य जिलों में हल्के से मध्यम दर्जे की होगी बारिश

खुंटी, बोकारो समेत अन्य जिलें शामिल है। जहां 10 और 11 अगस्त को बारिश होगी।

इन बड़े कांड़ों में रही है संलिप्तता

से महुदंड मोड़ से कालापहाड होते

हुए महुदंड तक रोड़ निर्माण किया

जा रहा, जिसके ठिकेदार से लेवी

मांगा गया, नहीं देने कारण हाईवा टैक्टर गाड़ी को जलाने में शामिल

था। वर्ष 2023 में ही लोहबंधा में

सत्येन्द्र यादव के खेत में एयरटेल

का टावर लग रहा था, जिसमें पूरे

संगठन के साथ जाकर लेवी मांगने

मारने की धमकी देकर काम रोकने

की घटना में शामिल था। वर्ष 2024

में लोकसभा चुनाव में हुसैनाबाद,

हैदरनगर एवं पाण्डू थाना क्षेत्र में

चिंपकवाने में शामिल था। वर्ष

चुनाव बहिष्कार से संबंधित पोस्टर

2024 में बिनु सिंह का हैदरनगर

थाना अंतर्गत सड़ेया से डंडीला तक

रोड निर्माण कार्य में लेवी नहीं देने

के कारण हाईवा, टैक्टर गाड़ी को

जलाने में शामिल था।

और लेवी नहीं देने पर जान से

www.thephotonnews.com Saturday, 10 August 2024

पलामू में 13 लाख का इनामी माओवादी जोनल कमांडर गिरफ्तार, बिहार निवासी

पुलिस को मिली बड़ी सफलता, अंधेरे का फायदा उठाकर भागा नितेश का दस्ता

नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में पलाम पलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। जिले के हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के झरगड़ा गांव से सटे झिपया पहाड से प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादी के जोनल कमांडर संगठन के 15 लाख के इनामी नितेश यादव के दस्ता के साथ किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के लिए वहां रुका हुआ था। गुप्त सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई की। पलिस टीम को देखकर मौके से अंधेरे का फायदा उठाकर नितेश सीताराम रजवार पकड़ में आ गया। एसपी रीष्मा रमेशन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में शुक्रवार को बताया कि सीताराम रजवार के खिलाफ



जबिक औरंगाबाद और गया जिला के विभिन्न स्थानों में 23 सफलता मान रही है। मामले दर्ज हैं। बिहार -झारखंड उल्लेखनीय है कि हार्डकोर के 10 महत्वपूर्ण मामलों में सीताराम रजवार की संलिप्तता रमन रजवार सलैया, थाना रही है। उसकी उम्र 65 वर्ष है। एनटीपीसी खैरा, जिला औरंगाबाद करीब 35 से 40 वर्ष से वह बिहार का रहने वाला है। वर्तमान माओवादी दस्ते में शामिल था। में प्रतिबंधित माओवादी संगठन में उसके खिलाफ वर्ष 1995 में जोनल कमाण्डर के पद पर था। पहला मुकदमा दर्ज किया गया उसे जोन नंबर-2 का कमान सौंपा था। उसके पास से उसके सहयोगी गया था, जिसके अंतर्गत छत्तरपुर-माओवादी नक्सली राजेंद्र सिंह के हसैनाबाद मख्य सडक के उत्तर द्वारा भेजी गई एक चिट्ठी मिली है। दिशा छत्तरपुर से देवरी की सिमेंट अपने रास्ते में वह एके-56 लेकर फैक्ट्री तक का उत्तरी क्षेत्र, जिसमें छत्तरपुर से हरिहरगंज होते हुए

वर्ष 2001 में बिहार के माली थाना में लूटकांड को अंजाम दिया गया था, जिसमें इनके संगठन के द्वारा छः पुलिसकर्मियों की नृसंश हत्या कर पूरा हथियार लूट लिया गया था। देव, औरंगाबाद थाना अंतर्गत एक राजपूत जमींदार को मारने में शामिल थाँ। मोनबार में चार व्यक्ति दो महिला एवं दो पुरूष को फांसी देने में शामिल था। वर्ष 2009 में विधानसभा चुनाव के समय माहुर मोहम्मदगंज थाना अंतर्गत पोलिंग पार्टी को आईडी ब्लास्ट कर उड़ाने में शामिल था। वर्ष 2016 में कालापहाड़ में पुलिस पार्टी वाहन को उड़ाने में शामिल था जिसमें आइइडी नागेन्द यादव के द्वारा लगाया गया था। वर्ष 2017 में कौड़िया विश्रामपुर में टीपीसी से मटभेंड ने शामिल थे जिसमें टीपीसी के 16 सोलह सदस्य मारे गए थे। वर्ष २०२३ अगस्त-

अंबा से कुटुम्बा, नबीनगर होते हये तेतरिया मोड से पतरघाटा होते हुये सोन नदी के बीच का क्षेत्र का जिम्मा मिला था। एसडीपीओ मुकेश महतो ने बताया कि गिरफ्तार प्रतिबंधित माओवादी

संगठन पर सरकार द्वारा 10 लाख का इनाम घोषित था। गिरफ्तार माओवादी के पास से नक्सली के सहयोगी राजेन्द्र सिंह के द्वारा भेजी गयी एक लिखित चिटठी बरामद

नक्सिलयों ने लगाया था ५ किलो का ३ आईईडी सुरक्षाबलों ने किया नष्ट



CHAKRADHARPUR

पश्चिमी सिंहभूम जिले के सारंडा वन क्षेत्र में नक्सलियों ने 5 किलो का 3 आईईडी लगाया था। इसका अर्धसैनिक बल के जवान प्रतिबंधित नक्सली संगठनों के खिलाफ शुक्रवार को ऑपरेशन चला रहे थे। इसी दौरान सुरक्षा बलों ने बम को जंगल में ही उसे नष्ट कर दिया। जानकारी के अनुसार, पश्चिमी सिंहभूम जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्र में प्रतिबंधित नक्सली संगठनों के खिलाफ सुरक्षाबलों द्वारा लगातार सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। सर्च ऑपरेशन के दौरान छोटानागरा और जराईकेला थाना के सीमावर्ती क्षेत्र गम्हरियागढा. एवं रोगाबुरु के आसपास क्षेत्र में नक्सलियों द्वारा पूर्व में पुलिस को नुकसान पहुंचाने के लिए 5-5 किलो का 3 आईईडी बम लगाया था।

मैगजीन लोडेड पिस्टल के साथ दो अपराधी गिरफ्तार



मामले की जानकारी देते पुलिस कप्तान अमन कुमार व अन्य 🔹 फोटोन न्यूज

KHUNTI: जिले के पुलिस कप्तान अमन कुमार को मिली गप्त सचना के आधार पर पलिस ने दो अपराधियों को मैगजीन लगी एक देसी पिस्तौल मैगजीन और एक ग्लैमर मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपितों में सारन बोदरा (32) और इम्तियाज मियां उर्फ ताजो (31) शामिल है। यह जानकारी तोरपा के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी क्रिस्टोफर केरकेट्टा ने शुक्रवार को अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। उन्होंने बताया कि एसपी को गुप्त सूचना मिली थी कि तीन अपराधी एक ग्लैमर मोटरसाइकिल पर सवार होकर कुमांग होते हुए कमडा मोड की तरफ आ रहे है। उनके पास अवैध हथियार है और किसी आपराधिक घटना अंजाम दे सकते हैं। सचना के

आलोक में तोरपा के एसडीपीओ के नेतत्व में छापेमारी टीम का गठन किया गया। छापामारी टीम त्वरित कार्रवाई करते हुए गुरुवार को कमड़ा मोड़ के पास पहुंची, तो तीन व्यक्ति एक ग्लैमर बाइक से आते हुए दिखे। दो लोगों को सशस्त्र बल के सहयोग से पकड़ा गया, जबिक अकबर खान पिता तैयब खान ग्राम बम्हणी थाना मुरह भागने में सफल रहा। पकड़े गए व्यक्तियों से पूछताछ करने पर उसने अपना नाम और पता पुलिस

एसडीपीओ ने बताया कि सारन बोदरा कीतलाशी लेने पर उसके पास से मैगजीन लगी एक देसी पिस्टल और ग्लैमर मोटरसाइकिल पंजीयन संख्या जेएच 01 डीयू 8557 बरामद की गई। इम्तियाज

सिमडेगा जेल में एटीएस को मिले मोबाइल, अमन साहू का गुर्गा करता था इस्तेमाल

झारखंड और बिहार मिलाकर

कुल 51 मामले दर्ज हैं। झारखंड

में 10 लाख, जबिक बिहार में तीप

लाख का इनाम घोषित था। पलाम

SIMDEGA : राज्य की जेलें कितनी सुरक्षित हैं, इसके बारे में समय-समय पर होने वाली कार्रवाई से पता चलता रहता है। जेलों की सुरक्षा व्यवस्था कमजोर होने के कारण ही यहां से अपराध के संचालन की बातें भी कही जाती हैं। सबसे आसान तरीके मोबाइल फोन के माध्यम से अपराध को संचालित करना हो गया है। समय-समय पर जेलों से मोबाइल फोन, नशे के सामान सहित तमाम आपत्तिजनक चीजें बरामद होती रही हैं। इसी कड़ी में सिमडेगा जेल से भी एटीएस की टीम ने मोबाइल फोन जब्त किया है। एंटी टेररिस्ट स्क्वायड को सिमडेगा जेल में आपत्तिजनक गतिविधियों के बारे में गुप्त सूचनाएं मिल रही थीं। एटीएस की टीम ने शुक्रवार को सिमडेगा जेल में छापामारी की तो वहां से मोबाइल फोन बरामद हुआ।

कोडरमा में जेवर उड़ाने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, भेजे गए जेल

जिले के सतगावां में जालसाजी कर जेवर उड़ाने वाले दो आरोपी को गिरफ्तार कर शुक्रवार को जेल भेजा गया। इस संबंध में थाना प्रभारी विजय कुमार गुप्ता ने बताया कि मरचोई निवासी पंकज सिंह ने तीन अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध सतगावां थाना में जेवर एवं पैसा की ठगी करने वाले आरोपित के विरुद्ध मामला दर्ज कराया था। मामले को लेकर 24 घंटे के अंदर प्राथमिक अभियुक्त मोहम्मद शमशाद (31) व मोहम्मद चुन्नू आलम (44) दोनों साकिन तकियापर थाना बुंदेलखंड नवादा को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। थाना प्रभारी विजय गुप्ता ने बताया कि छापामारी दल में पलिस अवर



ठगी मामले में गिरफ्तार आरोपी

आरक्षी अशोक कुमार, आरक्षी पवन कुमार, चालक मोहम्मद शहवाज के अलावा अन्य लोग शामिल थे। ठग आरोपी तांत्रिक के वेश में फाईलेरिया बीमारी ठीक करने का झांसा देकर ज्वेलरी की ठगी करने वाले चोर मामा -भांजे को सतगावां पलिस ने गिरफ्तार

• फोटोन न्यूज स्वर्ण व्यवसायी विक्की कुमार पर

गिरिडीह में दो साइबर अपराधी गिरफ्तार



GIRIDIH : गिरिडीह पुलिस ने दो साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से दो मोबाइल फोन व चार सिम कार्ड बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपितों में नवडीहा ओपी क्षेत्र के बेहराडीह निवासी दीपक कुमार मंडल व उमेश कुमार मंडल शामिल हैं। पुलिस ने उन्हें शुक्रवार को जेल भेज दिया। पुलिस को यह कामयाबली प्रतिबिंब एप के माध्यम से मिली। एसपी दीपक कुमार शर्मा को जानकारी मिली थी कि दो युवक साइबर ठगी का काम कर रहे हैं। इसके बाद साइबर थाना प्रभारी अजय कुमार के नेतृत्व में बताए गए स्थान पर छापेमारी कर

आदित्यपुर की सोसाइटी में केयरटेकर का बदमाशों ने सिर फोड़ा, तीन आरोपी गिरफ्तार

सरायकेला-खरसावां जिले के आदित्यपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत गम्हरिया के डीवीसी मोड़ के समीप स्थित मोक्ष फेज-दो सोसाइटी में गुरुवार की रात कुछ बदमाशों ने घुसकर उसके केयरटेकर राकेश कुमार सिंह पर जानलेवा हमला कर

की संख्या में बदमाश मोक्ष सोसाइटी में प्रवेश कर गए और गाली गलौज करते हुए राकेश सिंह पर हमला कर दिया, जिससे



घायल राकेश कुमार सिंह

इस मामले की जानकारी जब सोसाइटी के बिल्डर दीपक रंजन को मिली तो उन्होंने मामले की सूचना आदित्यपुर पुलिस को दी। घटना की सचना मिलने के बाद मौके पर सदलबल पहुंचे आदित्यपर थाना प्रभारी नितिन कुमार ने मामले की पूरी जानकारी लेकर आरोपितों की

सरदार ने राकेश सिंह को लेकर वापस मोक्ष सोसायटी के पास आया। तत्पश्चात पुलिस ने घायल राकेश सिंहको इलाज के लिए अस्पताल भेजा। इस मामले में पुलिस तीन को हिरासत में लेकर पुछताछ कर रही है। बताया जाता है कि विगत एक माह पूर्व अपराधी सन्नी सिंह के गुर्गों से बिल्डर दीपक रंजन के केयरटेकर राकेश सिंह का पानी को लेकर कुछ कहासुनी हुई थी। इसी के प्रतिशोध में बीती रात सन्नी सिंह के करीबी बाबू सरदार व अन्य सोसाइटी में जबरन प्रवेश कर राकेश सिंह पर हमला कर दिया। फिलहाल पलिस आरोपियों से पछताछ कर

विश्व आदिवासी दिवस : गौरव, अस्मिता व अधिकार की बुलंद हुई आवाज

अलग-अलग संगठनों ने गाजे-बाजे के साथ धूमधाम से मनाया दिवस, शहीदों को अर्पित की भावभीनी श्रद्धांजलि

डिमना से साकची तक निकली बाइक रैली खूंटी के कपरिया गांव में किया पौधारोपण

PHOTON NEWS JSR:

विश्व आदिवासी दिवस पर शुक्रवार को आदिवासी एकता मंच और विभिन्न ग्राम सभाओं के संयुक्त तत्वाधान में बाइक रैली निकाली गई, जो श्रीघुटू फुटबॉल मैदान से डिमना चौक होते हुए साकची के बिरसा चौक तक गई। यहां भगवान बिरसा मुंडा की आदमकद प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित कर रैली डिमना की ओर लौटी। इस दौरान आदिवासियों के लिए अलग धर्म कोड लाग करने समेत अन्य मांगों पर नारे लगे। सबसे पहले श्रीघूटू फुटबाल मैदान में राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। इसके बाद रैली बॉलीगुमा और डिमना स्थित बाबा



डिमना के पास रैली निकालते आदिवासी युवा

तिलका माझी की मर्ति पर माल्यार्पण किया गया। मानगो में खुदीराम बोस की मूर्ति साकची में बाबासाहब भीम राव आंबेडकर की मूर्ति पर माल्यार्पण किया गया। इसके बाद साकची में बिरसा चौक

• फोटोन न्यूज स्थित धरती आबा बिरसा मुंडा की मर्ति पर माल्यार्पण किया गया। वहां से वापस बालीगुमा के तिलका माझी क्लब में डिमना माझी बाबा के नेतृत्व में सभा



KHUNTI: युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष अरुण संगा के नेतृत्व में युवा कांग्रेस कार्यकताओं ने शुक्रवार को हुटार के कपरिया ग्राम में ग्रामीणों के साथ विश्व आदिवासी दिवस और युवा कांग्रेस का स्थापना दिवस मनाया। मौके पर जिलाध्यक्ष सहित अन्य कार्यकताओं ने पौधा रोपण किया। युवा काग्रेस की टीम ने काजू और महोगनी के पौधे लगाये। इस अवसर पर ग्रामीणों के बीच पौधों का वितरण भी किया गया।

चक्रधरपुर में गाजे-बाजे संग निकली एकता रैली

समन्वय समिति के बैनर तले चक्रधरपुर में विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया। चक्रधरपुर शहर के पोडाहाट स्टेडियम से आदिवासी समन्वय समिति के बैनर तले हो, मुंडा, उरांव, भुईयां आदि ने संयुक्त रूप से एकता रैली निकाली, जो पोटका स्थित आदिवासी मित्र मंडल तक गई। यहां भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर देश के लिए बलिदान होने वाले योद्धाओं को श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद गाजे-बाजे. सरना झंडा. बैनर. स्लोगन लिखी तिख्तयां लिए

निकली रैली में चक्रधरपुर के पूर्व

विधायक सह भाजपा नेता शशि

भूषण सामड भी शामिल हुए।

CHAKRADHARPUR : आदिवासी



पोड़ाहाट स्टेडियम में एकजुटता दिखाते आदिवासी नेता

एकता रैली में शामिल आदिवासी समाज के लोग पारंपरिक लोकनृत्य करते हुए एनएच-75 से आयोजन स्थल पोड़ाहाट स्टेडियम पहंचे। यहां मुख्य कार्यक्रम हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में विधायक सुखराम उरांव के अलावा बतौर अतिथि भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष मालती गिलुवा,

• फोटोन न्यूज पीपुल्स वेलफेयर एसोसिएशन के सचिव डॉ. विजय सिंह गागराई. भाजपा नेता विजय मेलगांडी, मिथुन गागराई, सिकंदर जामुदा, विजय सिंह सामड, ललित मोहन गिलुवा, शिवचरण देवगम, कश्मीर कांडेयांग, जंगल सिंह गागराई, उरांव समाज के अध्यक्ष रंजीत तिर्की भी शामिल हुए।

मांदर की थाप पर खूब थिरके आदिवासी

DHANBAD : विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर धनबाद जिले में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसमें जिले के कई क्षेत्रों से आए आदिवासी समुदाय के लोगों ने भाग लिया। शहर के जिला परिषद मैदान से सैकड़ों आदिवासी महिला और पुरुषों ने पारंपरिक भेष भूषा के साथ सोभा यात्रा निकली, जो रंगधीर वर्मा चौक होते हुए न्यू टाउन हॉल तक गई। शोभायात्रा में आदिवासी समाज की महिला और पुरुष मांदर की थाप

पर थिरकते नजर आए।

आदिवासी समाज के विकास में युवाओं | की भूमिका अहम, सजग रहें: उपायुक्त



SARAIKELA: आदिवासी दिवस पर सरायकेला स्थित टाउन हॉल में जिलास्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त रविशंकर शुक्ला मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम का उद्घाटन उपायुक्त, जिला परिषद अध्यक्ष सोनाराम बोदरा, उपविकास आयुक्त प्रभात कुमार बर्दियार सहित अन्य अतिथियों ने दीप

प्रज्वलित कर किया। अपने संबोधन में उपायुक्त ने सभी को विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामना देते हुए कहा कि आदिवासी समाज हमारे समाज की जड़ की तरह हैं और किसी भी समाज के विकास के लिए उसकी जड़ का मजबूत होना बेहद जरूरी है। प्रकृति पर्यावरण की पहचान आदिवासी समाज से है, प्रकृति, पर्यावरण के संरक्षण में आदिवासी समाज द्वारा किया गया कार्य अतुल्य है। वर्तमान समय में आदिवासी युवाओं पर यह बड़ी जिम्मेदारी है कि वे आत्मनिर्णय कर किस प्रकार से आदिवासी समाज का विकास सुनिश्चित करेंगे।

समाज में आदिवासियों का योगदान व अधिकारों की रक्षा बेहद जरूरी: एसपी



कार्यक्रम में मांदर बजाते एसपी अजय कुमार

आयोजित कार्यक्रम में रामगढ़

RAMGARH : समाज में आदिवासियों का योगदान बेहद महत्वपूर्ण रहा है। प्रकृति के साथ इनका जुड़ाव ही उनकी आत्मा है। यही वजह है कि इनके अधिकारों की रक्षा भी बेहद महत्वपूर्ण है। यह बातें विश्व आदिवासी दिवस पर शुक्रवार को रामगढ़ शहर के लायंस क्लब में

एसपी अजय कुमार ने कही। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय आदिवासी दिवस के तौर पर हम आज आदिवासियों के द्वारा किए गए कार्यों और उनकी रक्षा की बात कर रहे हैं। इसी वजह से इस वर्ष का थीम भी 'स्वैच्छिक अलगाव और प्रारंभिक संपर्क में आदिवासी लोगों के अधिकारों की रक्षा' है।

खूटी में काग्रेस ने निकाली रैली बिरसा मुंडा को अर्पित की श्रद्धांजलि है बलिदान, कौशल और देश प्रेम : डीसी



रैली में शामिल कांग्रेस नेता व अन्य KHUNTI: विश्व आदिवासी

दिवस के अवसर पर शुक्रवार को खूंटी जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रवि मिश्रा की अगुवाई में कांग्रेस कार्यकताओं ने भगवान बिरसा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इसके पूर्व स्थानीय बिरसा कॉलेज के समीप से ढोल नगाड़ों के साथ कांग्रेस की महिला सदस्यों द्वारा पारंपरिक

वेशभूषा में झंडा-बैनर के साथ रैली निकाली गई। मौके पर जिला अध्यक्ष रवि मिश्रा ने कहा कि आदिवासी दिवस न ही सिर्फ दिवस है, बल्कि आदिवासियों आदिवासियत को बचाए रखने की परंपरा है। उन्होंने कहा कि हम सभी चाहे वे आदिवासी हों या मुलवासी सभी को मिलजुल कर रहने की आवश्यकता है।

आदिवासी समाज में कूट-कूट कर भरा



आदिवासी प्रतिनिधि को सम्मानित करतीं डीसी नैन्सी सहाय 🌑 फोटोन न्यूज

HAZARIBAG : उपायुक्त नैन्सी सहाय ने कहा कि हर वर्ष 9 अगस्त को हम पूरे उत्साह से विश्व आदिवासी दिवस मनाते है। 1994 से यह प्रथा चली आ

आज समृद्ध आदिवासी जीवन दर्शन सम्पूर्ण विश्व को आकर्षित कर रहा है। आदिवासी संस्कृति में बलिदान, कौशल और देश

प्रेम कृट कृट कर भरा है, झारखंड राज्य सहित पूरे देश को आदिवासियत पर गर्व है। आज का दिन केवल आदिवासी अधिकारों की ही नहीं बल्कि आदिवासियों द्वारा राज्य तथा देश के सर्वांगीण विकास के लिए किए गए उल्लेखनीय कार्यों को रेखांकित कर गर्व महसूस करने का भी दिन है।













THE PH©TON NEWS www.thephotonnews.com

Saturday, 10 August 2024

O BRIEF NEWS

दो दिवसीय राज्य स्तरीय ग्रामीण खेल प्रतियोगिता का हुआ उद्घाटन

RANCHI: झारखंड पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के तत्वावधान में शुक्रवार को दो दिवसीय झारखंड राज्य स्तरीय ग्रामीण तथा स्वदेशी जनजातीय खेलकूद प्रतियोगिता 2024 का बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम मोरहाबादी में उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि खेल निदेशक संदीप कुमार, विशिष्ट अतिथि झारखंड के आदिवासी कल्याण आयुक्त अजय नाथ झा, संयुक्त निदेशक साझा के राज किशोर खाखा, विभागीय खेल उपनिदेशक मनीष कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन किया।

कमलेश से पूछताछ जारी रखेगी ईडी, मिली अनुमति RANCHI: पत्रकार से जमीन

कारोबारी बने कमलेश कुमार की रिमांड अवधि पूरी होने के बाद एजेंसी ने उसे कड़ी सुरक्षा के बीच रांची प्रीवेन्शन ऑफ मनी लाउंड्रिंग एक्ट की विशेष कोर्ट में उसे पेश किया। जिसके बाद एजेंसी की ओर से विशेष लोक अभियोजक ने कोर्ट से यह आग्रह किया कि कमलेश से पूछताछ के लिए रिमांड अवधि को विस्तार दिया जाए। कोर्ट ने ईडी को कमलेश को 4 दिनों तक रिमांड पर लेकर पूछताछ के लिए अनुमित दी है। बता दें कि लैंड स्कैम से जुड़े केस में ईडी ने पिछले महीने कमलेश के घर पर छापेमारी की थी। जिसमें उसके घर से एक करोड़ रुपए कैश और 100 कारतूस बरामद हुए थे।

कृषि मंत्री दीपिका पांडेय से मिले राजद नेता

RANCHI: प्रदेश राजद ने राज्य सरकार द्वारा किसानों के दो लाख रुपये तक के ऋण माफ करने के फैसले का स्वागत किया है। प्रदेश राजद अध्यक्ष संजय सिंह यादव व महासचिव कैलाश यादव के नेतत्व में राजद नेताओं ने कृषि मंत्री दीपिका पांडेय सिंह से उनके धुर्वा स्थित सरकारी आवास पर मुलाकात कर बधाई दी। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों, डेयरी और मछलीपालन करनेवालों की सब्सिडी के संबंध में बातचीत की।

जमीन जालसाजों के खिलाफ एसआईटी गठित

RANCHI: डीजीपी अनराग गप्ता ने रांची में जमीन से जुड़े फर्जी मामलों की जांच के लिए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम का गठन किया है। स्पेशल टीम जमीन के फर्जी कागजात तैयार कर या बल प्रयोग कर जमीन पर अवैध कब्जा करने से जुड़े मामलों की जांच करेगी। स्पेशल टीम में सात आईपीएस अधिकारियों को शामिल किया गया है। डीजीपी कार्यालय की ओर से दी गई जानकारी के अनसार सीआईडी आईजी सदर्शन मंडल पूरी टीम का नेतृत्व करेंगे। जबिक जैप डीआईजी मयर पटेल. विशेष शाखा डीआईजी कार्तिक एस, सीआईडी डीआईजी संध्या रानी मेहता, एटीएस एसपी ऋषभ कुमार झा, सीआईडी एसपी अनुरंजन किस्पोट्टा और सीआईडी एएसपी दीपक कुमार को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है।

बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान में आदिवासी महोत्सव २०२४ का हुआ आगाज

महोत्सव में लोगों को भा रहे पारंपरिक वाद्ययंत्र व व्यंजन

- कार्यक्रम में मांदर की थाप पर खूब थिरके लोग
- झारखंड के व्यंजनों का लुत्फ उटाने में दिख रही रुचि

PHOTON NEWS RANCHI:

रांची के बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान में झारखंड आदिवासी महोत्सव 2024 का शानदार आगाज हुआ। राज्य के कोने-कोने से पहुंचे हजारों की संख्या में लोगों ने महोत्सव के पहले दिन लुत्फ उठाया। पारंपरिक परिधान में अलग-अलग वेशभूषा में आए लोगों ने आदिवासी दिवस में रौनक बढा दी। सभी लोग मांदर की ताल पर खब थिरके। झारखंड आदिवासी महोत्सव में लगे प्रदर्शनी हॉल में अलग-अलग राज्यों से विभिन्न प्रकार के ट्राइबल स्टॉल लगाए गए हैं। इनमें पारंपरिक परिधान.



लोगों को जागरूक करने के लिए कई स्टॉल लगाए गए हैं। इन स्टॉलों में एक स्टॉल चला अखरा लोगों को काफी आकर्षित कर रहा है। इस स्टॉल में संथाल ट्राइब का वाद्ययंत्र बानाम मुख्य आकर्षण का केंद्र है। इसके अलावा इस स्टॉल में मंदार और नगाड़ा भी

हैं। आदिवासी

• फोटोन न्यूज से आए लोगों ने पारंपरिक व्यंजन के स्टॉल लगाए हैं। इनमें पाजपोड़ा रोटी, मडुआ रोटी, मालपुआ, पीठा, घुस्का, छिल्का रोटी, चावल का लड्डू, गुंडली का हल्वा, डम्बू जैसे वेज खाने के अलावा नॉन वेज पत्ता में सेका हुआ चिकन, बिरयानी लोग खूब चाव से खाए। यहां पर खाने के सामान की कीमत 20 रू से शुरू है।

संस्कृति, सभ्यता व परंपरा

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आज राजधानी में पारंपारिक पोशाक पहने आदिवासियों का हुजूम आयोजन स्थल की ओर जाते दिखे। हाथ में झंडे पारंपारिक हथियार तीर धनुष, ढोल, नगाड़े की थाप पर झूमते आयोजन स्थल पर पहुंचे। शहर के हर गली मुहल्ले से आदिवासी समूह बनाकर आयोजन स्थल पर पहुंच रहे थे। हर्षोल्लास के साथ ऑदिवासी दिवस मनाया गया। केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की की अगुवाई में सरना कोड, आदिवासियों के हक अधिकार यात्रा निकाली गई। जहां आदिवासियों ने सरना कोड की मांग की। अपनी संस्कृति, सभ्यता और परंपरा का बचाने का संकल्प लिया। खोडहा दल अपनी रीति रिवाज. वेशभूषा के साथ शामिल हुए। अपनी पहचान की झलकियां विश्व के उपलक्ष दिखलाई। वही केंद्रीय सरना समिति का अध्यक्ष अजय तिर्की ने खोड़हा दल में आये सभी दलो को पांच मुर्गी और एक सखुआ का पेड़ और पांच हजार

बचाने का लिया संकल्प

नगद पुरस्कार दिया गया। बढ़ोतरी का लाभ दिया जायेगा।

राज्य सरकार ने नि:शक्तता आयुक्त के पद के लिए 20

RANCHI: राज्य सरकार ने राज्य निःशक्तता आयुक्त के पद के लिए फिर से नियुक्ति प्रक्रिया शुरू की है। इस पद के लिए 20 अगस्त तक आवेदन मंगाये गये हैं। इस पद के लिए पूर्व में भी विज्ञापन (पीआर नं 303322, 27-7-24) जारी किया गया था और आवेदन मंगाये गये थे। इसे निरस्त करते फिर से योग्य कैंडिडेट से आवेदन करने को कहा गया है। समाज कल्याण, महिला एवं बाल विकास विभाग, झारखंड की ओर से इसके लिए विज्ञापन जारी किया गया है। इसके अनुसार, आयुक्त के पद पर नियुक्ति के लिए इच्छुक और योग्यता रखने वाले सरकारी सेवा में कार्यरत पदाधिकारी, रिटायर्ड अफसर एवं गैर सरकारी व्यक्ति भी आवेदन कर सकते हैं।

RANCHI: झारखंड के होमगार्ड जवानों की सैलरी बढ़ाने की तैयारी चल रही है। लगभग दोगुना

से अधिक मानदेय बढ़ेगा। गृह विभाग, कैबिनेट व मुख्य सचिव स्तर पर फाइल तेजी से घूम रही है। सबकुछ ठीक रहा तो अगली कैबिनेट की बैठक में इस पर निर्णय लिया जा सकता है। हालांकि, गृह विभाग ने इस संबंध में फाइल तैयार कर कैबिनेट भेजा था, लेकिन मुख्य सचिव स्तर से यह कहकर संचिका लौटायी गयी थी कि विमर्श व विस्तृत अध्ययन के बाद ही इस पर निर्णय लिया जायेगा। इस वजह से सात अगस्त की कैबिनेट मीटिंग में प्रस्ताव नहीं आ सका। सूत्रों के अनुसार वर्तमान में होमगार्ड जवानों को 15000 रुपये मानदेय मिलता है. इसे बढाकर अब 32.600 रुपये तक किया जायेगा। अब नये सिरे से कैबिनेट सचिव स्तर से इस फाइल को बढ़ा दी गयी है। इस पर अब सरकार जल्द ही निर्णय लेगी। इसका लाभ पहले काम कर रहे 19 हजार से अधिक होमगार्ड जवानों को मिलेगा, साथ ही नये बहाल हुए जवानों को भी वेतन

होमगार्ड जवानों की सैलरी १५ अगस्त को आत्मदाह की दी चेतावनी दोगुना करने की हो रही मांगों को लेकर होटल अशोक तैयारी, जल्द होगा निर्णय



धरना पर बैठे होटल के कर्मचारी

PHOTON NEWS RANCHI: होटल रांची अशोक के कर्मचारियों ने शुक्रवार को होटल के पिछले गेट के समक्ष धरना-प्रदर्शन किया। होटल के कर्मचारी बकाये वेतन की मांग और होटल के हस्तांतरण की प्रक्रिया पूरी नहीं होने को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। होटल के वरिष्ठ कर्मचारी पंकज कुमार ने कहा कि होटल हस्तांतरण की प्रक्रिया पूरी नहीं होने के कारण झारखंड सरकार में उनका समायोजन नहीं हुआ है। जिस वजह से पिछले दो वर्षों से अधिक का वेतन उन्हें नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि एक ओर आदिवासी दिवस मनाया जा रहा है। लेकिन होटल के एक आदिवासी कर्मचारी महादेव उरांव का होटल हस्तांतरण

🛮 फोटोन न्यूज से मौत हो गयी। दो वर्षों से अधिक समय बीतने के बावजूद उसके परिवार को उसके बकाए वेतन का भुगतान नहीं किया गया है, जो शर्मनाक है। पंकज ने कहा कि केंद्र और झारखंड सरकार चाहती है कि हम बचे हुए कर्मचारी स्वैच्छिक सेवानिवृति ले लें। लेकिन जब हमने उनकी इच्छा के अनुरूप काम नहीं किया तो हमें उनके द्वारा प्रताङ्ना दी जा रही है। दीपक कुमार सहाय ने कहा, केंद्र सरकार और बिहार सरकार दोनों मिली हुई है, इसलिए हस्तांतरण की प्रक्रिया पूरी नहीं की जा रही है। अब हमारे सामने मरने के सिवा कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा है। इसलिए 15 अगस्त को हम होटल के समक्ष आत्मदाह करने के लिए विवश हैं।

हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने के लिए भाजपा ने की मीटिंग

महोत्सव में राज्य के कई जिलों

आजादी के महापर्व को विशेष बनाने के लिए केंद्र सरकार ने 09 अगस्त से देश भर में हर घर तिरंगा अभियान चलाने का एलान किया है। यह 15 अगस्त तक चलेगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी कांके मंडल की बैठक मंडल अध्यक्ष राम लखन मुंडा की अध्यक्षता में की गई।

बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व जिप सदस्य सह भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अनिल टाइगर मौजूद रहे। रामलखन मंडा ने बताया कि आज की बैठक में केंद्र सरकार के निदेशानुसार कांके 12,13,और 14 अगस्त को भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य



देश आजादी का अमृत महोत्सव बना रहा है। केंद्र सरकार ने पूरा देशवासियों से अपने घरों, दफ्तर पर तिरंगा फहराने और सोशल मीडिया एकाउंट की डीपी (डिस्प्ले पिक्कर) में अपनी फोटो के साथ तिरंगे को भी फोटो लगाने की अपील की है। इस अभियान

• फोटोन न्यूज की शुरूआत खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी डीपी पर तिरंगा लगाकर करेंगे। बैठक में मुख्य रूप से कांके उप प्रमुख अजय बैठा, प्रभात भूषण,जिप सदस्य स्षमा देवी, ठानो मुंडा, शिव कुमार, इम्तियाज अंसारी, दीपक कुमार, पुरुषोत्तम दास गोस्वामी. जगत महतो,अशोक राम, गौतम साहू, इरफान अंसारी, तुलसी महतो, विजय मुंडा शामिल थे।

अगस्त तक मांगे आवेदन

लंबा संघर्ष करने के बाद आदिवासियों को मिला अपना राज्य : सुरेश कुमार

का इंतजार करते-करते ब्रेन स्टोक

PHOTON NEWS KANKE:

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर कांके प्रखंड के सुकुरहुटू में आदिवासी महोत्सव का आयोजन किया गया। मौके पर कांग्रेस के प्रदेश महासचिव सुरेश कुमार बैठा, कांके प्रखंड प्रमुख सोमनाथ मुंडा, कांके विधानसभा कांग्रेस नेता चंदन कुमार बैठा, लोकहित अधिकार पार्टी के नेता हरिनाथ साहू अतिथि के रूप में शामिल हुए। महोत्सव में आए लोगों ने अपनी कला-संस्कृति और सभ्यता का प्रदर्शन किया। आदिवासी महोत्सव में कांग्रेस प्रदेश महासचिव सुरेश कुमार बैठा ने अपने संबोधन में कहा. आदिवासी महोत्सव का आयोजन एक ऐसा दिन है जिसे आदिवासी समाज हमेशा याद रखेगा। राज्य को वीरों की धरती



मानते हुए आदिवासियों ने राज्य के निर्माण के लिए लंबा संघर्ष किया। कई लोगों ने अपनी जान की बलि दी और आज भी हम उनके बलिदानों को याद करते हैं। वही कांके प्रखंड के प्रमुख सोमनाथ मुंडा ने झारखंड की वीरता की सरहाना करते हुए कहा झारखंड की धरती वीरों की धरती है। हमें शिक्षा रोजगार और अन्य क्षेत्रों में और

आवश्यकता है। आदिवासी समाज में दहेज प्रथा जैसी कोई प्रथा नहीं है लेकिन शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है। वही कांके विधानसभा कांग्रेसी नेता चंदन बैठा ने भी सभी को विश्व आदिवासी दिवस की बधाई देते हुए कहा कि झारखंड राज्य वीर सपूतों का राज्य है। इस तरह के महोत्सव से पूरी दुनिया आदिवासी संस्कृति

वक्फ की संपत्ति अंबानी-अडानी को देने की रची जा रही साजिश : शाहिद

जिस तरह एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन, बंदरगाह, आर्मी की संपत्ति अडानी, अंबानी को कूड़े के मोल पर दे दिया गया, ठीक उसी तरह हमारे वक्फ की संपत्ति को भी अडानी-अंबानी को देने की साजिश रची जा रही है। यह बात एआइएमआइएम के रांची जिला महानगर अध्यक्ष मोहम्मद शाहिद अय्युबी ने कही। उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड की संपत्ति पर अंबानी की भव्य एंटीलिना खड़ी है। महाराष्ट्र हाई कोर्ट में वक्फ बोर्ड के पक्ष में जल्द ही फैसला आने वाला है, यह भी एक कारण हो सकता है। बीजेपी अपने मित्रों को फायदा पहुंचाने के लिए हमारी वक्फ बोर्ड की संपत्ति पर संशोधन के नाम पर साजिश कर रही है। लेकीन, मुसलमान इस सरकारी साजिश को बर्दाश्त नहीं



करेंगे। जरूरत पड़े तो हम सड़कों पर आएंगे। वाक्फ बोर्ड वैसी ही संस्था है जैसे सिखों में शिरोमणि गरुद्वारा प्रबंधक कमेटी या हिंदुओं में तिरुपति देवस्थानम बोर्ड है या दुसरी संस्था जो धार्मिक महत्व के संस्थानों का प्रबंधन करती है। क्या मुसलमानों ने इन संस्थानों पर अपना हक अधिकार जमाया है। फिर सरकार ऐसा कानून क्यों लाना चाहती है, जिसमें गैर मुसलमान शामिल हो।

अपने अधिकारों के लिए एकजुट होकर संघर्ष करना बहुत जरूरी : शशि मुंडा

PHOTON NEWS KANKE:

शक्रवार को कांके रोड सरना समिति के बैनर तले अपने पारंपरिक वेश-भूषा,ढाक नगाड़ों एवं आदिवासियों के धार्मिक, सामाजिक जमीनों को संरक्षण के नारों के साथ कांके रोड चांदनी चौक से मुख्यमंत्री आवास तक पैदल मार्च कार्यक्रम किया गया। मौके पर मौजूद कांके रोड सरना समिति के अध्यक्ष डब्ल मंडा ने कहा की अंतरराष्ट्रीय आदिवासी दिवस के दिन पूरे आदिवासी समाज अपने आपको गर्व महसूस करते हैं। आज आजादी के 75 साल होने को हैं, मगर अभी तक आदिवासियों को अपनी मूल पहचान नहीं मिली है, यह बहुत बड़ा दुर्भाग्य है। कार्यकारी अध्यक्ष शशि मुंडा मुंडा ने कहा कि विश्व



आदिवासी दिवस मनाने असली मकसद आदिवासियों को एक सूत्र में बांधना और अपने धार्मिक,सामाजिक हक अधिकार के प्रति जागरूक करना है। अधिकारों के लिए संघर्ष करना बहुत जरूरी है। संरक्षक सोन् खलखों ने कहा कि आज आदिवासी समाज पर चौतरफा हमला हो रहा उनकी धार्मिक सामाजिक जमीनों को लूटा जा

रहा है। पांचवीं अनुसूची क्षेत्र का धड़ल्ले से उल्लंघन किया जा रहा है। वनाधिकार कानन का पालन नहीं किया जा रहा है। पैदल मार्च कार्यक्रम में डब्लू मुंडा, शाशि मुंडा सतीश खलखो,सलाकार प्रकाश टोप्पो, राजेश लकड़ा, रंजीत टोप्पो, लखन मुंडा, अमन हेमरोम,अमित खखलो,मंटू मुंडा सहित सैकडों आदिवासी समदाय के लोग मौजूद थे।

ईचापीड़ी पंचायत के हर घर में नल जल योजना के तहत पहुंचेगा पानी

PHOTON NEWS PITHORIYA: पेयजल एवं स्वच्छता विभाग भारत

सरकार की ओर से कांके प्रखंड की ईचापीडी पंचायत में जल नल योजना के तहत हर घर मे पानी पहुंचाया जाएगा। शुक्रवार को इस योजना की शुरूआत के लिए पंचायत के मुखिया लाखो उरांव, पंचायत सामिति सदस्य ऐनुल हक अंसारी, उप मुखिया मोहम्मद गुफरान ने विधिवत फीता काटकर इसका शभारंभ किया। मौके पर पंचायत के उप मुखिया मोहम्मद गफरान अंसारी ने बताया कि ईचापीडी पंचायत में गर्मी के सीजन में पंचायत वासियों को पानी की बहुत दिक्कत होती है, जिसे देखकर हम लोगों ने पेयजल एवं स्वच्छता विभाग भारत सरकार की इस योजना को पंचायत में लाने का प्रयास किया। पंचायत में 38



जगहों पर डीप बोरिंग और सोलर प्लेट, टंकी लगाकर हर घर में नल द्वारा पानी पहुंचाने का लक्ष्य है। समारोह में मख्य रूप से ईचापीडी पंचायत के मुखिया लाखो उरांव, पंचायत समिति सदस्य एनल हक अंसारी, उप मुखिया मोहम्मद गुफरान अंसारी, वार्ड सदस्य हसीब अंसारी, पंचम उरांव, सुधीर, तौफीक अंसारी, नौशाद, सैफुल्लाह, इम्तियाज अंसारी, इनामुल, जब्बार, दीपक दास, मुमताज, जहांगीर, मुनळ्वर, समीरूद्दीन, सज्जाद हुसैन मौजूद थे।

नए मंदिर के लिए भूमि पूजन के साथ जारी हुआ प्रारूप

भव्य रूप में दिखेगा ऐतिहासिक तपोवन मंदिर

PHOTON NEWS RANCHI:

अयोध्या श्रीराम मंदिर के तर्ज पर रांची में भव्य श्रीराम जानकी मंदिर बनने की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ऐतिहासिक तपोवन मंदिर में जय श्रीराम के उद्घोष के साथ आज 9 अगस्त को भूमि पूजन के साथ मंदिर के प्रारुप का अनावरण किया गया।

तपोवन मंदिर प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम के दौरान अयोध्या श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि इस मंदिर का प्रारूप वही तैयार किया है जिन्होंने अयोध्या में भगवान श्रीराम मंदिर की भव्य मंदिर का प्रारूप तैयार किया था। उन्होंने अयोध्या में बने श्रीराम



मंदिर को स्वाधीनता जैसा बताते हुए कहा कि लाखों करोड़ों लोगों की आस्था इसको लेकर बनी हुई है और वहां अभी और कई मंदिर निकट भविष्य में बनाए जायेंगे। चंपत राय ने तपोवन मंदिर के नये रूप में आने वाले समय में दिखने

की शुभकामना देते हुए कहा कि इस स्थल के प्रति आस्था लोगों की देखते बन रही है। बांग्लादेश

में हिन्दुओं के साथ हो रहे

बर्बरता पर पूछे गए सवाल का

जवाब देते हुए चंपत राय ने कहा

कि भारत सरकार इस दिशा में

जन सहयोग से बनेगा मंदिर : ओमप्रकाश इस मौके पर तपोवन मंदिर के

महंत ओमप्रकाश शरण ने कहा कि श्रीराम जानकी मंदिर भव्य रूप में 2028-29 तक बन कर दिखेगा। उन्होंने कहा कि तपोवन मंदिर नागर शैली में सिर्फ पत्थर से ही निर्मित होगा। इसके लिए नक्शा पास कराया जा चुका है। मंदिर निर्माण कार्य निर्वाध रूप से चलता रहे इसके लिए सभी आवश्यक तैयारी पूरी की जा रही है।

वक्तव्य जारी कर चुका है और परिस्थितियों पर नजर रखी जा रही है। तपोवन मंदिर में कार्यक्रम समाप्त होने के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपनी पत्नी कल्पना सोरेन के साथ पहुंचे। मंदिर में पूजा अर्चना के बाद मुख्यमंत्री ने

महंत ओमप्रकाश शरण से नये मंदिर के प्रारूप को देखा और जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने हर संभव सहयोग का भरोसा मंदिर प्रबंधन को दिया। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि तपोवन स्थल से लोगों की आस्था जुड़ी हुई है। और इसके विकास के लिए कदम भी उठाए गए हैं। श्रीराम मंदिर निर्माण के लिए भूमिपूजन आज हुआ है। हमारी ओर से हरसंभव सहयोग मंदिर प्रबंधन को दिया जायेगा। इस मौके पर पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, भाजपा के संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, भाजपा विधायक नवीन जायसवाल, कांग्रेस विधायक राजेश कच्छप सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

झारखंड अमीर-ए-शरीयत की दुआ के साथ काफिला जहा के लिए चला

मदीना ट्रेवल्स से ९० जायरीनों का ग्रुप सफर-ए-उमराह के लिए खाना

PHOTON NEWS RANCHI:

झारखंड से उमराह के लिए मक्का-मदीना जाने वाले जायरीनों का सिलसिला जारी है। शुक्रवार को पवित्र सफर-ए-उमराह के लिए बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से मदीना ट्रेवल्स, खोरी महुआ, गिरिडीह के मौलाना इलियास मजाहिरी और मौलाना जाहोर के नेतृत्व में 90 जायारीनों का ग्रुप मक्का मदीना के

लिए रवाना हुआ। जायरीनों को मुबारक सफर पर रवाना करने के लिए भारी संख्या में लोग पहुंचे। लोगों ने जायरीनों से देश में अमन-चैन और अपने हक में दुआ करने की अपील की। इससे पहले जायरीनों के परिवार और साथियों ने फूल-माला पहनाकर उन्हें बधाई दी। कहा कि वह उनके लिए



भी खुदा से दुआ करें, ताकि उन्हें भी मक्का और मदीना का दीदार हो सके। मौलाना इलियास मजाहिरी ने कहा कि मदीना ट्रेवल्स सभी जायरीनो को 50 से अधिक जगह की जियरात कराई जाती है। साथ ही सभी जायरियोंनो को मक्का और मदीना में 500 मीटर के दायरे में 4 स्टार होटल में ठाहराया जाता है। मौलाना ने कहा कि मदीना ट्रेवल्स का अगला ग्रुप 13

अगस्त और 23 अगस्त को बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से रवाना होगा। जत्था झारखंड अमीर-ए-शरीयत हजरत मुफ्ती नजर तौहीद की दुआ के साथ जद्दा के लिए रवाना हुई। मौके पर कारी असद, हाफिज सनाउल्लाह, इमरात ए शरिया झारखंड के आमिर शरीयत मुफ्ती नजरे तौहीद, हजरत मुफ्ती सनाउल्लाह, व मौलाना अकरम समेत कई लोग मौजूद थे।

सिदगोड़ा में गोवंश चोरी कर भाग रही कार पलटी, जांच में जुटी पुलिस

एग्रिको कंपनी की दीवार के पीछे लगी थी क्षतिग्रस्त कार, सीसीटीवी में कैद

सिदगोड़ा में गुरुवार देर रात गोवंश चोरी कर भाग रही एक कार बीच सड़क पर पलट गई। इस घटना में कार का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। कार पलटने के बाद चोरों ने कार को वहीं छोड दिया और फरार हो गए। इधर, शुक्रवार सुबह जब लोगों की नींद खुली, तो उन्होंने सड़क पर दुर्घटनाग्रस्त कार को देखकर पुलिस को इसकी सूचना दी। इधर, सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और कार को जब्त कर

आस-पास लगे सीसीटीवी की जांच की तो मामले की जानकारी पुलिस को हुई।

इधर, पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में यह प्रकाश में आया है कि कार भी चोरी की है।



एग्रिको में मिली तस्करों की क्षतिग्रस्त कार

अंतरराज्जीय गिरीह होने का शक

मामले को लेकर सिदगोड़ा थाना प्रभारी गुलाम रब्बानी ने बताया कि चोरों द्वारा शहर के अन्य इलाकों में भी गाय की चोरी की जाती थी। इसमें आजादनगर और मानगो में सबसे ज्यादा चोरियां हो रही थी। कई लोगों ने थाना में प्राथमिकी भी दर्ज नहीं कराई थी जिससे चोरी के सही आंकड़ों का पता लगाना भी मुश्किल है पर यह संख्या काफी अधिक है। इसके अलावा यह गैंग चक्रधरपर, चाईबासा, सराकेला के अलावा ओडिशा और बंगाल में भी चोरी की घटना को अंजाम देता था। पुलिस इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच कर रही है। जल्द ही मामले का खुलासा कर लिया जाएगा।

सीसीटीवी में दिखे तीन चोर

पुलिस ने जब सीसीटीवी की जांच की तो पाया कि देर रात एक कार पर सवार तीन युवक एग्रिको कंपनी के पीछे बस्ती में पहुंचे, जिसके बाद तीनों युवकों ने सड़क पर बैठी गायों को रस्सी से बंधकर कार में डालना शुरू कर दिया। सभी गाय को लेकर जाने लगे। चोरों ने कार के अंदर बीच और पीछे वाली सीट को हटा दिया था, जिससे गाय की तस्करी करने में आसानी हो। जांच में यह बात भी सामने आई है कि गायों को हल्दीपोखर की ओर बेच दिया जाता था।



गोविंदपुर में चाय दुकान में चोरी नकद समेत सामान ले उड़े चोर

भोला बगान चौक स्थित एक चाय दुकान को चोरों ने निशाना बना लिया। घटना गुरुवार देर रात की है। चोरी की जानकारी दुकान मालिक रामकुमार राय को शुक्रवार सुबह तब लगी, जब वे दुकान खोलने पहुंचे। उन्होंने दुकान का ताला खोला

और दुकान के अंदर गए। उन्होंने पाया कि दुकान में रखा गल्ला गाँयब है और सामान भी बिखराँ पड़ा है। उन्होंने दुकान में लगे सीसीटीवी की जांच की तो उसमें चोर को देखा। इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। रामकुमार ने बताया कि उनकी दुकान में लगे एस्बेस्टस को काटकर चोरी की घटना को अंजॉम दिया गया है। उनके एक दोस्त ने एक लाख रुपया दिया था, जिसे गल्ले में रखा था। चोर उसे भी ले गए। इस घटना में उन्हें 1.20 लाख से ज्यादा का नुकसान हुआ है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मानगो में घर के पास से हुई टेंपो की चोरी

JAMSHEDPUR : मानगो थाना

अंतर्गत जवाहरनगर रोड नंबर-15 के ब्रह्म पथ निवासी पप्पू सिंह की टेंपो बीती रात घर के सामने से चोरी हो गई। प्रतिदिन की तरह सुबह 5 बजे पप्पू सिंह निकले तो देखा कि घर के सामने से टेंपो गायब हो गया है। टेंपो चोरी होने की जानकारी मिलने पर पप्पू सिंह ने भाजपा नेता विकास सिंह को मामले की जानकारी दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे विकास सिंह को टेंपो के मालिक व चालक पप्पू सिंह ने बताया कि प्रतिदिन की तरह रात 9 बजे अपने घर के समीप टेंपो लगाकर घर में चले जाते हैं और सुबह 5 बजे पुनः टेंपो लेकर अपने रोजगार में निकल पड़ते हैं। आज सुबह जब टेंपो लेने निकले तो देखा कि दरवाजे के सामने से टेंपो चोरी हो गई थी। पड़ोस के रहने वाले लोगों ने बताया कि रात्रि 12 बजे तक टेंपो लोगों ने देखा था। 12 बजे के बाद ही टेंपो की चोरी हुई होगी। घर के चारों ओर लोगों के सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं। रोजगार चले जाने का डर पप्प को सता रहा है। पप्पू पूरे परिवार का जीवनयापन टेंपो चलाकर किया

रेल पटरी के किनारे नाली में घायल मिली महिला



अस्पताल में घायल महिला के परिजन

CHAKRADHARPUR: हावड़ा मुंबई मुख्य मार्ग के चक्रधरपुर के पदमपर गांव के पास शक्रवार को एक महिला को रेल पटरी के किनारे घायल और नग्न अवस्था में पाया गया। उसे रेलवे अस्पताल में भर्ती किया गया। रेलवे अस्पताल में महिला को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए चाईबासा सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां वह इलाजरत है। महिला के शरीर पर कई जगह गंभीर चोट के निशान पाए गए हैं। रेलवे अस्पताल में उसे विभिन्न चोट पर 23 टांके लगाए गए हैं। महिला की हालत काफी नाजुक बनी हुई है और वह कछ भी ठीक से बता नहीं पा रही है। हालांकि

घायल महिला की पहचान 26 वर्षीय रायमुनी दिग्गी के रूप में की गई है। वह चक्रधरपुर के ठेसापीढ़ गांव की रहने वाली है। उसके पति का नाम सुमु जामुदा है और उसके भाई का नाम बुधराम दिग्गी है। घायल महिला सुमु जामुदा के भाई ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि उसकी बहन रायमुनी दिग्गी को उसके ही पति सुमु जामुदा ने मारपीट कर रेल पटरी के किनारे फेंक दिया और फरार हो गया है। उसके पति सम जामदा ने अपना फोन भी स्विच ऑफ कर दिया है। वह बार बार अपने भाई बधराम दिग्गी को बलाने की बात कह रही थी, जिसके बाद ग्रामीणों ने इसकी सचना बधराम को दी।

बंगाल क्लब में लगी हस्तशिल्प प्रदर्शनी



साकची रिथत बंगाल क्लब में लगी प्रदर्शनी में खरीदारी करतीं महिलाएं

JAMSHEDPUR : साकची स्थित बंगाल क्लब में तीन दिवसीय प्रदर्शनी लगी है, जिसका उद्घाटन शुक्रवार को समाजसेवी पुरबी घोष ने किया।

उड़ान संस्था द्वारा आयोजित प्रदर्शनी में 25 स्टॉल लगाए गए हैं। इसमें घरेलू उपयोग की सामग्री के साथ व्यंजन भी हैं। आयोजक

सुमी दास पाल ने बताया कि शनिवार को दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक मेला में ड्राइंग कंपटीशन होगा, जिसमें 5 से 15 साल तक के बच्चे हिस्सा ले सकते हैं। अंतिम दिन 11 अगस्त को कलात्रयी संस्था द्वारा दोपहर 12 बजे से रात 8 बजे तक नृत्य

हर घर तिरंगा अभियान को ले भारतीय जनता पार्टी की तैयारी तेज

JAMSHEDPUR : भाजपा, जमशेदपुर महानगर के नवगठित जिला पदाधिकारी, मोर्चा जिलाध्यक्ष एवं मंडल अध्यक्षों की प्रथम सांगठनिक परिचयात्मक सह संगठनात्मक बैठक शुक्रवार को साकची स्थित जिला भाजपा कार्यालय में हुई। जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा ने बताया कि 11 से 14 अगस्त तक पूरे शहर में हर घर तिरंगा अभियान चलाया जाएगा। 11, 12, व 13 अगस्त को जमशेदपुर महानगर अंतर्गत चारों विधानसभा क्षेत्र में भारतीय जनता युवा मोर्चा के नेतृत्व में विशाल तिरंगा यात्रा

13 से 14 अगस्त तक पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता जनप्रतिनिधि नागरिकों के साथ महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले के खिलाफ फूंका पुतला, लगे नारे

रंकिणी मंदिर से कदमा बाजार तक निकला विरोध मार्च

PHOTON NEWS JSR:

बांग्लादेश में शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफे और तख्तापलट के बाद अंतरिम सैन्य सरकार की स्थापना के बाद हो रही हिंसा में हिंदुओं की हत्या, लुटपाट की घटना को लेकर शहर के भाजपा कार्यकताओं में उबाल है। शुक्रवार को बांग्लादेश की घटना पर भाजपा कदमा मंडल अध्यक्ष अजीत सिंह के नेतृत्व में बांग्लादेशी कट्टरपंथियों का पुतला फुंककर आक्रोश व्यक्त किया गया। इस दौरान भाजपा जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा भी शामिल हुए। भाजपा कार्यकर्ता कदमा रांकिणी माता मंदिर से कदमा बाजार तक पैदल मार्च हुए बांग्लादेश और



विरोध मार्च में शामिल माजपा कार्यकर्ता

कट्टरपंथियों के खिलाफ जमकर मनारेबाजी की। प्रदर्शन में शामिल ने बांग्लादेश में लगातार हिंदुओं, व्यावसायिक स्थलों को निशाना बनाया जा रहा है। इसका वो पूरी तरह से विरोध करते हैं। वहीं, भाजपा जमशेदपर महानगर

JAMSHEDPUR : उपायुक्त

अध्यक्ष सुधांशु ओझा ने कहा कि बांग्लादेश में लगातार कई वर्षों से हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है। जब बांग्लादेश आजाद हुआ था, उस समय वहां हिंदुओं की आबादी कुल 25% हुआ करती थी। हिंदु विरोधी गतिविधि के चलते आज वह 6-7 प्रतिशत रह

JAMSHEDPUR: टाटानगर आने वाली एर्नाकुलम-टाटा एक्सप्रेस और

टाटा-हटिया एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग से चलेगी। रेलवे द्वारा जारी सर्कुलर के मुताबिक एर्नाकुलम-टाटा-एर्नाकुलम एक्सप्रेस 10, 13,

आज बदले मार्ग से चलेगी एर्नाकुलम व हटिया एक्स.

समाचार सार

15, 17, 20, 22, 24, 27 और 29 अगस्त को परिवर्तित मार्ग से चलेगी। ट्रेन पोदनूर, इरुगुर और कोयंबट्टर स्टेशन नहीं जाएगी। वहीं, आद्रा डिवीजन में काम

होने के कारण टाटा-हटिया एक्सप्रेस 10 अगस्त को दूसरे मार्ग से चलेगी। रेलवे की ओर से आद्रा में ब्लॉक लिए जाने के कारण ट्रेन को पुरुलिया स्टेशन की बजाए चांडिल, गुंडा बिहार व मुरी होकर चलेगी।

टाटा मोटर्स के रिटायर्ड कर्मी किए गए सम्मानित

JAMSHEDPUR: टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन कार्यालय में शुक्रवार को जुलाई में सेवानिवृत हुए कर्मचारियों को विदाई दी गई। यूनियन के अध्यक्ष ग्रमीत सिंह व महामंत्री

आरके सिंह ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को शॉल व स्मृति चिह्न भेंट किया। सेवानिवृत्त कर्मचारियों में



धरणीधर बनर्जी, प्रमोद कुमार राय, मोतिउर रहमान, धनपति महतो, अशोक कुमार और रविंद्र प्रसाद शामिल थे। इस दौरान मंच संचालन प्रकाश विश्वकर्मा व धन्यवाद ज्ञापन अनिल शर्मा ने किया।

साकची शिव मंदिर में सिंधारा उत्सव 15 को

JAMSHEDPUR : शहर की धर्मिक संस्था श्री जीण माता परिवार

जमशेदपुर द्वारा 15 अगस्त को आदिशक्ति मां जीण भवानी का झुला एवं सिंधारा उत्सव धमधाम से मनाया जाएगा। साकची बाजार स्थित श्री शिव मंदिर के दसरे तल्ले में होने वाले इस महोत्सव में मंगल पाठ भी होगा। संस्था के संस्थापक शंभ खन्ना ने बताया कि



गरुवार को दोपहर 3.30 बजे से मां भवानी जीण शक्ति का मंगल पाठ और संध्या में भजनों की अमतवर्षा होगी। मंगलपाठ का वाचन स्थानीय भजन गायक महावीर अग्रवाल मुन्ना करेंगे।

टाटा मोटर्स में आश्रितों के लिए विद्यादान योजना

JAMSHEDPUR: टाटा मोटर्स वर्कर्स यनियन के पदाधिकारियों व कर्मचारी आश्रितों के लिए लागू विद्यादान व उत्कर्ष योजना पर शुक्रवार को चर्चा हुई। इस दौरान दोनों योजनाओं को जमीनी स्तर पर लाग करने पर मंथन हुआ। यह स्कीम 29 जलाई से लाग हो गई है। सभी ईआर अधिकारी के पास इसका फार्म उपलब्ध होगा। कर्मचारी उनसे फॉर्म लेकर भर सकते हैं। इसके बाद कार्यालय में हर दिन एक बैंक के अधिकारी 2 घंटे बैठेंगे। जरूरतमंद कर्मचारियों को एस्टेब्लिशमेंट जाकर फॉर्म लेना होगा। विद्यादान योजना के तहत 7.5 लाख रुपये तक की ऋण पढाई के लिए दिया जाएगा, जिसका ब्याज दर 10 प्रतिशत होगा। बच्चों का 50 प्रतिशत एवं बच्चियों का 70 प्रतिशत ब्याज का भगतान कंपनी करेगी। वहीं उत्कर्ष योजना में दसवीं और बारहवीं में 60 प्रतिशत से अधिक अंक के साथ पास होने वाली बच्चियों को 25 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि कंपनी के तरफ से दी जाएगी।

राज्य की हेमंत सरकार हर मोर्चे पर विफल: गीता कोडा

हेमंत सरकार के खिलाफ भाजपा चलाएगी 'घंटा बजाओ-सरकार जगाओ' कार्यक्रम

CHAKRADHARPUR:

राज्य की हेमंत सरकार के खिलाफ भाजपा पश्चिमी सिंहभूम जिला में जनजागरण अभियान चलाया जाएगा। पर्व सांसद गीता कोडा ने शुक्रवार को चाईबासा में प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि वर्ष 2019 में हेमंत सोरेन ने चुनावी घोषणा पत्र में कई वादे झारखंड की जनता से किए थे, लेकिन आज तक उनकी सरकार एक भी वादा पूरा नहीं कर पाई है। हेमंत सरकार हर मोर्चे पर विफल नजर आ रही है। चाहे वह लाखों युवाओं को रोजगार देने का वादा हो या बेरोजगारी भत्ता देने का हो। हेमंत सोरेन सरकार एक भी वादा पूरा नहीं कर पाई है, इसलिए 10 अगस्त से 17 अगस्त तक



पत्रकारों को संबोधित करतीं गीता कोड़ा

भाजपा पूरे जिले में जनजागरण अभियान चलाएगी और ह्यघंटा बजाओ-सरकार जगाओह्न का

यह अभियान सरकार का पोल खोल अभियान होगा, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र भी शामिल होंगे। 17 अगस्त को इसको लेकर जगन्नाथपुर अनुमंडल में प्रदर्शन होगा और अधिकारी को ज्ञापन

एक भी माइंस नहीं खोल सकी राज्य सरकार

गीता कोड़ा ने यह भी कहा कि जिले में

40 माइस बंद हैं, लेकिन इसे खोलने

का प्रयास हेमंत सोरेन सरकार नहीं कर रही है। इसको लेकर 22 से 28 अगस्त तक पूरे जिले में पदयात्रा निकाल कर हेमंत सरकार के खिलाफ जनजागरण अभियान चलाया जाएगा। वहीं 28 अगस्त को बडाजामदा में आमसभा का आयोजन होगा। इसके अलावे लाभुकों को वन पट्टा नहीं दिए जाने के मामले पर भी हेमंत सरकार को भाजपा घेरेगी। ३ सितंबर को नोवामुंडी, 4 सितंबर को मनोहरपुर, 5 सितंबर को जगन्नाथपर, ६ सितंबर को गोईलकेरा और 7 सितंबर को टोंटो में हेमंत सरकार के खिलाफ धरना प्रदर्शन

करेगी। प्रेस वार्ता के दौरान भाजपा

जिला अध्यक्ष संजय पांडेय व जिला प्रेस

प्रवक्ता जितेंद्र ओझा भी उपस्थित थे।



स्कूल ऑफ होप में

हुई राष्ट्रीय ध्वज पर

चित्रांकन प्रतियोगिता

JAMSHEDPUR : इनर व्हील क्लब ऑफ जमशेदपुर जेस्ट की अध्यक्ष प्रीति गोयल ने मिशन मुस्कान और अन्नपूर्णा प्रोजेक्ट के तहत क्लब की सदस्यों के साथ स्कूल ऑफ होप में मानसिक रूप से निशक्त बच्चों के लिए चित्रांकन प्रतियोगिता कराई, जो राष्ट्रीय ध्वज पर आधारित थी। शुक्रवार को हुए कार्यक्रम में बच्चों ने डांस भी किया। इस अवसर पर एडिटर अनु मित्तल, मंजू माहेश्वरी एवं तृप्ति उपस्थित थीं।

मईया योजना का फार्म आगनबाड़ी सेविका से ही संग्रह कराएं : डीसी

अनन्य मित्तल द्वारा शक्रवार को झारखंड मख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना में अब तक के प्रगति की समीक्षा की गई। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से हुई इस बैठक में निदेशक डीआरडीए, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, सहायक निदेशक सामाजिक सरक्षा, नगर निकायों के पदाधिकारी, बीडीओ, सीडीपीओ व अन्य संबंधित पदाधिकारी जुड़े। बैठक में सभी सीडीपीओ को निर्देशित किया गया कि आंगनबाडी सेविका के माध्यम से फॉर्म संग्रह कराएं। ऑफलाइन फॉर्म के लिए लाभार्थी को मैनुअल पावती दी जाएगी। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी इसकी परी निगरानी करेंगी। पेंशन स्वीकृति पदाधिकारी को वीएलई और अतिरिक्त कंप्यूटर ऑपरेटरों से ऑनलाइन प्रविष्टि कराने का निर्देश दिया। मैनुअल



फॉर्म की ऑनलाइन इंट्री के बाद पावती संख्या प्राप्त कर इसे आंगनवाड़ी सेविका के माध्यम से लाभक को दिया जाना है। सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा को पेंशन स्वीकृति पदाधिकारियों के साथ समन्वय का निर्देश दिया गया। नगर निकायों के पदाधिकारीऔर बीडीओ को अपने क्षेत्रों में पेंशन स्वीकति पदाधिकारी, सीडीपीओ और वीएलई और ऑपरेटरों को सभी सहायता प्रदान करने और दैनिक अनुश्रवण का निर्देश दिया गया। डीआरडीए निदेशक पूरी योजना में प्रगति की निगरानी करेंगे।

शहर के छात्र वेदांत को भारतीय सैन्य कॉलेज में मिला दाखिला

JAMSHEDPUR : शहर के कदमा निवासी स्निग्धा कुमार और प्रवीण कुमार के पुत्र वेदांत शर्मा ने राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज (आरआईएमसी), देहरादुन में प्रवेश पाकर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। वेदांत काव्यप्ता ग्लोबल स्कूल (पूर्व में माउंट लिटेरा जी स्कूल) में आठवीं कक्षा का छात्र है।

वेदांत के पिता कंसल्टेंसी का जॉब करते हैं, जबिक उसकी मां गृहणी हैं। वेदांत वर्ष 2022 में लोकप्रिय कार्यक्रम कौन बनेगा करोड़पति (केबीसी) के हॉट सीट पर सदी के महानायक अमिताभ बच्चन के साथ साक्षात्कार कर चुका है। वह इस बार आरआईएमसी में प्रवेश पाने वाला झारखंड का एकमात्र

इस संस्थान में प्रवेश के लिए प्रत्येक छह महीने के अंतराल पर



प्रवेश परीक्षा एवं साक्षात्कार का आयोजन किया जाता है। इसके माध्यम से देश के प्रत्येक राज्य के एक ही छात्र का चयन किया जाता है। इसमें पूरे भारत से हर छह महीने में केवल 25 कैडेटों का चयन किया जाता है। वेदांत का चयन विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि उन्होंने इस कार्यकाल के लिए झारखंड राज्य को आवंटित एकमात्र सीट हासिल की है। यह उपलब्धि भविष्य के नेता के रूप में उनके असाधारण समर्पण, कड़ी मेहनत और क्षमता को उजागर

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मेटल्स, जमशेदपुर चैप्टर द्वारा सीएसआईआर-राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला में हुई प्रतियोगिता

प्रो एसएन सिन्हा मेमोरियल विवज में नरमेराम के छात्र अव्वल

PHOTON NEWS JSR:

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मेटल्स (आईआईएम), जमशेदपुर चैप्टर द्वारा शुक्रवार को सीएसआईआर-राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला में 12वीं प्रो. एसएन सिन्हा मेमोरियल मैटेरियल्स एंड मेटलर्जी क्विज

इसमें 18 स्कूलों के 76 छात्रों तथा 18 शिक्षकों ने भाग लिया, जिसमें बहुविकल्पीय, संकेत, चित्र, वीडियो, डंब पहेली और खतरे के दौर सहित कई आकर्षक दौरों के बाद तीन टीमें चैंपियन बनकर उभरे। इसमें नरभेराम हंसराज स्कुल से सक्षम वी. झा और हर्ष आर्यन प्रथम रहे, जबकि उपविजेता जुस्को स्कूल, कदमा से अभिनव कुमार पाठक और शाश्वत भूषण और द्वितीय उपविजेता राजेंद्र विद्यालय स्कूल



से आदित्य पांडे और शौर्य गुप्ता रहे। यह क्विज दिवंगत प्रोफेसर एसएन सिन्हा के सम्मान में आयोजित किया जाता है, जो एक प्रतिष्ठित शिक्षक और आईआईएम जमशेदपुर चैप्टर के पूर्व अध्यक्ष थे। कार्यक्रम की शुरूआत चैतन्य भानु, डॉ. संदीप घोष चौधरी, सीएसआईआर-एनएमएल, प्रो. अशोक कुमार (आईआईएम जमशेदपुर चैप्टर के अध्यक्ष), प्रो. गायत्री सिन्हा (दिवंगत प्रोफेसर सिन्हा की पत्नी) डॉ. चिरदीप घोष (आईआईएम जमशेदपुर चैप्टर के उपाध्यक्ष) द्वारा प्रोफेसर सिन्हा को पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ

पांच टीम फाइनल में पहुंची : प्रतियोगिता की शुरूआत लिखित स्क्रीनिंग राउंड से हुई, जिसके बाद फाइनल स्टेज राउंड हुआ। 41 टीमों में से पांच ने फाइनल के लिए क्वालीफाई किया, जिसमें राजेंद्र विद्यालय स्कूल से आदित्य पांडे और शौर्य गुप्ता, नरभेराम हंसराज स्कूल से सक्षम वी. झा और हर्ष आर्यन, डीबीएमएस इंग्लिश स्कूल से सिद्धार्थ यादव और ऋषभ राजदीप, राजेंद्र विद्यालय से

धातुकर्म में प्रो. सिन्हा की रही महान भूमिका : मुख्य अतिथि

सीएसआईआर-एनएमएल के निदेशक डॉ. संदीप घोष चौधरी ने सभी का स्वागत किया। आईआईएम, जमशेदपुर चैप्टर के अध्यक्ष प्रो. अशोक कुमार ने आईआईएम चैप्टर के विभिन्न कार्यक्रमों और पहलुओं के बारे में जानकारी दी। उद्घाटन भाषण देते हुए मुख्य अतिथि चैतन्य भानु ने कहा कि एनआईटी जमशेदपुर के धातुकर्म विभाग के प्रमुख और एनआईटी के डीन-प्रिंसिपल और एनआईएफएफटी रांची के निदेशक के रूप में धातुकर्म में छात्र बिरादरी के निर्माण में प्रो. सिन्हा की महान भूमिका थी। उपाध्यक्ष डॉ. चिरदीप घोष ने संपूर्ण आयोजन टीम के अथक समर्थन और स्कूली छात्रों की उत्साही भागीदारी को स्वीकार करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

विवेक कुमार और उदयन बंद्योपाध्याय और जुस्को स्कूल, कदमा से अभिनव कुमार पाठक और शाश्वत भूषण शामिल थे। पहली तीन टीमें जाएंगी कलपक्कम: पहली तीन चैंपियन टीमें अब 21-22 सितंबर को इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र

(आईजीसीएआर), कलपक्कम में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय स्तर की प्रो. ब्रह्म प्रकाश मेमोरियल क्विज प्रतियोगिता में भाग लेंगी वर्ष 1993 में इस आयोजन का नाम भारत के प्रख्यात धातुविज्ञानी प्रोफेसर ब्रह्म प्रकाश के नाम पर

Saturday, 10 August 2024

BRIEF NEWS सेवानिवृत्त डिप्टी डायरेक्टर के आवास में हुई चोरी KISHANGUNJ : शहर के

रुईधाशा वार्ड-23 स्थित शिक्षा विभाग के सेवानिवृत्त क्षेत्रीय शिक्षा उप निर्देशक चंद्रशेखर शर्मा के आवास में गुरुवार को चोरी की घटना घटी। उक्त मकान में सेवानिवृत्त डिप्टी डायरेक्टर की बहन जहीं कमारी रहती है। घर से जेवरात व अन्य सामानों की चोरी की घटना घटी है। जिसमें 50 भरी सोने के जेवर, रिवाल्वर सहित अन्य सामानों की चोरी हुई। जुही कुमारी डुमरिया प्राथमिक विद्यालय में प्रधान शिक्षिका है। शिक्षिका स्कूल गई हुई थी।स्कूल से जब शाम में वापस लौटी तब घर के पीछे की खिड़की का ग्रिल टूटा हुआ था।बदमाश घर का दीवाल छरप कर अंदर प्रवेश किये थे। इसके बाद उन्हें कुछ आशंका हुई। इसके बाद आलमीरा खोलकर देखा तो आलमीरा में जेवरात व अन्य सामानों की चोरी हुई। शिक्षिका जुही कुमारी के पुत्र ट्रेनी आईपीएस हैं। घटना की सूचना मिलते ही एसडीपीओ गौतम कुमार व सदर थानाध्यक्ष संदीप कुमार घटना स्थल पर पहुंचे और घटना

छह जिलों में बारिश के साथ गिरेगा ठनका

की छानबीन में जुट गए।

PATNA: बिहार में एक तरफ जहां निदयां उफान पर हैं। वहीं दसरी तरफ इंद्रदेव भी कछ ज्यादी ही मेहरबान दिख रहे हैं। राज्य के कई जिलों में बारिश हो रही है। इसके साथ ही मौसम विभाग ने प्रदेश के 6 जिलों के लिए अलर्ट भी जारी किया है। इसमें से दो जिलों के लिए ऑरेंज और चार जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी हुई है। मौसम विज्ञान केन्द्र पटना ने अलर्ट दिया है उनमें समस्तीपुर, पटना, वैशाली, सिवान, कैमूर और रोहतास शामिल है। इसमें से राजधानी पटना और वैशाली के लिए ऑरेज अलर्ट जारी हुआ है। अन्य चार जिलों को ये अलर्ट पर रखा गया है। मौसम विभाग का साफ कहना है कि आने वाले तीन घंटों में इन जिलों में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होगी। इस दौरान वज्रपात की भी आशंका व्यक्त की गई है। ऐसे में जिले के लोगों को सतर्क रहने की

रेलवे गेटमैन गोली कांड में एफआईआर दर्ज

हिदायत दी गई है।

CHAMPARAN : जिले के रक्सौल-सुगौली रेल खंड के मसनाडीह रेलवे फाटक संख्या 14 ए पर कार्यरत गेटमैन गोली कांड में गेटमैन के फर्द बयान पर शुक्रवार को रक्सौल पुलिस ने दो अज्ञात अपराधियों पर एफआईआर दर्ज कर जांच में जुट गई है। गेट मैन अंसारुल हक ने होश में आने के बाद इसकी जानकारी पुलिस को दी। इसकी जानकारी देते हुए पुलिस इंस्पेक्टर राजीव नंदन सिन्हा ने बताया कि अपने बयान में घायल गेट मैन ने बताया कि एक दिन पूर्व भी दो संदिग्ध को रेलवे फाटक के समीप लाइन पर घूमते देखा था। घटना के दिन रात में केबिन का गेट बंद कर ट्रेन का लोकेशन फोन के माध्यम से ले रहा था। रात्रि करीब 12 बजे कर 30 मिनट पर दो अज्ञात अपराधी आये और केबिन का गेट खोलने को कहा। गेट मैन ने गेट नहीं खोला तो उसमें एक अपराधी ने पिस्तौल निकाल कर गोली चला दी जो गेट

मैन के सीने के आरपार हो गई।

सोन-पुनपुन, कोसी-गंडक, बागमती नदियां दिखा रहीं रौद्र रूप नेपाल व मध्य प्रदेश में बारिश के कारण बिहार में बाढ़ का खतरा

बिहार में बाढ़ ने दस्तक दे दी है। नेपाल और मध्य प्रदेश में हो रही बारिश से बिहार की नदियों का जलस्तर एक बार फिर से बढ़ने लगा है। इसे बिहार पर बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है।

पटना में पनपन नदी, बक्सर में गंगा और कोसी नदी रौद्र रूप दिखाने लगी है। कोसी-सीमांचल क्षेत्र की नदियों का भी जलस्तर अब बढ़ता जा रहा है और बाढ़ जैसे हालात बन चुके हैं। सबसे ज्यादा परेशानी सोन नदी से होती है। सोन नदी में बिहार के आठ जिलों से पानी आता है। बिहार की नदियों में तिब्बत, नेपाल, झारखंड, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश छत्तीसगढ के साथ-साथ राजस्थान



तक का पानी आता है। इन राज्यों में जैसी बारिश हुई उनसे जुड़ी नदियों में पानी भी उसी हिसाब से आता है। दक्षिण बिहार की कई निदयां मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ से जडी है तो वहीं उत्तर बिहार की निदयों में पानी नेपाल से आता है। बक्सर में गंगा रौद्र रूप दिखाने

लगी है। यहां गंगा खतरे की निशान के तरफ तेजी से बढ़ रही है। जलस्तर बढ़ने से गंगा,चौसा, बक्सर, सिमरी, चक्की और ब्रह्मपुर प्रखण्ड के सैकड़ों गांव के लोग सहम गए है। नदी का जलस्तर चेतवानी बिंद को रात्रि

है।आलम यह है कि नदी अपने किनारों को तोड़कर रिहायशी इलाकों में प्रवेश करने लगी है। अब तक चौसा प्रखण्ड के बनारपुर गांव बाढ़ की पानी से घिर गया है। राहत बचाव को लेकर जिला प्रशासन के अधिकारी परी तरह से

रेलवे टैक के किनारे एक अज्ञात शव मिलने के बाद पुलिस महकमा में खलबली मच गई है। जानकारी मिलते ही नवादा सदर डीएसपी अनोज कुमार और नगर थाना प्रभारी अविनाश कुमार घटनास्थल पर पहुंच कर मतक की शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस सदर अस्पताल भेज दिया है। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। मृतक की शव से काफी बदब् आ रही है। दुर्गंध के कारण लाश उठाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा ।जिससे लगता है कि कहीं दुसरी जगह हत्या कर लाश को रेलवे ट्रैक के निकट फेंक दिया गया है । ताकि सबुत मिटाया जा सके। मृतक युवक की हत्या कैसे हुई है और मृतक

उत्तर बिहार की नदियों में बागमती के निशान से 102 सेंटीमीटर ऊपर है बेनीबाद में खतरे के निशान से 104 सेंटीमीटर ऊपर है गंडक गोपालगंज के ड्मरिया घाट में खतरे के निशान से 19 सेंटीमीटर ऊपर है इसके अलावा सीमांचल के अररिया में परमाण नदी खतरे के निशान से 33 सेंटीमीटर ऊपर है अन्य निदयों में अभी जलस्तर खतरे के निशान से नीचे है।

अलर्ट है। सोन नदी के जल ग्रहण क्षेत्र में भारी बारिश का असर पटना के गंगा घाटों पर भी दिख रहा है। गांधी घाट में डेंजर लेवल 48.60 मीटर है और गंगा का जलस्तर 48.96 मीटर पर पहुंच गया है यानी 36 सेंटीमीटर गंगा गांधी घाट में

गड्ढ़े में पलटी बस, १३ स्कूली बच्चे घायल, चालक अरेस्ट



गड्ढ़े में पलटी बस को देखते लोग।

AGENCY NAWADA:

नवादा जिले के धमौल थाना के रेवार मोड़ के निकट शुक्रवार को बच्चों से भरी स्कल बस सडक के किनारे गड्ढे में पलट गई। जिससे 13 बच्चे घायल हो गए हैं। घायलों का इलाज स्थानीय अस्पताल में कराया जा रहा है।

धमाल के थाना प्रभारी हिमांशू कुमार पप्पू ने बताया कि बस निकटवर्ती जमुई जिले के केरला इंग्लिश स्कूल का था, जो बच्चों को लेने नवादा जिले के धमाल थाना क्षेत्र के रेवार मोड़ के पास पहुंची थी। संतलन खो जाने के बाद बस गड्ढे में पलट गई

जिसमें 13 बच्चे घायल हो गए हैं। घायलों को आम नागरिकों के सहयोग से अस्पताल में दाखिल कराया गया है। बच्चों की स्थिति सामान्य बताई जा रही है।चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया था। जिसे नागरिकों के सहयोग से गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार चालक जानम मलिक ने बताया कि अचानक संतुलन खोने के कारण बस पलट गई । घटना की सूचना स्कूल संचालक को भी दे दी गई है। ताकि बच्चों के अभिभावक अस्पताल पहुंच कर बच्चों की

आपसी विवाद में सनकी पति ने पत्नी व बेटी को मार डाला, जांच में जुटी पुलिस

जिले में पति पत्नी के झगड़े में सनकी पति ने अपना आपा खो दिया और पत्नी और अपनी मासूम बच्ची की हत्या कर दी। आमतौर पर ऐसी घटनाओं के पीछे का कारण भी बड़ा होता है, लेकिन इस घटना का जो कारण पति बता रहा है, उसपर किसी को यकीन नहीं हो रहा है।

मामला जमुई जिले के सोनो थाना क्षेत्र अंतर्गत पैलबाजन पंच पहाड़ी का है, जहां एक सनकी पति ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी और अपने बच्चे की भी हत्या कर दी। उसके बाद खुद को चाकू से मारकर जख्मी कर लिया। पति ने चाकू से अपना गला काटने की



कोशिश की। फिलहाल गंभीर रूप से घायल सनकी पति का अस्पताल में इलाज चल रहा है। वहीं सनकी पति का बयान सुनकर सभी का माथा घूम गया है। अपनी पत्नी और बच्चे की हत्या कर देने वाला सनकी पति ओलायत अंसारी पिता असरफ

कि बच्चे को दुध पिलाने को लेकर पत्नी से झगड़ा हो गया। फिलहाल पुलिस पुरे मामले की तप्तीश में जुटी है। युवक ने अपनी पत्नी और बच्चे को मारने के बाद खुद आत्महत्या की कोशिश का ड्रामा किया है या सचमुच उसपर हमला हुआ था, तमाम बिंदुओं की जांच

🗕 जमुई में पति का

खौफनाक कदम

🗕 बच्ची को दूध पिलाने

खुद को चाकू मार

कर किया घायल

को लेकर बढा विवाद

नवादा में रेलवे ट्रैक के निकट मिली डेड बॉडी

NAWADA: नवादा में शुक्रवार को

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कई घाटों पर गंगा नदी के जलस्तर का लिया जायजा

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को सड़क मार्ग से पटना के आसपास गंगा नदी के बढ़ रहे जलस्तर का जायजा लिया। मुख्यमंत्री अटल पथ होते हुए जेपी गंगा पथ पहुंचे और कंगन घाट तक गंगा नदी में बढ़ रहे जलस्तर का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को जलस्तर पर नजर रखने और बाढ़की स्थिति से निपटने के लिए अलर्ट रहने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने इस दौरान जेपी गंगा पथ के कंगन घाट, काली घाट, गांधी घाट एवं कृष्णा घाट पर रूककर गंगा नदी के आसपास के इलाकों की स्थिति को देखा और अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली। अशोक



कैबिनेट के फैसले के बाद कमेटी गठित

सड़कों पर गाड़ियों की

तय होगी स्पीड लिमिट

राजपथ को जेपी गंगा पथ से मिलाने वाले कृष्णा घाट पर निमार्णाधीन पहुंच पथ की भी मुख्यमंत्री ने जानकारी ली और तेजी से निर्माण पूर्ण करने का निर्देश दिया। गंगा नदी के निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि गंगा नदी के किनारे वाले क्षेत्रों में बढ़ते

जलस्तर को ध्यान में रखते हुए पूरी तरह अलर्ट रहें और सारी तैयारी पूर्ण रखें। निरीक्षण के दौरान प्रधान सचिव दीपक कुमार, अपर मुख्य सचिव चैतन्य प्रसाद, डीएम डॉ चन्द्रशेखर सिंह, वरीय पुलिस अधीक्षक राजीव मिश्रा सहित अन्य

प्रशांत किशोर का बड़ा दावा

एक घंटे के अंदर बिहार में खत्म करूंगा शराबबंदी

AGENCY PATNA: महात्मा गांधी से प्रेरित होकर जन

सुराज अभियान चलाने वाले प्रशांत किशोर शराबबंदी खत्म करेंगे। बिहार के दरभंगा में प्रशांत किशोर ने ऐसा दावा किया। उन्होंने कहा कि बिहार में शराबबंदी फेल है। उन्होंने महात्मा गांधी का हवाला देते हुए कहा कि उन्होंने भी शराबबंदी करने की बात नहीं कही थी। कहा कि हमारी सरकार बनी तो एक घंटे में शराबबंदी खत्म कर देंगे।

प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार में शराबबंदी होने से राज्य का विकास हुआ है, इसका कोई प्रमाण नहीं है। उन्होंने अमेरिका का हवाला देते हुए कहा कि वहां भी शरारबंदी है लेकिन इसका कोई फायदा नहीं है। शराबबंदी से सिर्फ राज्य को नुकसान हो रहा है। महात्मा गांधी को लेकर कहा कि 'नीतीश कमार और उनके चेले बताते हैं कि महात्मा गांधी ने शराबबंदी का जिक्र किया था।' उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार दिखाएं कि महात्मा गांधी ने ऐसी



बात कहां कही थी। 'अगर गांधी जी ने कहा कि कानून बनाकर शराबबंदी करना है तो इसका प्रामाण दिखाएं। मैं नीतीश कुमार का पैर पकड कर माफी मांग लूंगा।' प्रशांत किशोर ने सीएम नीतीश कुमार पर आरोप लगाया कि उन्होंने महात्मा गांधी के विचार को तोड-मरोड कर पेश किया है। उन्होंने गांधी जी को लेकर कहा कि 'उन्होंने कहा था कि शाकहारी होने के कई फायदे हैं' इसका मतलब है कि कल नियम बना दिया जाएगा कि जो मांस खाएगा उसे जेल में डाल दिया जाएगा।

नागपंचमी पर नाग देवता की हुई पूजा

AGENCY ARARIYA:

फारबिसगंज सहित आसपास के इलाकों में नागपंचमी के मौके पर शक्रवार को नाग देवता की पजा अर्चना को गई। सनातन धर्मप्रेमियों ने अपने अपने घरों में पौराणिक परंपरा के अनुसार,घर के गेट और अन्य स्थानों पर गोबर.डब से आकृति बनाकर दूध और लावा का चढ़ावा नाग देवता के नाम से की। फारबिसगंज के द्विजदेनी स्कल बगीचा चौक स्थित शिव मंदिर और हनुमान मंदिर परिसर में नाग देवता की तस्वीर के साथ पूजा अर्चना,दूध लावा और फल फूल का चढ़ावा चढ़ाकर की। पंडित मेघन मिश्र ने हो जाते हैं। हमारी पौराणिक



को बताया कि हिन्दू पंचांग सावन मास का महत्वपूर्ण पर्व है नागपंचमी। भगवान शिव के प्रिय मास सावन में उनके गणों का पूजन महत्वपूर्ण है।मान्यता है कि नागपंचमी के दिन नाग देवता की पूजा करने से सारे संकट दुर

कथाओं में सर्पों को भगवान शिव और विष्णु के सहयोगी के

रूप में दशार्या गया है एवं उन्हें शक्ति और ज्ञान के प्रतीक के रूप में माना जाता है। हिन्दू धर्म में नागों को नाग देवता भी कहा गया है। नागपंचमी के दिन आठो नागों अनन्त, बासुकी, पध्म, महापध्म, तक्षक, कलीक, कर्कट और शंख की पजा-अर्चना की परम्परा है। मौके पर भक्त सीमा राय. राज सिंह दिनेश दास, पंकज झा, प्रतीक तिवारी, मनीष राज, विक्रम दास, विशाल दास, राहल सिंह आदि के द्वारा मौजद लोगों के बीच खीर प्रसाद का वितरण किया गया।

AGENCY PATNA:

बिहार में सड़क हादसों पर लगाम लगाने के लिए नीतीश सरकार गाड़ियों की स्पीड लिमिट तय करने जा रही है। यानी कि किस रोड पर किस गाड़ी की अधिकतम गति कितनी होगी, यह सरकार तय करेगी। फिर तय लिमिट से ऊपर चलने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पिछले दिनों मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में यह निर्णय लिया गया था। अब इसके लिए एक कमिटी गठित कर दी गई है। परिवहन विभाग की ओर से कमिटी के गठन को लेकर गुरुवार को अधिसूचना जारी की गई। यह

कमिटी सड़क सुरक्षा परिषद, संबंधित निर्माण जिलाधिकारी और आम जनता से प्राप्त प्रस्तावों पर विचार-विमर्श के बाद अलग-अलग सडकों एवं क्षेत्रों के लिए गति सीमा निर्धारित करेगी। विभाग के सचिव को कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है, जबिक एडीजी यातायात इसके उपाध्यक्ष होंगे। राज्य परिवहन आयुक्त को कमेटी का सदस्य सचिव बनाया गया है। परिवहन विभाग, पथ निर्माण विभाग, ग्रामीण कार्य विभाग, बिहार राज्य पथ विकास निगम, बिहार राज्य पलिस निर्माण निगम एवं राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों को सदस्य बनाया गया है।

चंपारण में शिक्षक की चाकू मारकर हत्या

कृष्णनंदन राम का बेटा शिक्षक

राजकमार राम (38) के रूप में

जिले के बंजरिया थाना क्षेत्र के अजगरी पंचायत के मठवा टोला गांव में गुरूवार की देर रात महावीरी अखाड़ा में खेलने के दौरान हुए विवाद में जमकर इसमें हुई। गुप्ती(चाकु) लगने से एक शिक्षक की मौत हो गई। मृतक कि पहचान पंचायत

हुई है।मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार की देर रात महावीरी झंडा के दौरान आयोजित अखाड़े में लोग करतब दिखा रहे थे। इसी बीच मृतक के भाई से विवाद हो गया।जो देखते ही देखते मारपीट और चाकुबाजी में तब्दील हो गया। इसी दौरान बीच बचाव कर

रहे शिक्षक राजकुमार को चाकू लग गया। जिससे उसकी तत्काल मौत हो गई। स्थानीय लोगो ने हत्या का आरोप गांव के ही जितेंद्र सिंह (55) और उसके बेटे राजीव पर लगाते हुए जमकर धुनाई कर दी हालांकि घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची बंजरिया थाना पुलिस ने दोनो को हिरासत में ले

बिना पैसा खर्च किए समस्याओं से मिलेगी निजात, बिचौलियों को खोजने की नहीं होगी जरूरत

अब घर बैठे मोबाइल से बनाएं प्रमाण पत्र

बिहार में जाति, आवासीय और आय प्रमाण पत्र बनाना अब और आसान हो गया। रोजमर्रा के कामों में व्यस्त रहने के बावजूद और बिना पैसा खर्च किए घर बैठे आप ये काम कर सकते हैं कई लोगों के लिए यह बड़ी समस्या जैसा लगता है। लेकिन, यह बहुत सरल है। इसके लिए आपको दलालों को खोजने की जरुरत नहीं है। आपके पास अगर स्मार्ट मोबाइल फोन है। तो फिर आप फटाफट इसे कर सकते हैं। यह खबर तो नौजवानों के लिए बहुत ही काम की है। क्योंकि नौजवानों को जाति, आवासीय और आय प्रमाण पत्र की जरुरत अक्सर पड़ता रहता है। इसको फोन से करने के लिए आपको इस आर्टिकल को पढ़िए और समझना पड़ेगा कि कैसे जाति, आवासीय और आय प्रमाण



पत्र घर बैठे और बिना पैसा खर्च किए बनाना है। तो फिर चलिए मैं आपको बताता हुं कि आप बिना दलालों के चक्कर में पड़े जाति, आवासीय और आय प्रमाण पत्र अपने मोबाइल से कैसे बनायें। प्रमाण पत्र बनाने के लिए आपको इन स्टेप को फॉलो करना पड़ेगा।

स्टेप-1: सबसे पहले आपको अपने मोबाइल, लैपटॉप या कम्प्यूटर पर HTTPS://SER-VICEONLINE.BIHAR.GOV.IN

की साइट ओपन करना है।

स्टेप- 2 : आपके मोबाइल। लैपटॉप पर साइट के खुलते ही तरफ लिखा दिखेगा ह्यऑनलाइन आवेदन करेंह्न। इसके ठीक नीचे लिखा होगा ह्यलोक सेवाओं का अधिकार की सेवाएं। इसके नीचे प्लस का निशान दिखेगा और वहां लिखा

होगा ह्यसामान्य प्रशासन विभागह्न। स्टेप- 3 : सामान्य प्रशासन विभाग पर आपको क्लिक करना है। क्लिक करने पर आपको जाति, आवासीय, आय प्रमाण पत्र के लिए अप्लाई करने वाला लिंक मिलेगा। फिर यहां पर आपको अंचल, अनुमंडल और जिला स्तर के आवासीय प्रमाण पत्र बनाने के लिए अप्लाई करने का ऑप्शन मिलेगा।

स्टेप- 4: जाति, आवासीय, आय प्रमाण पत्र इनमें आपको जो बनाना है उसपर क्लिक करें। क्लिक करते ही फॉर्म ओपन हो जाएगा। इसके बाद आप अपना डिटेल इसमें भर दें।

स्टेप- 5 : पूरा फॉर्म भरने के बाद राजस्व अधिकारी स्तर, अनुमंडल पदाधिकारी स्तर, जिला पदाधिकारी स्तर तीनों में से अपना लेवल चुन लीजिए।

स्टेप- 6: फॉर्म भरने के बाद एक बार फिर से चेक कर लें। कहां आपसे कोई जरूरी सूचना

जाने वाले सभी सूचना आपने भर तो दिए हैं।फार्म को भरने में किसी तरह की कोई हड़बड़ी नहीं करें। स्पेलिंग का ध्यान जरूर रखें, वरना गलत सर्टिफिकेट बन जाएगा या फिर रिजेक्ट हो जाएगा।

स्टेप- 7 : दस्तावेज अपलोड के ऑप्शन में आप आधार कार्ड सबमिट कर, फाइनल सबमिशन करें। इस प्रकार जाति, आवासीय और आय प्रमाण पत्र के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इतना सब कुछ करने के बाद

आप जैसे ही सबमिट करेंगे। आपका एक एप्लिकेशन नंबर जेनरेट होगा। आप अपने सर्टिफिकेट को इसी साइट से डाउनलोड कर लें। इसकी आपको जरूरत पड़ेगी। आपके इस प्रयास के बाद फ्री में आपका दो सप्ताह में प्रमाण पत्र बन जाएगा।

दवा व्यवसायी के पुत्र की अपराधियों ने कर दी थी हत्या

व्यापारियों ने गिरफ्तारी की मांग को लेकर भागलपुर को किया बंद

दवा व्यापारी बलराम केडिया के पुत्र रौनक केडिया के हत्या के विरोध में अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर शुक्रवार को ईस्टर्न बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स के साथ कई संगठनों ने भागलपुर बंद कराया। इस दौरान भागलपुर बंद करा रहे लोगों और पुलिस के बीच हल्की झड़पें भी हुई है। इसके बाद ईस्टर्न बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारी एवं सदस्य ने अपने कार्यालय में एक बैठक आयोजित किया। इस बैठक में यह निर्णय लिया गया की आज के बंदी के बाद भी यदि अपराधियों को पुलिस गिरफ्तार नहीं कर पाती है तो आगे पुलिस पर दबाव बनाने के लिए क्या रणनीति तय करना होगा। आज के बैठक के बाद ईस्टर्न बिहार चैंबर



पुलिस प्रशासन के समक्ष आक्रोश जताते व्यवसायी।

ऑफ कॉमर्स के पीआरओ दीपक शर्मा ने कहा कि आज का भागलपुर बंद काफी सफल रहा। सभी व्यापारी वर्ग के लोगों ने आज के भागलपुर बंदी में अपना समर्थन दिया है। पुलिस से नोक झोक वाली घटना को लेकर उन्होंने यह भी कह दिया कि हम लोगों ने शांतिपूर्वक बंद करा रहे थे। इसके बावजूद पुलिस ने हमारे

कार्यकताओं के साथ गलत व्यवहार किया है। उल्लेखनीय हो कि जिले के ततारपुर थाना क्षेत्र में अपराधियों ने बुधवार देर रात गोली मारकर दवा व्यवसाई रौनक केडिया की हत्या कर दिया था। घटना के लगभग 36 घंटा बीत जाने के बाद भी अभी तक भागलपुर पुलिस ने अपराधियों को गिरफ्तार नहीं किया है।

लूटपाट और हिंदू मंदिरों पर हुए

हमलों पर एक शब्द न बोलना कई

प्रश्न खड़े करता है। बांग्लादेश में

एक हिन्दू संगठन ने दावा किया है

कि शेख हसीना के हटने के बाद

से सैकड़ों हिन्दू घरों, प्रतिष्ठानों

और मंदिरों पर हमले किए गए।

बांग्लादेश की 170 मिलियन

आबादी में करीब 8 फीसदी हिन्दू

हैं और उन्होंने ऐतिहासिक रूप से

शेख हसीना की अवामी लीग पार्टी

को सपोर्ट किया है, जो मुख्य रूप

से धर्मनिरपेक्ष के रूप में जानी

जाती है। इसके उलट विपक्षी

गठबंधन में एक कट्टरपंथी इस्लामी

पार्टी शामिल है। बांग्लादेश के 27

जिलों में घरों में घुसकर हिन्दुओं

के साथ मारपीट की जा रही है।

हिन्दुओं के घरों में आग लगाई जा

रही और उनकी दकानें लटी जा

रही है। हिन्दओं का बेरहमी से

कत्लेआम हो रहा है। मंदिरों को

आग के हवाले किया जा रहा है।

हिंसा की आग में जल रहे

बांग्लादेश में जगह- जगह धुआं

उठ रहा है। हिन्दुओं की बस्तियों

में चीख-पुकार मची है। पूरे देश में

दंगाइयों ने आतंक का तांडव मचा

दिया है। दंगाइयों ने बांग्लादेश के

देहरादून का खाराखेत, जहां तोडा गया नमक कानून

जगदंबा प्रसाद मिश्र 'हितैषी' की यह पंक्तियां भले ही उर्दू अदब का हिस्सा हों लेकिन उस समय के सेनानियों के लिए निश्चित रूप से महत्वपूर्ण पंक्तियां है। स्वतंत्रता आंदोलन के अमर सेनानियों को पूरा राष्ट्र याद कर रहा है। चाहे 15 अगस्त का पावन पर्व हो या 26 जनवरी का। हमें ऐसे सेनानियों की याद बरबस आ जाती है जिन्होंने इस राष्ट्र के लिए अपना आत्मोत्सर्ग कर दिया। जिन सेनानियों के कारण हम आज स्वतंत्र भारत में सांस ले पा रहे हैं उन्होंने इस स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। इतिहस के दर्पण में यदि उत्तराखंड का आकलन किया जाए तो यहां के चप्पे-चप्पे से भारत की स्वतंत्रता का जुड़ाव है। कुछ स्थानों का स्ववतंत्रता आंदोलन से जुड़ाव है तो कुछ स्थान सम्राट अशोक के काल से जुड़े हुए है जहां कण कण में स्वतंत्रता की अलख जगती दिखती है। ऐसा ही एक स्थान है विकासनगर का खाराखेत। जहां नन नदी के पानी से नमक बनाकर ब्रिटिश हुकुमत को चुनौती दी गई थी। यह घटना 20 अप्रैल 1930 की है जहां स्वतंत्रता आंदोलन के सपूतों ने नमक बनाकर कानून तोड़ा था। ऐसे लोगों की स्वतंत्रता आंदोलन में बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका थी और उसी के बल पर हम सब आज पूरी तरह स्वतंत्रता का आनंद ले रहे हैं। उत्तराखंड के देहरादुन जनपद के विकासनगर में स्थित है खाराखेत गांव। यह वही स्थान है जहां स्थित खाराखेत स्वतंत्रता आंदोलन का गवाह है। इन स्थानों से हमें राष्ट्र भक्ति की प्रेरणा और पाथेय मिलता है। राष्ट्रवाद की यह भावना इसी बात का संकेत देती है कि अंग्रेजों के शासनकाल में नमक सत्याग्रह के माध्यम से पीढ़ी को जगाने का काम किया गया था। खाराखेत वह गांव है जहां गांधीजी के आह्वान पर स्वतंत्रता के संवाहकों ने अंग्रेजों का कानून तोड़ा था। इतिहास बताता है कि 20 अप्रैल 1930 को नन नदी के पानी से नमक बनाकर ब्रिटिश शासन को बड़ी चुनौती दी गई। स्वतंत्रता के प्रेमियों ने नून नदी के किनारे नमक बनाकर अंग्रेजों के नमक कानून को तोड़ा था। ऐसे महापुरुषों का नाम इतिहास में भले ही राष्ट्रीय फलक पर प्रचलित न हुआ हो लेकिन खाराखेत में एक शिलापट्ट पर उनके नाम अंकित है। देहरादुन नगर से 18 किलोमीटर दर खाराखेत में 20 अप्रैल. 1930 को अखिल भारतीय नमक सत्याग्रह समिति के नेतत्व में स्वतंत्रता के पजारियों ने नमक बनाकर अंग्रेजों के नमक कानून को तोड़ा था। इसी अभियान में खाराखेत को पूरे देश में प्रसिद्धि दिलाई। खाराखेत में एक स्तंभ बना है जिसे गांधीजी का स्तंभ कहा जाता है। इस स्तंभ पर जिन सेनानियों के नाम अंकित है उनमें हुकम सिंह, अमर सिंह, रीठा सिंह, धनपति, रणवीर सिंह, कृष्ण दत्त वैद्य, नारायण दत्त, महावीर त्यागी, नरदेव शास्त्री, दाना सिंह, श्रीकृष्ण, नत्थु राम, ध्रुव सिंह, किशन लाल, गौतम चंद, चौधरी बिहारी लाल, स्वामी विचारानंद, हुलास वर्मा, रामस्वरूप, नैन सिंह, किरण चंद आदि के नाम शामिल है। इसे प्राकृतिक परिवेश का नाम दिया जाए या नमक कानून तोड़ने का परिणाम के आज भी खाराखेत में बह रही नून नदी का पानी खारा लगता है। देहरादुन नगर से बाहर मसुरी पर्वतमाला की तलहटी में बसा, खाराखेत गांव आज भी छोटा गांव है। जहां लगभग 40 घर हैं। प्रकृति के सुरम्य वातावरण में बसा यह शांत गांव स्वतंत्रता आंदोलन की अलख जगाने वाला गांव रहा होगा कोई नहीं कह सकता। यहां का दैनिक जीवन किसी भी आम पहाड़ी गांव से अलग नहीं है। कुछ साल पहले तक, गांव पहुंचने के लिए लगभग दो किलोमीटर की चढ़ाई चढ़नी पड़ती थी और नून नदी की धारा को पार करना पड़ता था। 'नून' पर पुल बनने और गांव की सीमा को छुने वाली कंक्रीट की सड़क बनने से यहां के गांव के लोगों का जीवन बेहतर होता दिख रहा है। औपनिवेशिक काल के दौरान यहां एक खास घटना घटी और इस घटना ने इस शांत गांव को इतिहास के पन्नों में एक अच्छी पहचान दिलाई। खाराखेत गांव से नीचे आती नून नदी घाटी से नीचे की ओर बहती है। दांडी मार्च या नमक सत्याग्रह या दांडी सत्याग्रह एक अहिंसक सविनय अवज्ञा आंदोलन था जो राज सरकार के चंगल से आजादी की लडाई पर केंद्रित था। नमक पर ब्रिटिश सरकार द्वारा कर लगाया जाता था, जो उनके कुल राजस्व का लगभग 8 प्रतिशत था। नमक एक ऐसी वस्त थी जिसका प्रयोग हर कोई करता था और इसलिए इस पर केंद्रित विरोध का उद्देश्य एक आम उद्देश्य यानी स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए जनमानस के एक बड़े हिस्से को एकजुट करना था। दांडी मार्च (पैदल यात्रा) 12 मार्च 1930 से 06 अप्रैल 1930 तक चला , जिस दिन महात्मा गांधी ने दांडी में नमक बनाकर नमक कानून तोड़ा था। कानून तोड़ने के लिए गांधीजी के साथ कई लोगों को गिरफ्तार किया गया था। लेकिन इस आंदोलन का दूरगामी असर हुआ। देश के दसरे हिस्सों में भी इसी तरह के विरोध प्रदर्शन शरू हए। दांडी मार्च से प्रेरित होकर, देहरादुन और उसके आस-पास के कई क्रांतिकारियों ने इसी तरह का विरोध करने का फैसला किया। यह ध्यान रखना दिलचस्प है कि 'खाराखेत' नाम खुद हिंदी शब्द ₹नमकीन₹ से लिया गया है। नून नदी (जिसके बारे में हमने शरूआत में लिखा था) गांव के पास बहती है। यह एक बारहमासी नदी है, हालांकि पिछले कुछ सालों में पानी की मात्रा में काफी कमी आई है। चूंकि ढाल कम है, इसलिए पानी का प्रवाह भी धीमा है और इसलिए यह अधिक वाष्पीकरण की अनमति देता है. जिसके परिणामस्वरूप नमक बनता है। देहरादन और उसके आसपास के स्वतंत्रता सेनानी जिनमें महावीर त्यागी, कृष्ण दत्त वैद, नारायण दत्त डंगवाल, नरदेव शास्त्री, स्वामी विचारानंद, हुलास वर्मा, राम स्वरूप, चौधरी बिहारी और अन्य शामिल थे. 20 अप्रैल से 19 मई के बीच छह समूहों में खाराखेत में एकत्र हुए और नमक बनाया और फिर इसे देहरादुन के टाउन हॉल (वर्तमान तहसील चौक क्षेत्र) में जनता को

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार, विपक्ष खामोश

ANALYSIS



मोदी सरकार पूरे मामले में पर नजर बनाए हुए हैं। लेकिन इन सबके बीच विपक्ष का बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार, लूटपाट और हिंदू मंदिरों पर हुए हमलों पर एक शब्द न बोलना कई प्रश्न खड़े करता है। बांग्लादेश में एक हिन्दू संगठन ने दावा किया है कि शेख हसीना के हटने के बाद से सैकड़ों हिन्दू घरों, प्रतिष्ठानों और मंदिरों पर हमले किए गए। बांग्लादेश की 170 मिलियन आबादी में करीब 8 फीसदी हिन्दू हैं और उन्होंने ऐतिहासिक रूप से शेख हसीना की अवामी लीग पार्टी को सपोर्ट किया है, जो मुख्य रूप से धर्मनिरपेक्ष के रूप में जानी जाती है। इसके उलट विपक्षी गढबंधन में एक कट्टरपंथी इस्लामी पार्टी शामिल है। बांग्लादेश के 27 जिलों में घरों में घुसकर हिन्दुओं के साथ मारपीट की जा रही है। हिन्दुओं के घरों में आग लगाई जा रही और उनकी दुकानें लूटी जा रही है।

ग्लादेश में शेख हसीना के इस्तीफा देकर भागने के बाद से देश के अंदर हिन्दुओं के ऊपर अत्याचार शुरू हो गया है। बांग्लादेश में जगह-जगह पर हिन्दू मंदिरों और हिन्दू समुदाय पर हमले की खबरें आ रही हैं। बांग्लादेश से आ रही रिपोर्ट से पता चलता है कि हिन्दुओं के घरों और मंदिरों को निशाना बनाया गया है। इस्कॉन और काली मंदिर पर हमले हए हैं. जिसके बाद हिन्दुओं को जान बचाने के लिए छुपना पड़ा है। मोदी सरकार पूरे मामले में पर तरह कांग्रेस और इंडी गठबंधन में नजर बनाए हुए हैं। लेकिन इन खुलना डिवीजन में एक इस्कॉन सबके बीच विपक्ष का बांग्लादेश मंदिर को फूंक दिया। एक काली शामिल दलों ने मुस्लिम तुष्टिकरण में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार,

मंदिर में भी तोड़फोड़ के बाद आग लगा दी। हिन्दुओं पर हो रहे हमले और अत्याचार की घटनाओं के बाद भी विपक्ष ने बेशर्मी का चोला धारण कर रखा है। इंडी गठबंधन के किसी एक भी नेता ने हिन्दुओं पर हो रहे हमले की खुलकर निंदा नहीं की। उलटे इन राजनीतिक दलों के समर्थक और सोशल मीडिया की टीमें ऐसे संदेश लगातार प्रसासित और प्रचारित कर रहे हैं कि बांग्लादेश में हिन्दुओं पर अत्याचार की खबरें फर्जी हैं। ऐसी खबरें तो देश की जनता को भड़काने के लिए स्वयं हिन्दुवादी संगठन फैला रहे हैं। बेशर्मी की हद तक इनकी राजनीति गिर चकी है। वहीं, बांग्लादेश में तख्तापलट की घटना के बाद से ही सोशल मीडिया पर ऐसे मैसेज की बाढ़ सी आ गई, जिसमें धमकी भरे अंदाज में समझाया गया कि 'देश की जनता तानाशाह का तख्तापलट कर देती हैं। डरा नहीं रहा हूं, बस बता रहा हूं।' इस पूरे मामले में देश की सबसे पुराने और सबसे ज्यादा शासन करने वाले दल कांग्रेस की चुप्पी हैरानी से ज्यादा चिंता का विषय है। 2024 के चुनाव में जिस

को हवा दी, उससे आने वाले समय में हिन्दुओं की चिंता बढ़ना स्वाभाविक है। इंडी गठबंधन के किसी भी नेता ने यहां तक कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी तक ने बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार पर न एक शब्द बोला और सोशल मीडिया पर लिखा। मुस्लिम तुष्टिकरण करने वाले दल और नेता हिन्दुओं से जुड़े हर मुद्दे पर प्रायः चुप्पी साध लेते हैं। बांग्लादेश में जो भीड अत्याचार कर रही है, वो मुस्लिम है। उनके निशाने पर हिन्दू जनता और उनके मंदिर, दुकान और घर हैं। बावजूद इसके बड़ी बेशर्मी से ऐसे दलों के चेहते पत्रकार, यू -ट्यूबर और सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर मुस्लिम आतंकियों, दहशतगर्दी और हिंसक भीड़ का समर्थन करते दिखाई देते हैं। इन आतंकियों, उपद्रवियों और गिरी मानसिकता वाली भीड़ को आंदोलनकारी साबित करने में जुटे हैं। वैसे भी इनके लिए आतंकी मासूम और राह भटके हुए युवा ही होते हैं। पड़ोसी देश पाकिस्तान की तरह बांग्लादेश में भी दशकों से हिन्दू समुदाय के खिलाफ उत्पीड़न जारी

जिसके परिणामस्वरूप बांग्लादेश में हिन्दू आबादी में तेजी से कमी आई है। 1971 में 22 प्रतिशत से घटकर 2022 में हिन्दू आबादी 7.9 प्रतिशत हो गई है। पिछले कुछ वर्षों में बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ बलात्कार, हत्या, हिंदू धार्मिक संस्थानों पर हमले, हड्पना, जबरन मतांतरण एक सामान्य घटना बन गई थी। आंकड़ों के आलोक में बात की जाए तो वर्ष 2022 में बांग्लादेश में इस्लामवादियों द्वारा 154 हिन्दू लोगों की हत्या कर दी गई और 424 हिन्दु लोगों को इस्लामिक बदमाशों द्वारा मारने का प्रयास किया गया। इसी अवधि के दौरान 849 लोगों को जान से मारने की धमकी दी गई और उन हमलों में 360 लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। इनमें से 62 लोग अब भी लापता हैं। इसी साल बांग्लादेश में 39 हिन्दू महिलाओं के साथ बलात्कार किया गया और 27 हिन्दु महिलाओं के साथ सामृहिक बलात्कार किया गया। 17 हिन्दू महिलाओं की बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई और 55 अन्य महिलाओं के साथ छेड़छाड़ और बलात्कार करने का प्रयास किया गया। बांग्लादेश में 1 जनवरी से हिन्द महिलाओं को जबरन इस्लाम कबल कराया गया। बात वर्ष 2021 की करें तो इस वर्ष भी बांग्लादेश में 46 हिन्दू महिलाओं के साथ बलात्कार किया गया, और 411 से अधिक हिन्दू महिलाओं के साथ छेड़छाड़ की गई। 32 हिन्दू लोगों को कट्टरपंथियों द्वारा गोमांस खाने के लिए मजबूर किया गया और उसी वर्ष 252 हिन्दुओं को मार दिया गया। बांग्लादेश हो या फिर पाकिस्तान कहीं भी हिन्दुओं के साथ अत्याचार, उत्पीड़न, बलात्कार, धर्मांतरण, मंदिरों पर हमले और लुटपाट की किसी भी घटना पर विपक्ष की जुबान बंद ही रहती है। मुस्लिम व्यक्ति का नाम अपराधी, आतंकी और उपद्रवी के तौर पर सामने आते ही कांग्रेस समेत मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले तमाम राजनीतिक दलों और नेताओं को सांप सुंघ जाता है। इन नेताओं के आंस गाजा में हो रहे हमलों और अत्याचार पर तो निकलते हैं. लेकिन बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे हमले और अत्याचार पर इनके मंह से हमदर्दी के दो शब्द नहीं निकलते। यही इनका दोगलापन और दोहरा व्यवहार है, जिसे ये गंगा जमुनी तहजीब और फर्जी सेक्यलरिज्म की आड में छपाते हैं। पिछले कई सालों से देश में कई दलों के नेताओं ने सनातन धर्म का अपमान, हिन्दुओं के आराध्यों के बारे में अभद्र और आपत्तिजनक टिप्पणी और बयान दिये हैं। लेकिन किसी भी मुद्दे पर इंडी गठबंधन ने ऐसे नेताओं की निंदा नहीं की। राजनीतिक दलों ने ये उनका व्यक्तिगत बयान है कह कर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला

31 दिसंबर 2022 के दौरान 152

बढ़ती अराजकता और दम तोड़ती मानवीयता

ग्लादेश में तीन दिन से जो घटनाक्रम घटित हो रहा है वह अत्यंत भयावह और चिंतनीय है। परंतु कल जो हुआ वह किसी भी समाज के लिए अत्यंत शर्मनाक, दुखदाई, असहनीय अमर्यादित । सच कहुं तो यह सभी शब्द इसके लिए उपयुक्त नहीं लग रहे है । लोकतंत्र बहाली के नाम पर बांग्लादेश में कट्टरपंथियों व विदेशी ताकतों की शह पर भ्रमित यवाओं ने नग्नता, बेशर्मी और अराजकता का जो नंगा नाच किया वह संपूर्ण मानवीयता को लज्जित कर देने वाला है । प्रदर्शनकारीयो ने शेख हसीना के घर में घस उनकी साड़ियां, ब्लाउज और अंतर्वस्त्रों को भी नहीं बक्शा। आंदोलनकारी उनके अंतर्वस्त्रों को हवा में लहरा-लहरा कर संपूर्ण विश्व की हर एक महिला की गरिमा ,आत्म सम्मान को रौंद रहे थे। ये कहीं से भी लोकतंत्र और आरक्षण खत्म करने की मांग पर जुटे आंदोलनकारी युवा

1942 को

जा अगस्त, ... राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने

शुरूआत की थी। उस समय दूसरे

विश्व युद्ध में उलझे इंग्लैंड को भारत

में ऐसे आंदोलन की उम्मीद नहीं थी।

पूरी ब्रिटिश हुकूमत इससे हिल गई

थी। 1857 के बाद देश की आजादी

के लिए चलाए जाने वाले सभी

आंदोलनों में 1942 का ये आंदोलन

सबसे विशाल और सबसे तीव्र

आंदोलन साबित हुआ था। भारतीय

स्वतंत्रता संग्राम में निर्णायक भूमिका

निभाने वाले इस आंदोलन में पूरे देश

के लोगों की व्यापक भागीदारी रही

थी। अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन के

शुरू होने के कुछ समय बाद ही

गांधीजी को गिरफ्तार कर लिया गया

था। लेकिन देश भर के युवा

कार्यकताओं ने हड़तालों और

तोड़फोड़ की कार्रवाइयों के जरिए

आंदोलन को जिंदा रखा। इस

आंदोलन ने देखते ही देखते ऐसा

रूप ले लिया था कि अंग्रेजी सत्ता को

दमन के सभी उपाय नाकाफी साबित

होने लगे थे। 1942 का अंग्रेजों

भारत छोड़ो आंदोलन 1920, 1921,

भारत छोड़ो आंदोलन की

नहीं थे। यह विकृत लोगों की भीड़ लगी जिनका विवेक शुन्य हो चुका है । जिन्हें नहीं पता यह क्या कर रहे हैं? बांग्लादेश में आरक्षण को लेकर कई दिनों से जारी हिंसक प्रदर्शन ने सोमवार को निर्णायक मोड़ अपना लिया और ऐसे हालात बन गए कि प्रधानमंत्री शेख हसीना को 45 मिनट के अंदर देश छोड़ना पड़ा तथा तख्तापलट हो गया । हसीना के इस्तीफा दिए जाने के बाद से सेना ने मोर्चा संभाल लिया और अब खबर यह है कि नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस को प्रधानमंत्री बनाने की तैयारी चल रही है। ये प्रदर्शनकारी शेख हसीना से खफा थे । जब वे इस्तीफा देकर देश छोड़कर चली गई तो वह पीएम आवास में जुड़कर हर एक चीज नष्ट करने लगे । उनके आवास में भीड़ ने लूटपाट की, तोडफोड की । शेख मजीब की मूर्ति तक को तोड़ दिया गया और उन्हें अनेक तरह से अपमानित किया गया। जिन शेख मुजीबुर

परिवार की जान बांग्लादेश की आजादी के लिए दे दी थी आज उन्हीं की मूर्ति पर हथौड़े चलाए जा रहे हैं। जब प्रदर्शनकारियो को यह खबर मिली कि शेख हसीना भारत चली गई हैं और भारत ने उन्हें शरण दी है तो उनका गुस्सा हिन्दुओं पर भड़क अल्पसंख्यकों पर हमले , हिन्दू मंदिरों पर हमले और आगजनी की खबरें लगातार आने लगी। विदश मंत्री एस. जयशंकर का राज्यसभा में बयान और इसके पहले सर्वदलीय बैठक में उनका यह कथन भारत की चिंता को स्पष्ट करता है कि हिन्दुओं पर जिस तरह से हमले करके उनके घरों को जलाया जा रहा है. उनकी संपत्ति नष्ट की जा रही है इससे प्रतीत होता है कि वहां अब हिन्दू सुरक्षित नहीं है। बांग्लादेश की 17 करोड़ की आबादी में एक करोड 30 लाख के लगभग हिन्दुं है। शेख हसीना खुद मुस्लिम थी और अगर उनसे द्वारा हिन्दुओं को निशाना क्यों बनाया जा रहा है। आज बांग्लादेश में कट्टरपंथी ताकतें जिस तरह हिन्दओं पर जल्म और अत्याचार कर रही हैं, मंदिरों पर आक्रमण किये जा रहे हैं, उनके घरों को जलाया जा रहा है तो आज मानवाधिकारों की बात करने वाले देश और बुद्धिजीवी चुप क्यों है ? कल एक स्त्री की गरिमा को सरे आम फेमिनिज्म के पैरोकार कहा हैं? वही इस तरह के अत्याचार मुस्लिम अल्पसंख्यकों पर होते तो उनके मानवाधिकारों को लेकर पुरा वैश्विक समुदाय और तथाकथित बुद्धिजीवी तंत्र चंद मिनटों में सिक्रय और मुखर हो उठता। बांग्लादेश में स्वतंत्रता सेनानियों के रिश्तेदारों के लिए सरकारी नौकरियों में आरक्षण दिया जाता है । इस आरक्षण के विरोध में 1 जुलाई से इस प्रदर्शन की शुरूआत हुई। इसी वजह से पूरे बांग्लादेश में आरक्षण को

सरकारी नौकरियों में आरक्षण की व्यवस्था में सुधार को लेकर बांग्लादेश के शहरों में विरोध प्रदर्शन देखने को मिला। प्रदर्शनकारी और पलिस के बीच हुई झड़प में लगभग 300 से ज्यादा लोगों की मृत्यु हुई। लेकिन यहां बहुत महत्वपूर्ण बात यह है कि छात्र मौजूदा आरक्षण प्रणाली में सुधार करते हुए प्रतिभा के आधार पर सीट भरने की मांग कर रहे थे. लेकिन जिस आरक्षण व्यवस्था को खत्म करने की मांग कर रहे थे वह मुद्दा शांत हो गया था। आरक्षण इस मुद्दे को देश में अराजकता फैलाने और तख्ता पलट करने में एक टूल की तरह कट्टरपंथी ताकतों ने प्रयोग किया। छात्रों का आंदोलन ठंडा हो जाने पर जमाते इस्लामी पार्टी ने इसको फिर से हाईजैक किया और इस पार्टी के छात्र संगठन ने इसे परी तरह से यवाओं के बीच में फैला दिया। रिपोर्ट के अनुसार पिछले 15 वर्ष में इस पार्टी ने

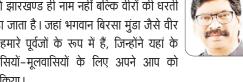
करते हुए अपने सहयोगी सदस्यों की संख्या 2008 में जो 1.3 करोड़ थी उसे बड़ा कर दो करोड़ 29 लाख कर लिया है। शेख हसीना इस संगठन की ताकत का आकलन सही तरह से नहीं कर पाईं और जो हुआ वह सारा विश्व देख रहा है। जिस आंदोलन को लोकतंत्र बहाली के नाम पर प्रचारित-प्रसारित किया जा रहा है और कहा जा रहा है कि जनता ने तख्तापलट दिया वहां यह बात ध्यान देने योग्य है कि बांग्लादेश की कुल आबादी 17 करोड है जिसमें से सिर्फ 20 लाख लोग ही इस आंदोलन में शामिल है। अर्थात 1.02 प्रतिशत। लेकिन इस भीड़तंत्र को विदेशी ताकतों, आईएसआई समर्थित जमाते इस्लामी और चीन, पाकिस्तान का परा सपोर्ट था जिस कारण से वह यह सब करने में सफल रही। बांग्लादेश में जो हुआ और जो हो रहा है वह कट्टरपंथी ताकतों और उनके मंसूबों को कम आंकने वाले के लिए एक सबक है।

Social Media Corner

सच के हक में

नीरज चोपड़ा उत्कृष्ट व्यक्तित्व के धनी हैं! उन्होंने बार-बार अपनी प्रतिभा दिखाई है। भारत इस बात से खुश है कि वह एक और ओलंपिक सफलता के साथ वापस आये। रजत पदक जीतने पर उन्हें बधाई. वह अनिगनत आगामी एथलीटों को अपने सपनों को आगे बढ़ाने और हमारे देश को गौरवान्वित करने के लिए प्रेरित करते रहेंगे। (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

हमें गर्व है कि हमने एक ऐसे धरती पर जन्म लिया, जिसको झारखण्ड ही नाम नहीं बल्कि वीरों की धरती भी कहा जाता है। जहां भगवान बिरसा मुंडा जैसे वीर शहीद हमारे पूर्वजों के रूप में हैं, जिन्होंने यहां के आदिवासियों-मूलवासियों के लिए अपने आप को कुर्बान किया।



(सीएम हेमंत सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

सभी श्रद्धालुओं को भारतीय संस्कृति के पौराणिक एवं नागों में आस्था रखने वाले पर्व नाग पंचमी की हार्दिक शुभकामनाएं।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)



1930, 1940-41 के आंदोलनों से काफी भिन्न था। इसी कारण सुभाष बाब ने कहा था कि 1942 में पेसिव रजिस्टेन्स के युग का अंत होकर एक्टिव रजिस्टेन्स का सूत्रपात हुआ। राजनारायण मिश्र, महेंद्र चौधरी, लेना प्रसाद, मांतिगिनी हाजरा, चाफेकर बंधुओं, खुदीराम बोस, कन्हाई लाल, करतार सिंह, रामप्रसाद बिस्मित, अशफकाउल्ला खान, राजेंद्र लाहिड़ी, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद जैसे वीरों के अविस्मरणीय योगदान ने आजादी की राह काफी सरल बना दी थी। गांधीजी का करो या मरो का नारा अत्यन्त ही शक्तिशाली मंत्र साबित हो रहा था। बापू के इस मंत्र का भी देशव्यापी असर पड़ा और यह नारा बाद में आजादी पाने का ध्येय मंत्र बन गया। इस आंदोलन को लालबहादुर शास्त्री ने एक बड़ा रूप दे दिया था। लालबहादुर शास्त्री ने 1942 में मरो नहीं मारो का नारा दिया। जिसने क्रान्ति की ज्वाला को पूरे देश में प्रचण्ड किया। 19 अगस्त 1942 को शास्त्री जी गिरफ्तार हो

गए। इस आंदोलन की व्यूह रचना

बेहद तरीके से बुनी गई थी। चूंकि अंग्रेजी हुकूमत दूसरे विश्व युद्ध में पहले ही पस्त हो चुकी थी और जनता भी आंदोलन की ओर झुक रही थी। लिहाजा 8 अगस्त 1942 की शाम को बम्बई में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के बम्बई सत्र में अंग्रेजों भारत छोड़ो का नाम दिया गया था। हालांकि गांधी जी को फौरन गिरफ्तार कर लिया गया था। लेकिन देश भर के युवा कार्यकर्ता हडताल और तोड़फोड़ की कार्रवाइयों के जरिए आंदोलन चलाते रहे। ९ अगस्त 1942 को दिन निकलने से पहले ही कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सभी सदस्य गिरफ्तार हो चुके थे और कांग्रेस को गैरकानूनी संस्था घोषित कर दिया गया। गांधी जी के साथ भारत कोकिला सरोजिनी नायडू को यरवदा पुणे के आगा खान पैलेस में, डॉ. राजेंद्र प्रसाद को पटना जेल व अन्य सभी सदस्यों को अहमदनगर के किले में नजरबंद किया गया था। सरकारी आंकड़ों के अनुसार इस जनान्दोलन में 942 लोग मारे गये, 1630 घायल हुए, 18 हजार

डीआईआर में नजरबंद हए तथा 60 हजार 229 गिरफ्तार हुए। जयप्रकाश नारायण, अरूणा आसफ अली व मदनलाल बागड़ी का इस क्रांति में अविस्मरणीय योगदान रहा था। 9 अगस्त 1925 को ब्रिटिश सरकार का तख्ता पलटने के उद्देश्य से बिस्मिल के नेतृत्व में हिन्दुस्तान प्रजातंत्र संघ के दस जुझारू कार्यकताओं ने काकोरी कांड किया था। जिसकी यादगार ताजा रखने के लिए पूरे देश में हर साल 9 अगस्त को काकोरी काण्ड स्मृति-दिवस मनाया जाता था। इस दिन बहुत बड़ी संख्या में नौजवान एकत्र होते थे। गांधी जी ने एक सोची-समझी रणनीति के तहत 9 अगस्त 1942 का दिन चुना था। दूसरे विश्व युद्ध में इंग्लैंड को बुरी तरह उलझता देख जैसे ही नेताजी सभाषचंद्र बोस ने आजाद हिन्द फौज को दिल्ली चलो का नारा दिया। गांधी जी ने मौके की नजाकत को भांप लिया और 8 अगस्त 1942 की रात में ही बम्बई से अग्रेजों को भारत छोड़ो व भारतीयों को करो या मरो का आदेश जारी किया।

ओलिंपिक में व्यवहार

भारतीय खिलाड़ियों और भारतीय खेल प्रशासन को विश्व स्तर पर अभी लंबा सफर तय करना है। मगर जिस तरह के विवाद या मामले ओलिंपिक में कुछ भारतीयों के संबंध में उठे हैं, उनको देख चिंता स्वाभाविक है। महिलाओं की 53 किलोग्राम कुश्ती स्पर्द्धा के पहले ही दौर में हारने के बाद भारतीय पहलवान अंतिम पंघाल ने पेरिस में अपने लिए बड़ी चिंताएं खड़ी कर ली थीं। यहां तक खबर चल पड़ी थी कि अंतिम पंघाल और उनके दल को पेरिस से निर्वासित कर दिया जाएगा, तीन साल के लिए प्रतिबंध लग जाएगा। बहरहाल, पंघाल पर यह आरोप तो लग ही गया कि उन्होंने अपना ओलिंपिक मान्यता पत्र अपनी बहन को सौंप दिया था, जिन्हें ओलंपिक गांव के प्रवेश द्वार पर पुलिस ने पकड़ लिया। भारतीय दल के लिए बड़े शर्म की स्थिति बन गई। इसमें कोई दोराय नहीं कि किसी खिलाड़ी के मान्यता पत्र पर केवल वही अधिकृत होता है, अगर वह अपना मान्यता पत्र किसी को देता है, तो वास्तव में पूरे खेल गांव की सुरक्षा पर सवाल लगाता है। अंतिम पंघाल से यही भूल हुई है, जिसका असर भारतीय ओलिंपिक दल के सम्मान पर कमोबेश हुआ है। गौर करने की बात है कि पंघाल अपना पहला ही मुकाबला बुरी तरह हार गई थीं और निराशा में उन्होंने खेल गांव छोड़ दिया था। यहां भी विवाद उठा कि उन्होंने खेल गांव छोड़कर अपनी बहन या कोच के होटल जाने की मंजूरी नहीं ली, हालांकि, बाद में पंघाल ने स्पष्ट किया कि वह बताकर ही गई थीं। होटल आकर उनकी तबियत खराब हुई और उन्होंने अपना मान्यता पत्र अपनी बहन को देकर खेल गांव से अपना सामान लाने भेज दिया। बेशक, यह तरीका गलत है, ओलिंपिक के स्तर पर खिलाड़ियों को तमाम नियम-कायदों के प्रति सजग रहना चाहिए। वैसे जितनी लापरवाही खिलाड़ी की है, उतनी ही उसके कोच की भी है। वैसे, यहां तो खिलाड़ी के दो कोच सहयोगी बनने के बजाय स्वयं ही समस्या बन गए।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail: thephotonnewsjharkhand@gmail.com

जब हिल गई थी ब्रिटिश सरकार

Centre's overbearing presence bodes ill for J&K

UNLIKE the more constitutionally defined role of a Governor, the responsibilities and powers of the Lieutenant Governor (L-G) are relatively ambiguous, situational and dependent on the Centre. There are union territories (UTs) of various shades when it comes to defining an L-G's role. There are 'half states' like Puducherry, which has a CM and a Cabinet, and Delhi with its unique national capital dynamics. There are strategic 'outposts' like the Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep. Relatively smaller UTs like Dadra and Nagar Haveli and Daman & Diu warrant a simpler bureaucratic 'administrator'. Then there is Chandigarh, a twostate capital with both Punjab and Haryana making competing claims over it. And five years ago, the state of Jammu and Kashmir was split into two UTs - Ladakh and J&K - with the abrogation of Article 370.UNLIKE the more constitutionally defined role of a Governor, the responsibilities and powers of the Lieutenant Governor (L-G) are relatively ambiguous, situational and dependent on the Centre.

There are union territories (UTs) of various shades when it comes to defining an L-G's role. There are 'half states' like Puducherry, which has a CM and a Cabinet, and Delhi with its unique national capital dynamics. There are strategic 'outposts' like the Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep. Relatively smaller UTs like Dadra and Nagar Haveli and Daman & Diu warrant a simpler bureaucratic 'administrator'. Then there is Chandigarh, a two-state capital with both Punjab and Haryana making competing claims over it. And five years ago, the state of Jammu and Kashmir was split into two UTs — Ladakh and J&K — with the abrogation of Article 370.UNLIKE the more constitutionally defined role of a Governor, the responsibilities and powers of the Lieutenant Governor (L-G) are relatively ambiguous, situational zand dependent on the Centre. There are union territories (UTs) of various shades when it comes to defining an L-G's role. There are 'half states' like Puducherry, which has a CM and a Cabinet, and Delhi with its unique national capital dynamics. There are strategic 'outposts' like the Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep. Relatively smaller UTs like Dadra and Nagar Haveli and Daman & Diu warrant a simpler bureaucratic 'administrator'. Then there is Chandigarh, a twostate capital with both Punjab and Haryana making competing claims over it. And five years ago, the state of Jammu and Kashmir was split into two UTs — Ladakh and J&K — with the abrogation of Article 370.It would be incorrect and naïve to say that the trend of using one Raj Bhawan/Niwas or the other for partisan reasons began only after 2014. Even earlier, there were many incumbents who conducted themselves in a partisan fashion — rather than having an apolitical stance, which is mandated — especially in politically significant states like Uttar Pradesh, Bihar and Karnataka. But it is true that many honourable exceptions had refused to kowtow to the Centre. Some Presidents and gubernatorial incumbents bravely took on the Central Government to uphold the independence and dignity of their constitutional offices. But sadly, the last decade has not seen virtually any constitutional office refuse the Centre's political or partisan insistence. Now, with the elections imminent in J&K, sudden steps pertaining to the strengthening of powers of the L-G's office are telling. The Transaction of Business of the Government of Union Territory of Jammu and Kashmir (Second Amendment) Rules, 2024, empower the L-G to control the police, public order, bureaucracy transfers and postings. They mandate the J&K L-G's approval in those realms and give him the final say on any proposal for the grant of prosecution sanction.

A catch-up flight in run-up to Gaganyaan

ISRO hopeful that the International Space Station experience will benefit India's grand mission

THE Indian Space Research Organisation (ISRO) has nominated one of its four newly trained astronauts, Shubhanshu Shukla, to fly to the International Space Station (ISS). Shukla is in the first batch of four Indians trained in Bengaluru and Russia for India's maiden human space flight, Gaganyaan. While announcing the decision to send Shukla, the space agency used the word Gaganyatri for astronaut, suggesting a possible connection with the Gaganyaan mission. However, Shukla's flight to ISS is an altogether different activity, though ISRO says the experience gained from it would help in the Gaganyaan mission. Ever since humans first landed on the Moon in 1969, most of the human space flights have been to orbiting space stations. Humans fly in spacecraft launched by powerful rockets, dock the spacecraft to a space station, remain there for a few days or weeks, and return to the Earth. The space station era began with the Soviet Salyut and American Skylab in the 1970s. Then came the larger Soviet station, Mir, and finally the ISS jointly built by America, Russia and Europe. China's Tiangong Space Station has been in the making for a decade now (it takes a long time to assemble a station in space), and India has announced its intention to build its space station by 2035. To reach a station orbiting around Earth, one needs powerful rockets and robust spacecraft that can transport humans there and bring them back safely. For this, the Soviets developed the Soyuz spacecraft and the Americans the Space Shuttle for almost 30 years. The Shuttle could lift off vertically like a rocket, glide in space like a spacecraft and land horizontally on the earth like an aeroplane. After the Columbia disaster in 2003 — in which Kalpana Chawla perished — the shuttle programme faltered and was ended in 2011. For a few years after this, NASA used the services of the Russian Soyuz for sending supplies to the ISS and rotate the crew there. For the long term, NASA supported American companies with funds and technology to help them build durable space transportation systems so that it could fully delegate the job of sending cargo and crew missions to ISS to certified private companies. This policy resulted in the emergence of private space players like SpaceX and United Launch Alliance (ULA). After several cargo missions using its Falcon 9 rockets to ISS since 2012, SpaceX launched its first crewed mission in 2020. ULA, too, made several cargo trips to the ISS using its Atlas V rocket. It launched its first crewed module, Starliner, which transported Sunita Williams to ISS in June. It has, however, not been found fit for the return journey due to problems with its thrusters and continues to be docked

For Shukla's flight to ISS, ISRO has signed a contract with a private company, Axiom Space, which has been categorised by NASA as a 'full-service mission provider



to carry out end-to-end commercial astronaut missions.' Axiom does not have a rocket or spacecraft and depends on SpaceX for transportation to and from the ISS. Since May 2021, Axiom has executed three commercial missions to ISS. The one with Shukla will be its fourth mission. It is unclear till now if Shukla is going to fly under a commercial agreement between ISRO and Axiom or under a bilateral deal (with or without service charges) with NASA. Rakesh Sharma's flight to the Salyut station in 1984 was a gesture of friendship from the Soviet Union; India did not have to pay for the ride or the cosmonaut training. Salvut's successor was the Mir on which Russia hosted 104 cosmonauts and astronauts from 13 countries till it was deorbited in 2001, and many of them were paid rides. India missed the ISS bus and did not participate in its assembly or send an Indian astronaut to the space station while it was taking shape in the 1990s and 2000s with the participation of leading space agencies. In the 1990s, the relations between ISRO and NASA were at a low ebb because of the cryogenic controversy and the restrictions imposed by the American government due to fear of knowledge transfer. Second, ISRO was more focused on stabilising its operational satellite programmes and lacked additional resources to join an international venture.

By the time a human flight popped up on ISRO's agenda, the list of visitors to the ISS had considerably grown. In the past 25 years, 280 astronauts from 23 countries have been

to ISS with some of them visiting the station two to four times. For instance, the ongoing visit of Sunita Williams is her third to ISS. The US and Russia account for 220 astronauts to ISS, while the rest came from Japan, Canada, Italy, France, Germany, Denmark, the UK, Belgium, Spain, Sweden, Netherlands, Brazil, Israel, Kazakhstan, Belarus, Malaysia, South Africa, South Korea, Saudi Arabia, Turkey and the UAE. The list includes 13 'private visitors' or space tourists. Axiom's first mission to ISS included four private visitors.

Even when ISRO formally started working on the Gaganyaan mission in 2018, sending an Indian to the ISS was not on the cards. The four astronaut candidates were sent for training at the Yuri Gagarin Space Centre and agreements were signed with Russian agencies for developing other essentials needed for a human space flight. However, the launch deadline set by Prime Minister Narendra Modi — coinciding with the 75th anniversary of Independence in 2022 — was too short to be achieved. A year later, the ISS plan figured in the India-US joint statement during the Prime Minister's visit to America. It would appear the ISS trip of Shukla is not a necessary building block for Gaganyaan, but more of a catch-up step to gain real-time experience of a space flight in preparation for Gaganyaan. To see an Indian on a space station four decades after Rakesh Sharma's space journey would indeed be a moment of national pride.

Far-right extremism

UK must protect vulnerable communities

THE wave of far-right violence in the UK, marked by attacks on immigrants and Muslims, is a disturbing pointer to the persistent undercurrents of xenophobia and misinformation in society. The stabbing of three girls has been exploited by far-right agitators to fuel hatred and incite chaos. The violence has extended beyond mere protests, with shops looted, cars set on fire and mosques and Asian-owned businesses targeted. This alarming trend underscores a deeper malaise. The far-right's hostility towards immigrants is not merely a reaction to isolated events but a ymptom of broader social anxieties and political failures. Misguided beliefs about immigration and cultural integration have been stoked by influencers like Tommy Robinson and politicians like Nigel Farage. They spread dangerous misinformation, such as the false claim that the attacker was a Muslim immigrant, to rally support for their divisive agendas.



Prime Minister Keir Starmer's condemnation of the riots as "organised illegal thuggery" is a necessary step, but more must be done. Even as nearly 400 people have been

arrested in a week of violence, including clashes between rioters and the police, concerted efforts must be made to combat the spread of misinformation online, which has proven to be a powerful tool for radicalising individuals and inciting violence. The government must also address the underlying socio-economic issues that far-right groups exploit, such as unemployment and inadequate social services, which often breed resentment towards immigrants.

values of tolerance and unity. The UK needs to ensure the safety and inclusiveness of all its residents, regardless of their background, to prevent such violence from taking root again. The media and political leaders must

act responsibly, avoiding inflammatory rhetoric that can

incite hatred.

This is not the Bangladesh we stood for in the line of fire

AT 2 pm on August 5, 2024, Bangladesh was freed from an autocrat. It baffles me that I can finally use the word 'autocrat' to describe the fallen Prime Minister Sheikh Hasina because our law made sure we couldn't since 2018.My brother and I rushed to the streets, unable to contain our excitement. The atmosphere was electric. I had never seen so many people on the streets, waving flags. Families carried their children on their shoulders, chanting slogans of victory. Rickshaw pullers saluted students, who stood on rickshaws giving speeches about refusing to live under tyranny, goons, or chandabaaj (extortionists). We could breathe a sigh of relief. Hasina's flight from the country meant the end of enforced disappearances of students, journalists and activists, police raids on student protesters and the brutalities of the Bangladesh Chhatra League (BCL). Bangladesh was, for now, a country free of censorship. But our joy soon turned to horror as we walked from Motijheel to Shahbagh.At Motijheel, crowds gathered in front of Sonali Bank, ripping off posters of Hasina. We cheered until someone suggested tearing down everything built under the Awami League regime. We dismissed it as extreme views surfacing due to newfound freedom. As we walked towards Shahbagh, our smiles faded. People were carrying army officials on their shoulders, believing they had brought this freedom. They climbed onto armoured vehicles, raised flags and danced. Some in the crowd looked uncomfortable but shrugged it off, thinking it was all part of the celebration. When we crossed Suhrawardy Uddyan, we saw a thick cloud of smoke. Inside, vandals had set large stages on fire, which had been set up for commemorating mourning day by the Awami League. A statue replicating Bangabandhu's historic March 7 speech was also ablaze. We tried to stop the fires, but people gave us looks of disgust. We stumbled upon a crowd beating a BCL-affiliated student with rods. The mob claimed he had weapons. Some students tried to protect him, shouting for him to be handed over to the army. But we were called Chhatra League or Razakar, accused of siding with the enemy. We had seen enough people shot, maimed and killed

during protests. It was ironic how we now took hits from a mob to save someone we were supposed to hate. The mob eventually outnumbered us, and the person was beaten to death. We couldn't verify his identity, fearing for our lives. We asked Army officials at the Shahbagh intersection to intervene and clear the crowd, but they refused. We knew the anarchy we were witnessing was just the beginning. We hadn't yet heard of the communal violence on Hindu communities, temples being torched, and attacks on Awami League-affiliated members and their families, alongside policemen and their families.

At the TSC, we saw microbuses set on fire. Vandals warned people not to take videos or photos. Chairs were stolen from the halls and looters from Gono Bhaban, the Prime Minister's residence, were cheered as they brought in the chairs. At 5 pm, I walked from Shahbagh to The Daily Star building. On the way, men on bikes were honking and catcalling women. Mobs targeted TV news offices which hadn't covered the student protests due to pressure from the authorities. A witchhunt was underway, and I feared for my safety. I felt numb witnessing the horror. What was the point of Abu Sayeed, Mir Mugdho, Farhan Faiyaz, and the deaths of over 200 others if this was the picture of freedom we painted in the first hours of independence? Are we truly free if we ignore the concerns of our minority communities? We are now so vulnerable and afraid that rational people have started believing in endless disinformation.If we find the hanging Hasina's undergarments on fans and displaying them in front of the media funny, then we are setting a dangerous precedent. This rhetoric could be used by religious bigots and radical groups to attack women's empowerment, arguing that empowering women leads to tyrants like Hasina. The politics of the AL regime could be used to justify their hidden agendas. As a nation, we need to be far more vigilant than we have been during these dark days of lawlessness. I was horrified that the mob justified their vandalism by saying, "They did this to us, so we will do the same to them." No. Students did not sacrifice their lives for vigilante justice. They did it so people, regardless of background, have the right to speak up, claim justice and call out injustice. The movement is called the 'Anti-Discrimination Movement' and we cannot let that rhetoric be politicised or diluted. Many have noticed how the BNP has bandwagoned on the student's right to justice as a movement they always supported.I am proud that the student leaders I trust have called out this violence and set up watch parties. They constantly distinguish that these acts of vandalism are not what we support. I hope they continue this stance. Because when I saw vandals parading with their motorbikes on Manik Mia Avenue, it seemed we had just replaced the Chhatra League with the Chhatra Dal, allowing history to repeat itself. We are at a monumental time in Bangladesh's history to create change. We have an opportunity to redefine the Bangladesh we want without being deterred by the thought that "we will simply never see this in Bangladesh."Civic society has the biggest role to play now. Amidst the vandalism, civic groups made human chains to stop vandals from destroying police stations, helped return stolen items from Gono Bhaban and imams, along with students, joined watch parties outside temples to protect them. This is the Bangladesh I dreamt of, my grandfather dreamt of during the Liberation War and the countless other freedom fighters who took a bullet. This is the time to call out all injustices that hindered our society under an autocracy-not just politicians, but also businessmen who supported the Awami League and now pretend to support our students. is time for us to be vigilant on all fronts. It is so much harder to protect freedom than to achieve it. If nothing else, what this protest proved is that students have the

power to take down an autocrat that everyone feared. We

can again take down anyone who stands in the way of

building a free Bangladesh for all.

HDFC Bank UPI services to be down today. Details here

NEW DELHI. HDFC Bank has announced that its UPI services will be unavailable for three hours tomorrow due to scheduled maintenance. This will affect transactions through its mobile banking app, as well as third-party platforms like GPay, Paytm, and WhatsApp

The maintenance is set to occur on August 10 from 2:30 am to 5:30 am, a total of three hours. During this period, HDFC Bank's UPI services will be temporarily inaccessible.HDFC Bank has announced that its UPI services will be unavailable for three hours tomorrow due to scheduled maintenance. This will affect transactions through its mobile banking app, as well as third-party platforms like GPay, Paytm, and WhatsApp Pay. The maintenance is set to occur on August 10 from 2:30 am to 5:30 am, a total of three hours. During this period, HDFC Bank's UPI services will be temporarily

Trent shares zoom 9% after Q1 net profit jumps to Rs 391 crore

NEW DELHI. Shares of Tata Group's Trent Ltd., the operator of Westside and Zudio outlets, soared 9% today. At around 1 pm, shares of the company were trading 8.66% higher at Rs 6,131.20. The company's market capitalisation has once again crossed the Rs 2 lakh crore mark, a milestone it first achieved in July. The strong jump in share price came on the back of the company's impressive Q1 results, which exceeded market expectations.Middle East TensionsWayanad LandslidesTrent reported a net profit of Rs 391.2 crore for the June quarter, a jump from Rs 166.7 crore in the same period last year.

The company's revenue grew by 56.2% year-on-year to Rs 4,104.4 crore, outperforming analysts' expectations of Rs 3,810 crore.dditionally, Trent's EBITDA for the quarter rose by 66.7% to Rs 612.6 crore, slightly above the expected Rs 588 crore. Despite the strong financial performance, the EBITDA margin expanded to 15%, up from 14% last year, though it was marginally below the anticipated 15.4%. The positive results are largely attributed to the expansion of Zudio stores, with the company planning to add 200 more outlets in the current financial year.

RVNL shares extend losses after Q1 results. Should you buy or sell

For the quarter ending June 2024, RVNL reported a 34.7% drop in consolidated net profit, falling to Rs 223.92 crore from Rs 343.09 crore in the same quarter last year.

NEW DELHI. Shares of Rail Vikas Nigam Limited (RVNL) continued to decline on Friday, falling nearly 3.5% on the Bombay Stock Exchange (BSE).

The development comes after shares of the company fell nearly 5% on Thursday after the company reported disappointing earnings for the June 2024 quarter.

In contrast, the broader market saw significant gains, with the BSE Sensex surging almost 1,100 points to 79,980 at the opening bell. For the quarter ending June 2024, RVNL reported a 34.7% drop in consolidated net profit, falling to Rs 223.92 crore from Rs 343.09 crore in the same quarter last year. The company's revenue from operations also took a hit, dropping 26.9% yearon-year to Rs 4,073.80 crore, down from Rs 5,571.57 crore in Q1 FY24.RVNL's stock has had a remarkable run since the start of the financial year 2023-24, soaring to an all-time high of Rs 647 in July 2024, a massive



873% increase from its March 2023 close of Rs 68.60. However, the stock has since experienced some profit-taking and is now trading around 17% lower than its peak. Even then, RVNL shares are still up 341% from their 52-week low of Rs 122.

Buy, hold or sell RVNL?

Despite the recent dip, some market experts believe this could be a buying opportunity for long-term investors.

Stock market analysts view RVNL as a company that is likely to benefit from the government's strong focus on infrastructure development.Seema Srivastava, a Research Analyst at SMC Global Securities, who was quoted in a livemint.com report, expects the company to make a strong recovery. She has advised shareholders to buy the stock on the dips, accumulating shares on every 5-7% dip from current levels.

Analysts have also asked retail investors to avoid buying the stock immediately and wait till it stabilises. Retail investors should note that the stock has been on a losing run since the beginning of this week.

Therefore, once the stock price stabilises, investors can buy-on-dips for long-term gains. Analysts have also pointed out that while RVNL's recent performance has been underwhelming, the company's long-term prospects remain promising.

Food prices can't be overlooked for inflation targeting, says Das

The Economic Survey, released prior to the Budget, advocated for a revision of the central bank's inflation targeting framework by excluding food inflation.

NEW DELHI. Contrary to the views expressed in the Economic Survey regarding the exclusion of food from retail inflation calculations, RBI Governor Shaktikanta Das on Thursday emphasised that food inflation cannot be overlooked due to its significant contribution to the overall consumption basket.According to Das, at the forefront of RBI's focus is headline

inflation, with food inflation accounting for approximately 46% of the consumer price index (CPI). "...Further, the public at large understands inflation more in terms of food inflation than the other components of headline inflation. Therefore, we cannot and should not become complacent merely because core inflation has fallen considerably," he said.

Das clarified that while the Monetary Policy Committee (MPC) might overlook elevated food inflation if it is deemed temporary, the

current situation of sustained high food inflation requires the committee to take it seriously. He said that the MPC must stay alert to prevent spillover effects or second-round impacts from ongoing



food inflation to maintain the credibility achieved through the monetary policy efforts. The Economic Survey, released prior to the Budget, advocated for a revision of the central bank's inflation targeting framework by excluding food

inflation. It argued that India's inflation targeting should focus on overall inflation minus food prices, as fluctuations in food prices are frequently driven by supply factors rather than demand. The Survey suggested that it may be beneficial to reconsider whether India's inflation targeting framework should exclude food inflation.

Regarding the weight of food in the CPI, Das said the existing CPI basket and the weight assigned to core, fuel, and food were based on data from 2011.

NSO survey is underway

Shaktikanta Das noted that the NSO survey is currently underway, and a decision will be made in due course based on the data collected, in collaboration with the government and

Government to introduce Banking Laws (Amendment) Bill in LS, seeks to raise nominees per a/c to 4

Another proposed change relates to redefining 'substantial interest' for directorships, which could increase to Rs 2 crore instead of the current limit of Rs 5 lakh, which was fixed almost six decades ago.

NEW DELHI. The government is scheduled to introduce the Banking Laws (Amendment) Bill, 2024 which seeks to increase the option for nominees per bank account to four, from existing one, among others.

Another proposed change relates to redefining 'substantial interest' for directorships, which could increase to

Rs 2 crore instead of the current limit of Rs 5 lakh, which was fixed almost six decades ago. As per the revised list of business of Lok Sabha, Finance Minister Nirmala Sitharaman is scheduled to introduce the Banking Laws (Amendment) Bill, 2024 later in the day. Besides, sources said there are some changes with respect to cooperative banks.In addition, the Bill also seeks to give greater freedom to banks in deciding the remuneration to

be paid to statutory redefine the reporting dates for banks for regulatory compliance to the 15th and last day of every month instead of the second and fourth Fridays.The Bill, which was approved by the Union Cabinet last Friday, proposes to amend the Reserve Bank of India Act, 1934, the Banking Regulation Act, 1949, the State Bank of India Act, 1955, the Banking

Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 and the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1980.

The announcement about this was made by the Finance Minister in her 2023-24 Budget speech."To improve bank governance and enhance investors' protection, certain amendments to the Banking Regulation Act, the Banking Companies Act and the Reserve Bank of India Act are proposed," she had said.

Ola Electric IPO lists flat: Should you book profit or hold

auditors. The Bill also seeks to NEW DELHI. Ola Electric Mobility made a disappointing debut on the Dalal Street on Friday, with the shares listing flat, despite creating buzz since the EV player filed its IPO papers. The shares started trading at Rs 76 on the NSE, at the issue price, and at Rs 75.99 on the BSE.Shivani Nyati, Head of Wealth, Swastika Investmart Ltd said that the flat performance, coupled with a mere 4.45 times subscription, underscores the challenges the company faces in gaining investor confidence."While Ola Electric's vision for the EV market is ambitious, the company's current financial performance, marked by consistent losses, and the highly competitive landscape have tempered investor enthusiasm. The negative grey market sentiment prior to listing further reflected these concerns, she added.

Prashanth Tapse, Senior VP (Research), Mehta Equities Ltd said that despite receiving demand well below street expectation, OLA listed well above street expectations can be attributed to market mood.

Should you book profit or hold?

Nyati mentioned that the flat listing highlights the need for Ola Electric to demonstrate a clear path to profitability and navigate the complexities of the EV market effectively."Investors are suggested to exit and book a minor profit, but those who want to take risks may hold their

position by keeping a stop loss below 70," she

remains the same due to weak financials and the risk of negative cash flows in future and allotted investors should understand the risk before holding which could adversely impact its consolidated financial condition post listing.

'Considering all the factors, we advise only risk taking investors to continue to hold with a minimum holding period of 2-3 years. What if the stock is available well below its issue price, we recommend risk taking investors to accumulate on every dip to be part of 2-3 years of journey. The long term story is intact but we may see a lot of ups and downs in the short term," he

Bhavish Aggarwal enters billionaire club as Ola Electric shares surge on market debut

NEW DELHI. Bhavish Aggarwal entered the billionaire club on Friday after shares of Ola Electric Mobility Ltd surged 20%, marking a huge shift in fortunes for its founder. The stock's performance followed a muted debut on the stock market. As a result, Aggarwal, who held 36.94% of the company's shares, saw his net worth reach Rs 12,104 crore (approximately \$1.44 billion), elevating him into India's billionaire ranks. Aggarwal, aged 38, sold 37,915,211 shares of Ola Electric at Rs 76 each, raising Rs 288 crore. Post-IPO, he retained 1,32,39,60,029 shares, which, at the peak intraday price of Rs 89.25 per share, are valued at Rs 11,816 crore. The Indian billionaire list is led by Mukesh Ambani and Gautam Adani, with net worths of \$109 billion

and \$105 billion, respectively. Globally, other notable Indian billionaires in the Bloomberg Billionaire Index include Mahendra on the Bombay Stock Exchange (BSE). Choksi and family, Rakesh Gangwal, The IPO, which took place from August 2 Benu Bangur, Samir Mehta, and Sudhir Mehta.Despite the upbeat stock performance, Prashanth Tapse, Senior Vice President (Research) at Mehta Equities Ltd, cautioned investors.

He said that the IPO's initial success did not necessarily reflect long-term prospects. Tapse pointed out potential risks due to the company's weak financials and possible negative cash flows in the future. He advised that only those willing to take risks should hold onto their shares for a minimum of 2-3 years. Earlier in the day, Ola Electric made a flat listing, debuting at Rs 76, the same as the issue price.

potential discount listing, but the stock listed at a minimal discount of 0.01% to August 6, was priced between Rs 72 and Rs 76 per share. It successfully raised Rs 6,145.56 crore, including a fresh share sale of Rs 5,500 crore and Tapse said that post listing the short term view an offer-for-sale (OFS) of up to 8,49,41,997 shares. The issue was 4.27 times subscribed overall. Qualified institutional bidders (QIBs) subscribed 5.31 times, non-institutional investors 2.40 times, and retail investors and employees 3.92 times and 11.99 times, respectively. Founded in 2017, Ola Electric Mobility is based in Bengaluru and focusses on manufacturing electric vehicles and key components such as

There were initial concerns about a

Rupee rises 8 paise to 83.89 against US dollar in early trade

Forex traders said post the Reserve Bank of India's monetary policy announcement, markets now await for US CPI data, India CPI, WPI and IIP data and India's trade data all scheduled to be released next week.

MUMBAI. Rupee appreciated 8 paise to 83.89 against US dollar in early trade on Friday, supported by a positive trend in domestic equities and a decline in the US dollar index.Forex traders said post the Reserve Bank of India's monetary policy announcement, markets now await for US CPI data, India CPI, WPI and IIP data and India's trade data all scheduled to be released next week. The Jackson Holes Symposium to be held after next week will also remain in focus, traders said. At



the interbank foreign exchange, the rupee opened at 83.95 against the greenback, then touched 83.89, registering a rise of 8 paise over its previous closing price.On Thursday, the rupee consolidated in a narrow range and settled for the day lower by 2 paise at 83.97 against US dollar.upee was protected by the Reserve Bank of India (RBI) at 83.96 for this week and the local unit is likely to trade in a narrow range of 83.90/84.00 for the day after the

RBI kept key benchmark rates on hold, said Anil Kumar Bhansali, Head of Treasury and Executive Director Finrex Treasury Advisors LLP.Meanwhile, the dollar index, which gauges the greenback's strength against a basket of six currencies, was trading 0.03 per cent lower at 103.17.Brent crude, the global oil benchmark, advanced 0.15 per cent to USD 79.28 per barrel."Brent oil prices rose to USD 79.22, a 3 per cent weekly

gain, on rising Middle East tensions and better than expected US jobless claims data giving a better outlook on the US economy," Bhansali added.Market analysts said while the rupee seems to be tilting towards a negative bias, but sharp fluctuations are not anticipated.Meanwhile, the Monetary Policy Committee (MPC) of the Reserve Bank kept the benchmark repurchase or repo rate unchanged at 6.50 per cent. Announcing the bi-monthly monetary policy review RBI Governor Shaktikanta Das said Indian rupee remained largely range-bound so far this financial year. Das further noted that the country's forex reserves touched a record high of USD 675 billion as on August 2.On the domestic equity market front, Sensex surged 958.63 points, or 1.22 per cent, to 79,844.85 points. The Nifty advanced 280.70 points, or 1.16 per cent, to 24,397.70 points. Foreign institutional investors (FIIs) were net sellers in the capital markets on Thursday as they offloaded shares worth Rs 2,626.73 crore, according to exchange data.

Over 7,200 Indian students have returned home from crisis-hit Bangladesh: Centre

New Delhi. More than 7,200 Indian students have returned to India in the past couple of weeks ending August 1 in view of the situation in Bangladesh, the Rajya Sabha was informed on Thursday. Minister of State for External Affairs Kirti Vardhan Singh, in a written response, also said that as per available records, there were about 19,000 Indian citizens, including over 9,000 students, living in Bangladesh. He was asked the total number of Indians living in Bangladesh for the purpose of education or business, the number of people of Gujarat living in Bangladesh, and whether any special campaign has been started to evacuate Indian citizens from the violencehit neighbouring country.

The minister was also asked about the number of citizens brought back to India so far.Indian students in Bangladesh were from the Union Territory of Jammu and Kashmir, and the states of Gujarat, Uttar Pradesh, Bihar, Tamil Nadu, Rajasthan, West Bengal, Tripura, and Assam, among others. Statewise list is not maintained by our Mission and Posts in Bangladesh, the Union Minister said. The High Commission of India in Dhaka and the Assistant High Commissions in Chittagong, Rajshahi, Sylhet and Khulna have been assisting in the voluntary return of Indian nationals, he said. They were also coordinating with the authorities concerned in Bangladesh for their safety and security during their stay as well as movement to the airports and to land ports along the India-Bangladesh border."The Ministry of External Affairs has also been coordinating with relevant Indian authorities to ensure a smooth passage for our citizens arriving at land ports and airports. Over 7,200 Indian students have returned to India till August 1, 2024, starting from July 18, 2024," Singh said.State-wise list of Indian nationals who have "voluntarily departed from Bangladesh was not maintained by our mission and posts in Bangladesh", the minister added.In a separate query, he was also asked whether it is a fact that Indian students' intake in



Canadian universities has dipped in recent years due to strained relations with Canada, and if so, the details of students enrolled there during the last three years, year-wise.

The Minister of State for External Affairs shared data and said as per information obtained from the website of Immigration, Refugees and Citizenship Canada (IRCC), the Indian student intake at Canadian universities has "increased over the last three years". As per the shared data, the corresponding figures were -- 2,16,360 (in 2021), 3,18,380 (in 2022) and 4,27,085 (in

In a separate question, he was asked whether the government is aware of the "growing neighbouring countries. Singh, in his written response, said the "government keeps abreast of all activities in India's neighbourhood that impinge on its interests"."Neighbourhood First Policy continues to guide our approach to our neighbouring countries.

It has resulted in outcome-oriented engagements, strong development partnerships, physical, digital and economic connectivity as well as vibrant people-topeople and cultural exchanges. India is an active partner of its neighbours, with extensive education, culture, trade and investment linkages," he said. "Our relations with neighbours stand on their own footing and are independent of the relations of these countries with third countries. The government keeps a vigilant watch on all

developments which have a bearing on India's national security, and takes all necessary measures to safeguard it," he added.

Chinese influence" on India's In response to a separate query, he shared data on the number of pilgrims from India who visited Gurdwara Shri Darbar Sahib Kartarpur in Pakistan in the past three years -- 10,025 (2021); 86,097 (2022); and 96,555 (2023). He was also asked whether India had taken "any diplomatic initiative to stop the ongoing war between Palestine and Israel".

> "India has strongly condemned the terror attacks on Israel on October 7, 2023, and also the loss of civilian lives in the ongoing Israel-Hamas conflict. India has called for a ceasefire and sustained humanitarian assistance to the people of Gaza," the Union minister said."During the ongoing conflict, India has provided 70 tonnes of humanitarian aid including 16.5 tonnes of medicines and medical supplies. We have also called for the release of the remaining

Biker, 29, Killed In Hit-And-Run Case In Maharashtra's Palghar

New Delhi. In yet another hit-and-run case in Maharashtra, a man was killed after a car rammed into his two-wheeler in the Palghar district today.

The accident took place around 1 am in Palghar's Manor. The accused left the car, a Mahindra Scorpio, and fled after the crash. The police have seized the car. The victim has been identified as 29-year-old Sagar Gajanan Patil. A man, Sachin Suravase, has been taken into police custody. He is said to be the driver and not the car's owner. The victim's family has alleged that the driver has been taken into custody to save the car owner. They had also refused to take the body of the



victim, alleging that the police had refused to file the case. Earlier last month, a 24-year-old son of a Shiv Sena leader ran over an elderly woman with his BMW in Mumbai. During his interrogation, Mihir Shah admitted to the police that he was drunk during the early morning drive.

In another incident, a minor son of a Pune realtor had run over two 24-year-old techies with his Porsche during a late-night drive in May. He, too, was allegedly found

Case against lawyer for raping 21-year-old in Delhi court chamber

New Delhi. A case has been registered against a Delhi lawyer after a 21-year-old woman alleged that he raped her inside his chamber at Tis Hazari Court on the pretext of giving her a job. The case was registered at Sabji Mandi Police Station after the aunt of the woman lodged a complaint on July 30.In her complaint, the aunt of the woman said her niece was looking for a job, and she gave her the contact of the lawyer. After the woman contacted the lawyer, she was asked to visit his



chamber to show her educational qualifications. The lawyer told the woman that he would look for a job for her in the next 8–10 days. After 10 days, the woman contacted the lawyer again and the two started exchanging texts, as per the complaint. The lawyer also allegedly told the woman that "everyone needs good friends in life".

The woman was again called to the lawyer's chamber on July 27. After speaking for some time, the lawyer forced himself on her and also inserted his finger in her private part, the woman said in the complaint. As the woman started screaming, the lawyer threatened her with dire consequences if she told anyone about the assault. He gave her Rs 1,500 and asked her to leave,

the woman's complaint said. After reaching home, the woman informed her aunt about the incident, who then approached the police. A probe is underway, police said.

Who is Harish Salve, set to fight Vinesh 'A bulldozer on Waqf board Phogat's Olympic disqualification case

New Delhi. The hopes of grappler Vinesh Phogat and a billion Indians

Harish Salve, who is set to fight the wrestler's Paris Olympics disqualification case at the Court of Arbitration for Sport (CAS). A former Solicitor General of India and King's Counsel, Salve has a stellar record of handling high-profile cases -ranging from defending Indian national Kulbhushan Jadhav at the International Court of

Justice to representing Ratan Tata in his battle against Cyrus Mistry. Vinesh Phogat, who became the first Indian final, was disqualified by the for Sport (CAS) against her Reliance Industries.

overweight ahead of her gold medal silver be awarded to her. rest upon the shoulders of top lawyer match on Wednesday. She later WHO IS HARISH SALVE?



announced her retirement from wrestling in a heartbreaking post on Thursday.

One of India's prominent lawyers, Harish Salve, was born in Maharashtra and completed his law from Nagpur University.

He served as a senior advocate at the Delhi High Court in 1992 before being appointed as the Solicitor General of India in November 1999.Salve was awarded the Padma Bhushan in 2015. In January last year, he was appointed as the Queen's

Counsel for the courts of Wales and England.

Some of his top clients include the Tata

properties': Congress leader slams reform bill

organisers after being found 100 gms overweight ahead of her gold medal overweight ahead of her gold medal silver be awarded to her.

New Delhi. Senior Telangana Congress leader and state Waqf Board Chairman Syed Azmatullah Hussaini strongly criticised the Waqf (Amendment) Bill, 2024, calling it "a bulldozer on Waqf Board properties." His remarks came after the bill was introduced in the Lok Sabha on Thursday by Union Minority Affairs Minister Kiren Rijiju, sparking strong opposition from various parties."This bill is nothing but a bulldozer on Waqf Board properties," Hussaini stated. "We believe that BJP is doing vendetta politics as they have not received any minority votes.

Hussaini urged the BJP's alliance members, including the Chandrababu Naidu-led TDP and Nitish Kumar's JD(U), to oppose the bill."We have called for an emergency Waqf Board meeting, where we will decide on our further course of

The bill, which has been referred to a joint parliamentary committee (JPC) for further deliberation, proposes significant changes to the existing Waqf Act, including the inclusion of Muslim women and non-Muslims in Waqf bodies and the removal of Section 40, which gives Waqf boards the authority to determine Waqf properties.

woman wrestler to reach an Olympic Phogat moved the Court of Arbitration Group and Mukesh Ambani's The bill has ignited fierce debate, with opposition

Study Reveals Priorities Of Indian GenZ's, How Hard They're Willing To Work

respondents in India is more inclined iQOO is a sub-smartphone brand of align with their goals, compared to 72 towards new-age job fields like the vivo group. Artificial Intelligence, cybersecurity "43 per cent of respondents in India and cent of Questers said that they would and content creation while 43 per cent are willing to sacrifice the work-life balance to succeed in their career, a study has found.

The study, the Quest Report 2024, which unveils Gen Z traits and trends on dreams, careers, and aspirations, also found that only 9 per cent of respondents want to pursue entrepreneurship as they seek stability and security in work life. Gen Z usually refers to those born between 1997 and 2012. "One out of 4 Indian respondents are more inclined towards new-age job fields like content creation, data analysis, AI, and cybersecurity," the study commissioned by iQOO in association

46 per cent globally are willing to give up work-life balance to succeed in their career," it said, adding that around 62 per cent of the Indian youth other interests to achieve their dreams. Recent debate on work-life balance due

to deliberation on 14-hour work day & 70-hour workweek have stirred conversations amongst the Gen Z," the study noted.

The study of 6,700 Gen Z respondents, aged between 20-24 years, from seven countries including the US, the UK, Malaysia Brazil and India, stated that 19 per cent of Indians surveyed prefer career advancements in big organisations while 84 per cent of

New Delhi. One in every four GenZ with CyberMedia Research, said. Indian respondents believe their jobs per cent globally. As many as 45 per take up higher studies to support their quest while 32 per cent believe they should take up relevant jobs to support their dreams.

are willing to give up their hobbies and Around 46 per cent feel financial constraints as a barrier to pursuing their choice of career. However, over 90% are confident in achieving their dream despite the barriers."2X of women feel gender affects the pursuit of their dreams compared to men," the

study said. The study covered three broad areas-Gen Z Questers' spirit & motivation to fulfil their dreams, obstacles & barriers that disrupt their quest for passion, and career choices that drive



parties condemning it as an "attack on the Constitution" and an interference in religious matters. Senior Congress leader K.C. Venugopal labelled the bill as "draconian" and politically motivated, especially with upcoming state elections in Maharashtra and Haryana.Defending the bill, Union Minister Kiren Rijiju argued that the amendments were aimed at broadening the existing law and ensuring justice for those previously denied it. He said the bill seeks to implement reforms recommended by committees from the previous Congress government, assuring that no rights were being taken away nor religious freedoms being curtailed.Lok Sabha Speaker Om Birla stated that the JPC would be constituted after consulting with leaders from all parties, ensuring that the bill undergoes thorough examination before any further legislative action.

NIA files chargesheet against four terrorists, including Pakistani handler in Kashmir

All four accused were involved in the killing of two civilians on the evening of February 7 at Karfali Mohalla in Shala Kadal in Srinagar.

New Delhi. The National Investigation Agency (NIA) on Wednesday filed a chargesheet against four terrorists, including one from Pakistan, for killing two people in Kashmir by Lashkar-e-Taiba (LeT) and its offshoot, The Resistance Front in February. The



accused, identified as Adil Manzoor All four accused were involved in the Langoo, Ahran Rasool Dar alias Tota, Dawood, and their Pakistan-based handler Jahangeer alias Peer Sahab, have been booked under various sections of IPC and UAPA. The NIA special court in Jammu, has already issued a non-bailable warrant against absconding accused Jahangir, the agency said in a statement.

killing of two civilians on the evening of February 7 at Karfali Mohalla in Shala Kadal in Srinagar. The NIA took over the case in June, and initial investigations revealed that Adil Manzoor Langoo, who had joined the LeT in 2023, was motivated by his Pakistanti handlers to carry out the outfit's activities in Srinagar.

in the valley as well.He, along with his close associates Ahran Rasool Dar and Dawood, were working under the direction of Jahangeer and had conspired to kill people at Shala Kadal, the NIA said.Based on Jehangir's directions, Adil and Ahran had received the arms and ammunition which were used subsequently by Adil to commit the crime. Dawood had helped Adil destroy the evidence of the crime."NIA has been cracking down on terrorist organisations active in Kashmir. LeT, the largest terrorist group in the region, has been working through various offshoots to carry out its operations after it was banned by the Government of India," the agency said in the statement.Further investigation is on, it said."LeT/TRF has been luring unemployed youth into terrorist activities by using the social media extensively to propagate its dangerous agenda and promote its activities," the probe agency added.

US, Qatar and Egypt call for talks with Israel and Hamas on August 15

Cairo. Leaders of the United States, Egypt and Qatar on Thursday called on Israel and Hamas to meet for negotiations on Aug. 15 in order to finalize a Gaza ceasefire and hostage release deal. The three countries, which have been trying to mediate a deal, said in a joint statement the talks could take place in either Doha or Cairo."A framework agreement is now on the table with only the details of implementation left to conclude," they said. "There is no further time to waste nor excuses from any party for further delay. It is time to release the hostages, begin the ceasefire, and implement this agreement."Prime Minister Benjamin Netanyahu said Israeli negotiators would be there. The aim, he said, was "to finalize the details and implement the framework agreement."ere was no immediate comment from Hamas. The war in Gaza was triggered by Hamas' Oct. 7 attack on southern Israel, in which 1,200 people were killed and 250 taken hostage to Gaza, according to Israeli tallies.At least 39,699 Palestinians have been killed in the Israeli military campaign in Gaza, according to the Gaza Health Ministry, which does not distinguish between fighters and civilians.

Britain is on alert for further unrest even after anti-racism campaigners faced down the far right

LONDON. British authorities said Thursday they were preparing for the possibility of further unrest, even as they applauded the efforts of anti-racism campaigners and police officers who largely stifled a threatened wave of far-right demonstrations overnight.

Prime Minister Keir Starmer sounded the note of caution after a week of anti-immigrant violence that has scarred communities from Northern Ireland to the south coast of England. Starmer spoke to reporters at a mosque in Solihull, near Birmingham, where demonstrators shut down a shopping center on Sunday."It's important that we don't let up here," Starmer said. At an emergency meeting with law enforcement officers at his office, Starmer said on Thursday evening that police need to remain on "high alert," Britain's Press Association reported. He credited strategic police staffing and swift justice for rioters in the courts for creating a deterrent that kept trouble at a minimum the night before.

Police across the United Kingdom had braced for widespread disorder on Wednesday, after far-right activists circulated a list of more than 100 sites they planned to target, including the offices of immigration lawyers and others offering services to migrants.

But those demonstrations failed to materialize as police and counter-protesters filled the streets.Carrying signs saying "Refugees Welcome" and chanting "Whose streets? Our streets," people turned out in force to protect asylum service centers and the offices of immigration attorneys. The government also declared a national critical incident, putting 6,000 specially trained police on standby to respond to any disorder. Police said that protests and counter-protests were largely peaceful, though a small number of arrests

'Victory closer': Ukraine residents welcome offensive on Russia's Kursk region

KYIV. As Ukraine's major assault on the Russian border region of Kursk entered its third day, residents in the capital, Kyiv, praised the offensive as "bringing victory closer."The cross-border incursion appears to be Ukraine's most serious since Russia's invasion began in February 2022 and may involve up to 1,000 troops, according to Moscow's estimates."To be honest, I feel proud of our guys and happy," said Tetiana Krapyvka, a financier in the Ukrainian capital."I believe that it was a prepared operation and maybe personnel reserves were used, but it was prepared well," she added.Ukraine has not officially taken responsibility for the operation, which began on Tuesday morning, but officials have blamed Moscow for inciting the attack.Ukraine's President Volodymyr Zelenskyy said that "Russia brought the war to our land and should feel what it has done."Russian President Vladimir Putin has called it a "large-scale provocation" by Kyiv and Russia's top general vowed on Wednesday to crush the incursion."With these actions, Ukraine is strengthening its defence capabilities and its ability to defend itself," said Anastasia Volkova, a cultural manager in the Ukrainian capital"This is a success of our military, including in the most difficult areas of the front line."The independent US-based Institute for the Study of War (ISW) said Ukraine had made significant territorial gains in the first two days of the incursion. The Russian defence ministry said its troops were "continuing to destroy" armed Ukrainian units and were using air strikes, rockets, and artillery fire to try to push them back. Show them 'what war is'Many residents praised the attack as payback for Russia's invasion, now in its third year.A local resident in Kyiv, Rita Simon, told AFP that the Kursk region operation was "necessary" to show Russia the consequences

Donald Trump agrees to another debate with Kamala Harris

Palm Beach. Donald Trump gave an hour- Trump's decision to go on ABC, days long news conference Wednesday in which he recommitted to debating Vice President Kamala Harris and taunted her while also repeating old falsehoods and lashing out at questions about the enthusiasm her campaign is receiving. As Trump addressed reporters at his Palm Beach, Florida, estate, ABC announced that Trump and Harris, the Democratic nominee, have agreed to a September 10 presidential debate, setting up a widely anticipated faceoff in an already unparalleled presidential election. Trump said he had proposed three presidential debates with three television networks in September.Trump again insisted there had been a "peaceful transfer of power" in 2021 and renewed attacks on Republican rivals like Georgia Gov. Brian Kemp, whom Trump has harshly criticised since Kemp refused to go along with his false theories of election fraud. In taking more than a dozen questions from reporters, however, Trump tried to draw a contrast with Harris, who has not held a news conference since she became the likely Democratic nominee following President Joe Biden's withdrawal from the

ANOTHER KEY MOMENT IN THE

after posting on his social media account that he would not appear on the network, sets up a highly anticipated moment in an election where Biden's catastrophic performance in the last debate set in motion his withdrawal."I think it's very important to have debates," Trump said Thursday. "I look forward to the debates because I think we have to set the record straight.'

The Harris campaign had no immediate comment. Thursday's event was Trump's first public appearance since Harris selected Minnesota Gov. Tim Walz as her running mate. Trump called Walz a "radical left man." Between her and him, there's never been anything like this," Trump said. "There's certainly never been anybody so liberal like these two."He repeatedly suggested Harris was not intelligent enough to debate him. Harris, for her part, has tried to goad Trump into debating and told an audience in Atlanta recently that if he had anything to say about her, he should " say it to my face."Trump grew visibly perturbed when pressed on Harris' crowds and



dismissing a question about his lighter campaign schedule as stupid.rump says he has not "recalibrated" his campaign despite facing a new opponent, a dynamic some Republican strategists have quietly complained about. When asked what assets Harris possessed, Trump said: "She's a woman. She represents certain groups of people."Trump has repeatedly — and falsely - accused Harris, the daughter of Jamaican and Indian immigrants, of previously downplaying that she is Black.

TRUMP TAKES QUESTIONS ABOUT **ABORTION**

Trump suggested abortion will not be a major issue in the campaign and the outcome in November insisted that the matter "has

become much less of an issue" since the Supreme Court ended the federal constitutional right to abortion services and returned control of the matter to state governments. But the issue is widely seen as a general election liability, and Trump named states such as Ohio and Kansas that have since voted to protect abortion

Trump also said he expected Florida "will go in a little more liberal way than people thought" when it votes to repeal an abortion ban later this year, but he did not respond to questions asking how he

would vote.

Trump argued that Democrats, Republicans and "everybody" are pleased with the results of the 2022 ruling that overturned the 1973 Roe v. Wade decision. Trump's actions within the GOP, however, suggest he knows that Democrats already have capitalized on Republican opposition to abortion rights and could do so again this fall. Trump singlehandedly ensured that the Republican Party platform adopted at the 2024 convention in Milwaukee does not call for a national ban on abortion, and he has said repeatedly that hardliners in the party could cost the GOP in

Venezuela blocks access to X for 10 days amid post-election protests, violence

Caracas. Venezuelan President Nicolas Maduro on Thursday said he had signed a decree to block access to social media platform X for 10 days, after earlier saying social media was used to incite violence following the country's presidential election.Maduro has frequently railed against X owner Elon Musk since the July 28 election which the opposition says it won, a claim backed by an increasing number of Western governments. Maduro said he signed a decree presented by regulator Conatel which "has decided to take social

network X, formerly known as Twitter, out of circulation for 10 days".X get out of Venezuela for 10 days!" he said in a speech which was broadcast on state television. Maduro and Venezuela's electoral authority have said that the president won a third term in the election, though the opposition claims victory and says it has the vote counts to prove it. Neither Maduro nor the electoral body



have released detailed vote tallies. In the days after the vote, protests from Venezuelans across the country and abroad broke out demanding Maduro step down and to honour a win by opposition candidate Edmundo Gonzalez.

The protests were largely promoted on social media. The leftist President earlier this week had asked his supporters to also abandon messaging application WhatsApp in favour of Telegram or

WeChat, saying the app was being used to threaten the families of soldiers and police officers.Maduro has also clashed publicly with Musk since the election. As well as banning the social network for 10 days, Maduro accused Musk of inciting hate, civil war, and death.The social network did not immediately respond to requests for comment. Earlier, the foreign ministers of Mexico,

Colombia and Brazil reiterated calls for Venezuela's electoral authority to publish the vote tallies in a joint statement. The statement followed comments by Venezuelan opposition leader Maria Corina Machado on Thursday calling on Mexico's President Andres Manuel Lopez Obrador to impress upon Maduro that his best option is to negotiate with the country's opposition.

Veteran human rights advocate freed in prisoner swap says Russia is sliding back toward Stalinist times

BERLIN: A human rights activist since the 1980s, Oleg Orlov thought Russia had turned a corner when the Soviet Union collapsed and a democratically elected president became leader.

But then Vladimir Putin rose to power, crushing dissent and launching a full-scale invasion of Ukraine. Finally, the 71-year-old Orlov was himself thrown in prison for opposing the war. Freed last week in the largest East-West prisoner swap since the Cold War, he was forced into exile -- just like the Soviet dissidents of his youth. In an interview with The Associated Press on Thursday in Berlin, Orlov decried the scale and severity of repressions under Putin, with people imprisoned for merely criticizing the authorities, something unseen since the days of dictator Josef Stalin. And he's vowing to continue his work to free the many political prisoners in Russia and keep their names in the spotlight."We're sliding somewhere into Stalin times," said Orlov, who at times showed signs of fatigue from a hectic schedule of media interviews in the week since his release. He was sentenced to 2½ years in prison in February for writing an anti-war article. When he was unexpectedly moved last month from a jail in central Russia for what eventually led to the Aug. 1 prisoner swap, he was waiting to be transferred to a penal colony after losing an appeal. The move came as a complete surprise, he told AP.

First, he was told to write a request for clemency addressed to Putin -- something he said he flatly refused. Days later, he was put in a van and driven, to his astonishment, to an airport in Samara and flown to Moscow."To find yourself on a plane, among free people, straight from a prison—a very weird feeling," Orlov said.ree more days followed in Moscow's notorious Lefortovo Prison, isolated in his cell, where he wrote a complaint that he was denied access to his lawyer. Then, he was shown a document saying he had been pardoned. He was put on a plane again, this time out of Russia, with other freed dissidents, and was greeted in Germany by Chancellor Olaf Scholz.

Death toll from 6 weeks of monsoon rains jumps to 154 in Pakistan

ISLAMABAD.The death toll from nearly six weeks of monsoon rains and floods across Pakistan has risen to 154, officials said Thursday, as downpours continued in much of the country, inundating some villages.More than 1,500 homes have been damaged since July 1, when the monsoon rains began, the National Disaster Management Authority said. Orchards in remote areas of the southwestern Baluchistan province were damaged, and rains flooded many streets in the eastern city of Lahore. The Pakistan-administered portion of the disputed Himalayan region of Kashmir

has also been battered by rains, causing landslides.Many of the 154 deaths occurred in the eastern Punjab and northwestern Khyber Pakhtunkhwa provinces, according to the disaster a g e n c y a n d p r o v i n c i a l authorities. Currently, more than 2,000 people are in relief camps in rain-affected areas in the southern Sindh province, officials said. On Thursday, the aid group International Rescue Committee said it is preparing to scale up its response in Pakistan with looming rains posing a threat to the lives and livelihoods of millions."Our priority is to ensure that

affected communities receive timely and adequate support to prevent this humanitarian crisis from deepening," the group's director in Pakistan, Shabnam Baloch, said in a statement. Pakistan is in the middle of the annual monsoon season, which runs from July through September. Scientists and weather forecasters blame climate change for heavy rains in recent years. So far this year, Pakistan has received less rain than in 2022, when climate-induced downpours swelled rivers and inundated at one point one-third of the country, killing 1,739 people and.s

Interim leader Muhammad Yunus takes the helm in Bangladesh, to seek peace and prepare elections

The figurehead President Mohammed Shahabuddin administered the oath to Yunus for his role as chief adviser, which is the equivalent to a prime minister.

DHAKA. Nobel laureate Muhammad Yunus took the oath of office as head of Bangladesh's interim government Thursday after protests forced out former Prime Minister Sheikh Hasina this week. The key tasks for Yunus now are restoring peace in Bangladesh and preparing for new elections following the ouster of Hasina, who fled to India after weeks of student protests over job quotas grew into an uprising against her increasingly autocratic 15-year rule. The figurehead President Mohammed Shahabuddin administered the oath to Yunus for his role as chief adviser, which is the equivalent to a prime minister, in the presence of diplomats, civil society members, top businessmen and members of the former opposition party at the presidential palace in Dhaka. No representatives of Hasina's

party were present. The 16 other members of the interim Cabinet were drawn mainly from civil society and include two of the student protest leaders. The Cabinet members were chosen in discussions this week among student leaders, civil society representatives and the military.

The protests began in July against a quota system for government jobs that critics said favored people with connections to Hasina's party. But she resigned and fled to India on Monday after the protests coalesced into a movement against her government and more than 300 people including students and police officers were killed in the spiraling violence.

Indian Prime Minister Narendra Modi sent his best wishes to Yunus in a statement on social media platform X, and alluded to reports that Hindus in Muslim-majority Bangladesh had



been targeted during the violence."We hope for an early return to normalcy, ensuring the safety and protection of Hindus and all other minority communities," Modi said. "India remains committed to working with Bangladesh to fulfill the shared aspirations of both our peoples for peace, security and development.'

Yunus, who was awarded the 2006 Nobel Peace Prize for his work

developing microcredit markets, was in Paris for the Olympics when he was chosen for the interim role. He called for calm and an end to partisan violence before he returned home earlier Thursday.In his first comments after his arrival, he told a news briefing that his priority would be to restore order. "Bangladesh is a family. We have to unite it," Yunus said, flanked by student leaders. "It has immense possibility."Yunus has been a longtime opponent of Hasina, who had called him a "bloodsucker" allegedly for using force to extract loan repayments from rural poor, mainly women. Yunus has denied the allegations. On Wednesday, a tribunal in Dhaka acquitted Yunus in a labor law violation case involving a telecommunication company he founded, in which he was convicted and sentenced to six months in jail.

Iran is accelerating cyber activity that appears meant to influence the US election, Microsoft says

NEW YORK. Iran is ramping up online activity that appears intended to influence the upcoming U.S. election, in one case targeting a presidential campaign with an email phishing attack, Microsoft said Friday. Iranian actors also have spent recent months creating fake news sites and impersonating activists, laying the groundwork to stoke division and potentially sway American voters this fall, especially in swing states, the technology giant found. The findings in Microsoft's newest threat intelligence report show how Iran, which has been active in recent U.S. campaign cycles, is evolving its tactics for another election that's likely to have global implications. The report goes a step beyond anything U.S. intelligence officials have disclosed, giving specific

examples of Iranian groups and the actions

they have taken so far. Iran's United Nations mission denied it had plans to interfere or

launch cyberattacks in the U.S. presidential election. The report doesn't specify Iran's intentions besides sowing chaos in the United States, though U.S. officials have previously hinted that Iran particularly opposes former President Donald Trump. U.S. officials also have expressed alarm about Tehran's efforts to seek retaliation for a 2020 strike on an Iranian general that was ordered by Trump. This week, the Justice Department unsealed criminal charges against a Pakistani man with ties to Iran who's alleged to have hatched assassination plots targeting multiple officials, potentially including Trump.Zhe report also reveals how Russia and China are exploiting U.S. political polarization to advance their own divisive messaging in a consequential election year. Microsoft's report identified four examples of recent Iranian activity that the company expects to increase as November's election draws closer. First, a group linked to Iran's Revolutionary Guard in June targeted a high-ranking U.S. presidential campaign official with a phishing email, a form of cyberattack often used to gather sensitive information, according to the report, which didn't identify which campaign was targeted. The group concealed the email's origins by sending it from the hacked email account of a former senior adviser, Microsoft said. Days later, the Iranian group tried to log into an account that belonged to a former presidential candidate, but wasn't successful, Microsoft's report said. The company notified those who were targeted. In a separate example, an Iranian group has been creating websites that pose as U.S.-based news sites targeted to voters on opposite sides of the political spectrum, the report said.One fake news site that lends itself to a

left-leaning audience insults Trump by calling him "raving mad" and suggests he uses drugs, the report said. Another site meant to appeal to Republican readers centers on LGBTQ issues and genderaffirming surgery. A third example Microsoft cited found that Iranian groups are impersonating U.S. activists, potentially laying the groundwork for influence operations closer to the election. Finally, another Iranian group in May compromised an account owned by a government employee in a swing state, the report said. It was unclear whether that cyberattack was related to election interference efforts.Iran's UN mission sent The Associated Press an emailed statement: "Iran has been the victim of numerous offensive cyber operations targeting its infrastructure, public service centers, and industries. Iran's cyber capabilities are defensive and

NEWS BOX Yuvraj Singh to 'unbreakable'

Neeraj Chopra: Golden moment for every Indian heart

New Delhi. Former Indian all-rounder Yuvraj Singh heaped praise on Neeraj Chopra for winning the silver medal in Paris Olympics 2024. On Thursday, Neeraj finished second in the final of the men's javelin event at Stade de France with a best throw of 89.45 metres. Pakistan's Arshad Nadeem and Grenada's Anderson Peters won the gold and bronze medals respectively. The 26-year-old Neeraj, who won gold in the Tokyo Olympics, could not defend his crown, but Yuvraj said that even with the silver medal, he was able to bring smiles to the entire nation. Neeraj started with a foul throw but then he pulled off a stunning effort in his second attempt. Yuvraj, who won the Player of the Tournament award in the 2011 Cricket World Cup, praised Neeraj for his "perseverance and pride".

'Golden journey'
"Proving yet again that his spirit to win is as unbreakable as his javelin's flight. You have not only won a historic silver medal but



have also brought a golden moment for every Indian heart. Here's to the champion who reminds us all that even in silver, there lies a golden journey of perseverance and pride," Yuvraj wrote. Yuvraj also had words of praise for Nadeem, who threw 92.97 metres and finished on top. "Heartiest congratulations to @arshadnadeem29 as well - for scripting history with an incredible 92.97m throw and breaking the Olympic record!" Yuvraj added.Nadeem also broke the Olympic record earlier held by Norway's Andreas Thorkildsen, who threw 90.57 metres in the Beijing Games in 2008. Arshad had butterflies in his stomach as he made a foul throw to begin his campaign.But the second throw shattered all records. He did not stop there and finished with another colossal throw of 91.79 metres in his sixth and final attempt. Having crossed the 90-metre mark, Arshad now intends to get better and go past 95

India to play day-night practice match to prepare for Adelaide Test vs Australia

New Delhi. India are set to play a two-day warm-up match against the Prime Minister's XI at the Manuka Oval in Canberra from November 30 to December 1 during the upcoming Border-Gavaskar Trophy. The contest has been scheduled to help India prepare for the Day-Night Test against Australia to be held from December 6 at the Adelaide Oval.

India have played three pink-ball Tests until now, against Bangladesh (2019), England (2021) and Sri Lanka (2022) and have won each of them. However, they are yet to play in an overseas Day-Night Test and the upcoming Adelaide Test would be their first on foreign soil. India will also be facing the Prime Minister's XI for the fourth time and the first in 20 years. Steve Waugh captained the PM XI which included current national coach Andrew McDonald against an Indian team led by Rahul Dravid. "We're delighted



to confirm India's involvement in this year's Prime Minister's XI match that emphasises the significance of the fixture on the cricketing calendar," Nick Hockley, the Cricket Australia CEO, was quoted as saying. "The upcoming Border Gavaskar Trophy Series will captivate the cricketing world. Today's confirmation of the Prime Minister's XI match is a terrific result for cricket fans, particularly in the ACT and surrounding regions, and adds to an incredible summer of cricket."

George Bailey, the CA Chair of Selectors, said, "Representing the PMs XI is a tremendous honour for any player given its rich history spanning across eight decades. This year's match also presents an opportunity for players to impress against arguably the strongest side in world cricket. India are scheduled to face Australia in the opening Test, starting November 22 at the Perth Stadium. Brisbane, Melbourne and Sydney will host the third, fourth and fifth Tests respectively. India have won back-to-back Test series in Australia.

Aman Sehrawat's bronze medal match in Paris Olympics: When and where to watch

Hall reeled in three runners
down the stretch of the 400meter final Wednesday to
deliver another heart-stopping
win for his country at the
Stade de France.

New Delhi. Indian wrestler Aman Sehrawat is just one step away from bringing India another medal at the Paris Olympics. He will take on Puerto Rico's Darian Cruz in the bronze medal match of the men's 57kg category in the wrestling competition on August 9, Friday. Aman Sehrawat featured in the bronze medal match after he lost the semif0nal match 10-0 against the top-seeded Japanese wrestler Rei Higuchi, who is also a former world champion and a winner of a silver Olympic medal in Rio 2016.In the round of 16 bouts, Aman Sehrawat beat Macedonia's Vladimir Egorov, who is a former European



champion, 10-0 with technical superiority. In the quarter-final round, he got the better of Zelimkhan Abakarov from Albania, who is a former world champion and fourth seed, 12-0. He is set for an intense round of bout against Darian Cruz. He was a bronze medallist in the Pan American Games last year. He has also won three medals at the

Pan American Championships, including a silver in Buenos Aires last year.

The 21-year-old Aman is the only male Indian wrestler to compete at the Paris Olympics 2024. Aman bested Ravi Dahiya, the Tokyo Olympics 2020 silver medallist in the Indian wrestling trials to make a cut into the 6-member Indian wrestling contingent. Here's

all you need to know about catching Aman Sehrawat live in action:When will Aman Sehrawat's bronze medal match at the Paris Olympics 2024 take place? Aman Sehrawat's bronze medal match at the Paris Olympics 2024 will take place on August 9, Friday. Where will Aman Sehrawat's bronze medal match at the Paris Olympics 2024 take place? Aman Sehrawat's bronze medal match at the Paris Olympics 2024 will take place at Champ-de-Mars Arena in Paris. What time will Aman Sehrawat's bronze medal match at the Paris Olympics 2024 start? Aman Sehrawat's bronze medal match at the Paris Olympics 2024 will start at 9:45 PM (IST)Where will Aman Sehrawat's bronze medal match at the Paris Olympics 2024 be broadcast?

Aman Sehrawat's bronze medal match at the Paris Olympics 2024 will be telecast on the Sports18 1 SD and Sports18 1 HD TV channels. Where to watch the live-streaming Aman Sehrawat's bronze medal match at the Paris Olympics? Aman Sehrawat's bronze medal match at the Paris Olympics 2024 will be streamed live on the JioCinema app and website

When Pakistan's Arshad Nadeem celebrated Olympic gold win with Indians

Pakistan's Arshad Nadeem wins gold medal at Paris Olympics 2024

He breaks the Olympic record with a monstrous throw of 92.7m in the javelin final

Neeraj Chopra finished 2nd and bagged first silver medal for India in Paris Games

New Delhi. A new chapter has unfolded in the sporting rivalry between India and Pakistan and, this time in an Olympic contest. However, what stood out the most was the mutual love and respect shared between Pakistan's Arshad Nadeem and India's Neeraj Chopra. The celebrations of Arshad Nadeem's gold medal win transcended the borders as the Indians cheered for him alongside Neeraj from the stands at the Stade



de France. Yet again, a sport like javelin managed to reunite the Indians and Pakistanis as they together celebrated Arshad and Neeraj Chopra's podium finish at the Paris Olympics 2024 on August 8.A social media user shared a video where Arshad was running across the stands with Pakistan's flag in his hands. He obliged to stop and click pictures with the Indian fans as they congratulated the Pakistani athlete for his win. Arshad celebrated his win with the Indians, who were also clapping and

cheering for him, and he looked ecstatic. Arshad was in tears as he met and greeted his countrymen who had turned out in huge numbers to cheer for him.

Arshad wins historic gold medal

Arshad Nadeem ended Pakistan's 32year-long wait for an Olympic medal and became the first athlete from the country to win an Olympic gold. He also dethroned his good friend and India's star Neeraj Chopra as the Olympic champion in

the men's javelin throw event. Meanwhile, Neeraj Chopra won the silver medal with his season best throw of 88.94m. Arshad Nadeem broke the Olympic record with his monstrous throw of 92.7m in his second attempt and ended his sixth and last one with 91.79m throw. Arshad and Neeraj both appreciated each other for winning medals. They both ensured India-Pakistan finished 1-2 for the first time on the Olympic podium in men's javelin, a sport that is traditionally

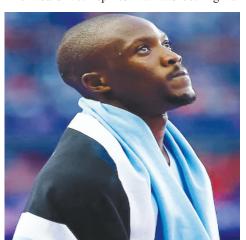
Can't be face of athletics, not loud or arrogant like Noah Lyles: Letsile Tebogo

New Delhi. Botswana's Letsile Tebogo was quick to dismiss suggestions that he will be the face of athletics as he claimed that he isn't some as 'loud and arrogant' as Noah Lyles. Tebogo would put in a stunning performance to claim the gold medal at the Paris Olympics 2024 on August 8, Thursday when upstaged the favourite Lyles. The US sprinter would end up in the third spot as he was hit by COVID before the race.

Tebogo became the first African to win the event as he ran and finished it in 19.46 seconds, ahead of Kenny Bednarek and Lyles. When asked if this performance would catapault him into stardom like Usain Bolt, the Botswana sprinter shook his head quietly and brushed aside the suggestions."I can't be the face of athletics as I'm not a loud or arrogant person like Noah," he said as quoted by Reuters.

My mom believed in me

It was an emotional day for Tebogo as he would dedicate the win to his late mother. The sprinter's mother had passed away in May and he would wear spikes that was bearing her



birthdate. Tebogo would say it was like he was carrying her with each stride he took and it gave him the motivation to win. Tebogo said that she would have been very happy for him and his achievement. "It's basically me carrying her through every stride that I take," Tebego told reporters. "Me, to take her, it gives me a lot of motivation. "I didn't want to put the date of her death, because I'll get emotional.

"I took about a month without doing anything. It wasn't really clicking for me that she's really gone. For me, I have to find the reason why I started my athletics journey and why I should continue going on.(If she were here) I believe she could be one of the happiest people on the planet because she believed in me when I doubted myself."

PR Sreejesh retires: An ode to a legend who signed off at the top of his game

New Delhi. When the final hooter was sounded on August 8, Thursday in the bronze medal match at the Paris Olympics 2024, the Indian players would erupt in joy before making the run towards their favourite PR Sreejesh. The goalkeeper, however, was simple with his celebration. There were no fist bumps or shouts of joy. It was just a simple moment for the 36-yearold, who bowed down before the goalpost like it was a shrine where his god was living. There was a sense of fulfilment for a man who got his first kit after his father decided to sell their cow. It felt like life had come full circle for a star, who had seen the highs and lows of Indian hockey, coming from Kerala, where the sport has never had a rich history. From the absolute rock-bottom the team hit in the 2012 London Olympics, Sreejesh remained a constant to see the revival of Indian hockey as it won 2 back-toback Olympic medals for the first time since 1972. However, as fans, you feel like Sreeiesh was nowhere close to retirement. It seemed like the Indian star hadn't aged at all, especially during the Paris Olympics 2024



campaign. Nimble on his feet, with reactions showing no sign of any tardiness, Sreejesh lived up to his name of being the wall of Indian hockey. This was perfectly shown in the game against Australia, India's biggest bogey team.

Sreejesh was ever prsent to thwart any attack that was inside the Indian D. The last save he pulled off with just 7 seconds on the clock and close to 7 Australian players in the D, makes you just say he is Indian hockey's 'Thala for a reason.' And just when you thought, he couldn't top things off, in came the Great Britain quarterfinal.

In hockey, when you have a red card shown, it's almost like that team is bound to lose. No

one is expected to hold on and not see the opponents score. When Amit Rohidas was given his marching orders, everyone felt India were going out of the competition. But the team scored and eventually the game was 1-1, when Sreejesh decided that it was time for him to be that extra defender for his side. A barrage of close to 11 penalty corners were stopped by Sreejesh and Co as he never stopped being telling his players what to do. He didn't have the captain's armband at that moment, but he was certainly 'Sreejesh bhai' for the entire team. Then came the penalty shootout, where there's almost a sense that when Sreejesh is on the line, the attacker is under pressure. And it was certainly there for everyone to see. Great Britain crumbled under pressure, as they missed two shots and India won 4-2. And in the bronze medal match, the pressure remained on India in the final quarter. Spain had 15 shots and 9 PCs but Sreejesh was up to the task, when it was needed. So then, Sreejesh why retire now?

Going out on top

"To retire at the top of the game, that's always been my aim.

Noah Lyles reveals being Covid positive after 200m bronze win, withdraws from Olympics

Noah Lyles revealed that he was
Covid positive after winning the
bronze medal in the 200m race
at Paris Olympics 2024 and the
sprinter withdrew from the
tournament.

New Delhi. USA's Noah Lyles revealed that he tested positive for Covid after a shock third finish in the 200m race at the Paris Olympics 2024. The American said that his Paris Games were over, hours after he needed medical attention and was taken off the track with a wheel-chair on August 8, Thursday. Lyles leaves as an Olympic champion, but an abrupt end to his campaign would be a bitter pill to swallow, as he had set the ambitious goal of winning four golds in Paris, in the

100m, 200m, 4x100m relay and the 4x400m relay. It was also the first time in three years when the triple 200m world champion could not win gold in this category."I do have Covid," Lyles told the reporters on Thursday. "I tested positive around 5am on Tuesday. I woke up feeling chills, aching, sore throat. Those were a lot of the symptoms I have had before getting Covid. I was like: 'I need to test this one.' It came back positive so we quickly quarantined in a hotel near the village and they got me on as much medication as they legally could to make sure my body was able to keep the momentum going. It means Lyles, the 100m world champion, will play no part when the US quartet attempt to win 4x100m relay gold on Friday."I still wanted to run, they said it was still possible so we stayed away from everybody and took it round by round. I have definitely had better days but I am walking around again. I was quite light headed after that race and the chest pain was definitely active. After a while I was able to catch my



breath and get my wits about me. I am feeling a lot better now."

Noah Lyles withdraws from Paris OlympicsNoah participates in 200m race despite CovidBotswana's Letsile Tebogo won gold (19.46) and USA's Kenneth Bednarek bagged silver (19.62) and Lyles reached the finishing line in 19.70 seconds to bag bronze.In a statement, USA Track & Field said: "Our primary commitment is to ensure the safety of Team USA athletes while

upholding their right to compete. After a thorough medical evaluation, Noah chose to compete tonight. We respect his decision and continue to monitor his condition closely."

Despite missing out on gold medal, Noah was content with finishing third while being Covid-stricken."It definitely affected my performance," Lyles said. "I had to take a lot of breaks [to receive] fluid. â€æ To be honest, I'm more proud of myself than anything. Coming out, getting the bronze medal with covid three days ago, it's been a wild Olympics."The Paris Olympics has no mandatory rules relating to Covid and participation, which meant Lyles was within his rights to take to the start line."We didn't want everybody to go ino a panic. We wanted them to be able to compete," Lyles said. "And then two, we wanted to be able to make this as discreet as possible. You never want to tell your competitors you're sick. Why would you give them an edge over you?"

Saturday, 10 August 2024





alaika Arora is one of the leading figures in Bollywood, popular for her dance and fitness. The actress has been the face of some of the biggest chartbusters in the country as well as worked as a judge for superhit reality shows. The actress-model's love life has been a tumultuous journey, for which she frequently made headlines in the media. Going by the reports, Malaika Arora met Arbaaz Khan during a coffee advertisement shoot and the pair ended up falling in love. In 1998, the two tied the knot and stayed together for almost two decades and welcomed their son, Arhaan Khan. The two decided to part ways in 2016 and ended their relationship with a divorce by 2017, shocking the

After her separation, the media started to link her with actor Arjun Kapoor and the actor finally confirmed their relationship with a heartwarming post on Malaika's 45th birthday. After that, they became a popular social media couple, which loved to share affectionate posts with and about each other.

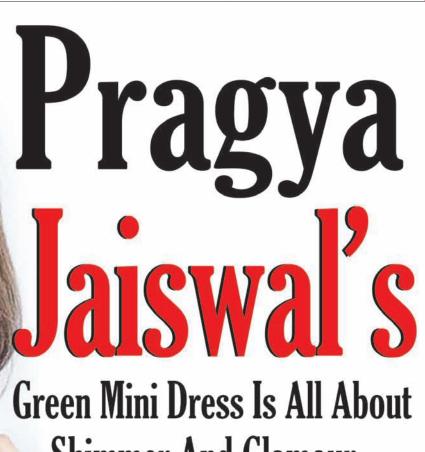
As per the latest reports on the couple, they have broken up with each other, after dating for nearly seven years. The rumours about the separation started to swirl when Malaika Arora was reported to be absent from Arjun's 39th birthday bash. It was followed by several cryptic posts shared by the two on their respective social media platforms, believed to hint at a big change in their personal lives. An official announcement is yet to be made by them. Throughout her career, Malaika Arora has appeared in cameos and singles in films like Housefull, Dabangg, Happy New Year, Dabangg 2. She was last seen in a cameo in the Netflix release Kho Gaye Hum Kahan, released in December, last year. It was directed by Arjun Varain Singh and starred Siddhant Chaturvedi, Ananya Panday and Adarsh Gourav as the leads. She has worked as a judge in shows like India's Got Talent and Jhalak

Aparshakti Khurana Gives Hilarious Reaction As A kid Calls Him 'Oo Stree'



parshakti Khurana, eagerly anticipating the release of his much-Lawaited horror-comedy 'Stree 2,' recently found himself in a comical exchange with a young fan on the streets of Mumbai. In a viral video on social media, the child amusingly addresses Aparshakti as the actor from 'Stree,' calling him 'Oo Stree.' Aparshakti's humorous response, saying "O Stree Kal Aana" in a playful manner, has delighted fans.

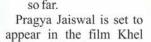
This lighthearted moment underscores the growing excitement for 'Stree 2,' poised to be one of 2024's biggest blockbusters. The film stars Rajkummar Rao, Shraddha Kapoor, Aparshakti Khurana, Pankaj Tripathi, and Abhishek Banerjee, and is directed by Amar Kaushik. As a sequel to the 2018 hit 'Stree,' the anticipation surrounding 'Stree 2' suggests it will replicate the original's success.In addition to 'Stree 2,' which hits theaters on August 15, Aparshakti Khurana has several other projects lined up. He recently completed filming 'Badtameez Gill,' a comedy-drama co-starring Vaani Kapoor and Paresh Rawal, set for release on November 29. Aparshakti will also appear in 'Berlin,' a film that has garnered significant acclaim at international festivals, and he has a documentary titled 'Finding Ram' in the works. Speaking about Stree 2, the Amar Kaushik directorial is the highly anticipated sequel to the 2018 blockbuster Stree, which grossed nearly Rs 200 crore worldwide. Since the success of the first film, Maddock Films has expanded the universe with several interconnected movies, the latest being the surprise hit Munjya, which earned Rs 130 crore globally. The trailer for Stree 2 opens with a chilling voiceover introducing a new supernatural threat: 'Sarkate', a headless horseman reminiscent of the legendary Sleepy Hollow figure. To combat this eerie new foe, the beloved trio from the first film-Vicky, Jana, and Bittu-reunite and seek the help of Shraddha Kapoor's enigmatic character.



Shimmer And Glamour Outh actress Pragya Jaiswal has gained incredible recognition for her talent in a number of Telugu super hits. She is not only an acting sensation, but is also an active user of social media, through which she updates her fans on her

enchanting looks and projects. Her latest photoshoot in a green dress is a sight to behold. Pragya took to Instagram to share the photos, which captures her fit body. She has chosen to don a strapless, dark green shimmer mini dress, a luminous attire in the dim light of the atmosphere. It is tailored with a deep neckline, folds along the length of the cloth and a flowing attachment at the front. She has opted to keep herself adorned with minimal accessories, only wearing huge golden earrings and matching finger rings and golden thin strapped heels. For her hair, she styled it open with big curls, resting on her shoulders. According to the caption, the look was for the trailer launch event of her new release, Khel Khel Mein. It stated, "Let the games begin. For the Trailer Launch of our film #KhelKhelMein.'

Fans share their reactions to the dazzling photoshoot in the comment section below. The first user wrote, "Stunning as always ma'am." A second fan shared, "The dress is lovely." A third fan stated, "Very Very beautiful." And a fourth fan wrote, "Truly mesmerizing." Several users left heart emoticons in the replies to express their love. The post has garnered thousands of likes on the platform



Khel Mein, which is expected to release on August 15. It is made under the direction of Mudassar Aziz, who has also penned its story. The ensemble cast includes names like Akshay Kumar, Taapsee Pannu, Vaani Kapoor, Fardeen Khan and Ammy Virk. It is produced under the banners of T-Series Films, Wakaoo Films and White World Productions. The music is done by Tanishk Bagchi, Rochak Kohli and many others.



Says 'Makes Your Own Rules' Days After Seemingly **Confirming Breakup With Arjun Kapoor** alaika Arora took to her Instagram stories on Thursday morning and shared a cryptic note which talked

about maintaining a balance in life. It also urged everyone to live their respective lives by their own rules and stated that others must not control your way of living at all. "Balance is the key, in everything you do. Dance all night long and practice yoga the next day. Drink wine but don't forget your green juice. Eat chocolate when your heart wants it and kale salad when your body needs it. Wear high heels on Saturday and walk barefoot on Sunday. Live high and low. Move and stay still. Embrace all sides of who you are," it read. Be brave, bold, spontaneous and loud and let that complement your abilities and find silence, patience,

modesty and peace. Aim for balance. Make your own rules and follow your own path. Don't let anyone tell you how to live according to theirs," the note added. While Malaika did not mention anything in the caption while sharing the note, the timing of her post must be considered. Interesting, this comes at a time when the Bollywood diva has been making headlines for her rumoured breakup with Arjun Kapoor. Last month, Malaika left fans concerned after she skipped Arjun's midnight birthday celebration at his Juhu residence. She didn't wish him on social media either, which led to speculation about their possible breakup. Later, Malaika crossed Arjun at an event when they ignored each other and seemingly confirmed their breakup. Amid the ongoing rumours surrounding her "on-off relationship"



with Arjun, Malaika recently spoke about how the internet can be a very toxic space. "I have somehow built a mechanism — or shield, I would say — around me where I don't let the negativity through anymore," Malaika told Hello magazine. "I've insulated myself from it. Whether it's people, a work environment, social media or trolls. The minute I feel that energy, I recoil instantly. It's something I've learned to do over time. It would get to me earlier and I would lose sleep over it. I'd be lying if I said things don't affect me at all — I'm human too and so I will cry, break down and have all the emotions associated with being trolled. But you'll never see that in public," she added.

